जन्म पत्रिका

Aishwarya Rai

तारीख	01/11/1973
दिन	गुरुवार
समय	12:00:00
स्थान	MANGALORE - INDIA
अक्षांश	012.54.N
रेखांक्ष	074.48.E
लग्न	मकर
चन्द्र राशि	धनु
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
चरण	4

Generated Through Horosoft Professional Edition v5.0

Triple-S Software
207 Balaji Plaza LSC-3 Sector-8 Rohini Delhi-110085
http://www.horosoft.net email sales@horosoft.net

नाम	Aishwarya Rai	दादा का नाम	
लिंग	स्त्री	पिता का नाम	
जन्म तिथि	01/11/1973	माता का नाम	
दिन वार	गुरुवार	जाति	
जन्म समय	12:00:00 घन्टे	गोत्र	
(समय घटी में)	13:57:53 घटी		
जन्म स्थान	MANGALORE		
अक्षांश	012.54 उत्तर	विक्रमी संवत्	2030
रेखांश	074.48 पूर्व	शक संवत्	1895
समयक्षेत्र	.05.30 घन्टे	मास	कार्तिक
समय संशोधन	00.00 घन्टे	पक्ष	शुक्ल
स्थानीय समय	11:29:12 घन्टे	चन्द्र तिथि	6
स्थानीय तिथि	01/11/1973	सूर्योदय कालीन तिथि	6
सूर्योदय	6: 24: 50 घन्टे	तिथि समाप्ति काल	20:17:48
सूर्यास्त	18: 4: 53 घन्टे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
दिनमान	11: 40: 3 घन्टे	नक्षत्र समाप्ति काल	18:30:56
विषुव काल	14: 10: 49 घन्टे	सूर्योदय कालीन योग	धृति
भयात	51:39:37 घटी	योग समाप्ति काल	27:0:0
भभोग	67:53:27 घटी	सूर्योदय कालीन करण	कौलव
ऋतु	शरद	करण समाप्ति काल	6:57:11
भोग्य दशा	शुक्र 4व 9मा 14दि		

अवकहड़ा चक्र

लग्न	मकर
लग्नेश	शनि
राशि	धनु
राशीश	गुरु
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
चरण	4
पाया (चंद्र-नक्षत्र)	लोहा-तांबा
योग	धृति
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	श्वान
नामाक्षर	ढ
युंजा	अन्त्य
हंसक तत्व	अग्नि

घात चक्र

मास	श्रावण
तिथि	3- 8- 13
दिन	शुक्रवार
नक्षत्र	भरणी
योग	वज्र
करण	तैतिल
प्रहर	1
वर्ग	मेड़ा
चन्द्र	कन्या

शुभ दिन, वार, रत्न

शुभ दिन	शनिवार
शुभांक	6
शुभ रंग	हरा
शुभ रत्न	पन्ना
रत्न धातु	स्वर्ण
रत्न धारक अंगुली	कनिष्ठिका (अंगूठें से चौथी)

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	मकर	02°11'07''		शनि	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	गुरु
सूर्य	तुला	15°12'01''	नीच	शुक्र	स्वाती	3	राहु	केतु
चन्द्र	धनु	23°28'34''	सम	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	4	शुक्र	शनि
मंगल-व	मेष	05°47'24''	मु.त्रि.	मंगल	अश्विनी	2	केतु	राहु
बुध-व	वृश्चिक	02°51'50''	सम	मंगल	विशाखा	4	गुरु	राहु
गुरु	मकर	10°36'15''	नीच	शनि	श्रवण	1	चन्द्र	चन्द्र
शुक्र	धनु	01°51'37''	सम	गुरु	मूल	1	केतु	शुक्र
शनि-व	मिथुन	11°02'48''	मित्र	बुध	आरद्रा	2	राहु	शनि
राहु-व	धनु	06°16'21''	सम	गुरु	मूल	2	केतु	राहु
केतु-व	मिथुन	06°16'21''	सम	बुध	मृगशिरा	4	मंगल	चन्द्र
यूरे	तुला	00°53'45''		शुक्र	चित्रा	3	मंगल	बुध
नेप्च	वृश्चिक	12°38'00''		मंगल	अनुराधा	3	शनि	मंगल
प्लूटो	कन्या	12°03'45''		बुध	हस्त	1	चन्द्र	राहु

चित्रपक्षीय अयनांश 23: 29: 29 अंश
राहु व केतु के स्पष्ट अंश हैं

जन्म लग्न

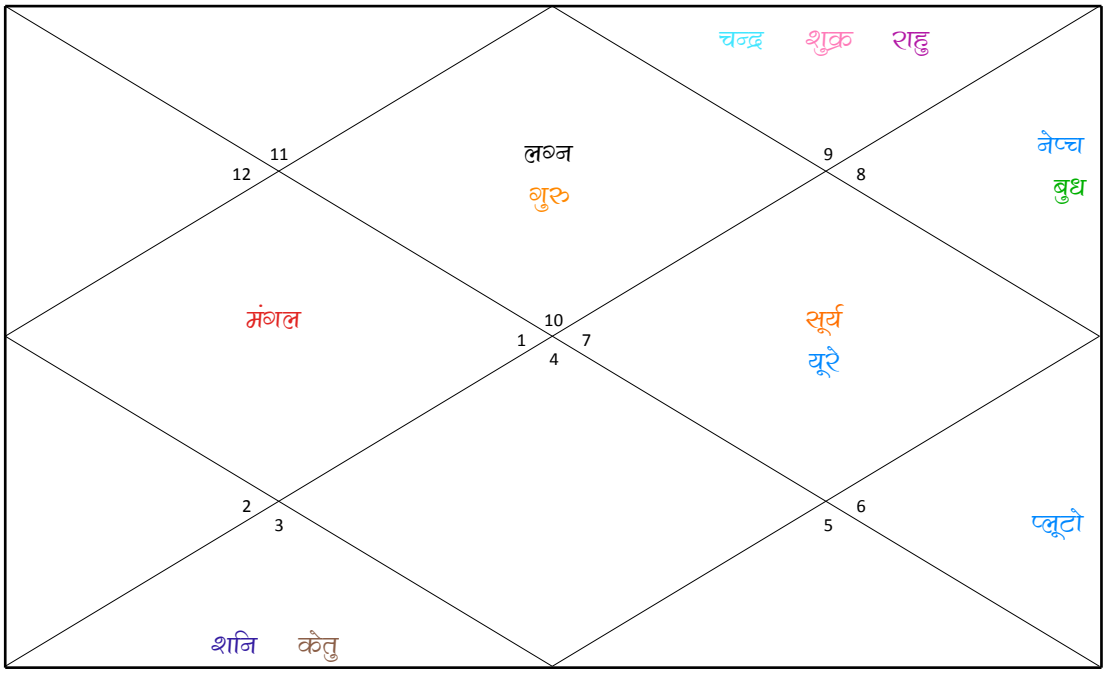

कारकत्व एवं अवस्थाएं

ग्रह	कारक		अवस्थाएं	
	चर कारक	स्थिर कारक	बालादि	शयानादि
सूर्य	अमात्य	पिता	युवा	उपवेशन
चन्द्र	आत्म	माता	वृद्ध	प्रकाश
मंगल	पुत्र	पराक्रम	बाल	कौतुक
बुध	ज्ञाति	बुद्धि	मृत	निद्रा
गुरु	मातृ	धन	वृद्ध	प्रकाश
शुक्र	दारा	कलत्र	बाल	आगमन
शनि	भ्रातृ	आयुष्य	कुमार	उपवेशन
राहु		भ्रम	कुमार	निद्रा
केतु		मोक्ष	कुमार	कौतुक

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पूर्वाषाढ	उत्तराषाढ	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू भाद्रपद	उ भाद्रपद	रेवती	अश्विनी
भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आरद्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा
पू फाल्गुनी	उ फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल

चन्द्र लग्न

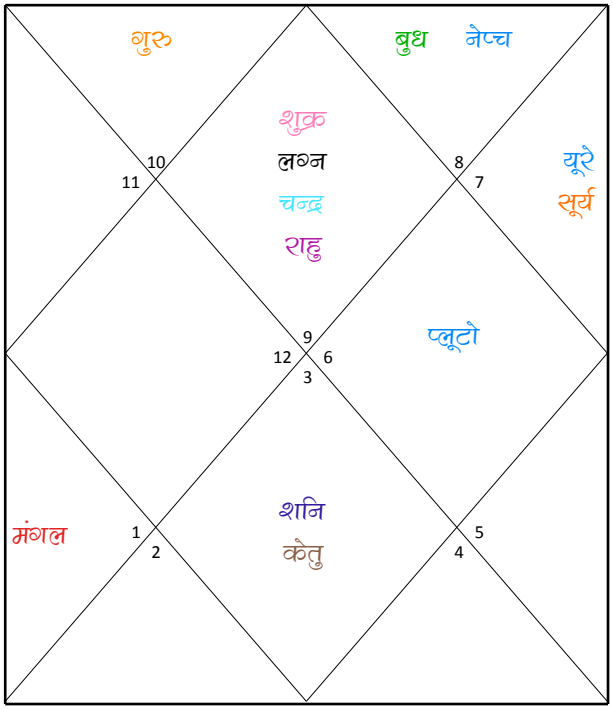

नवमांश

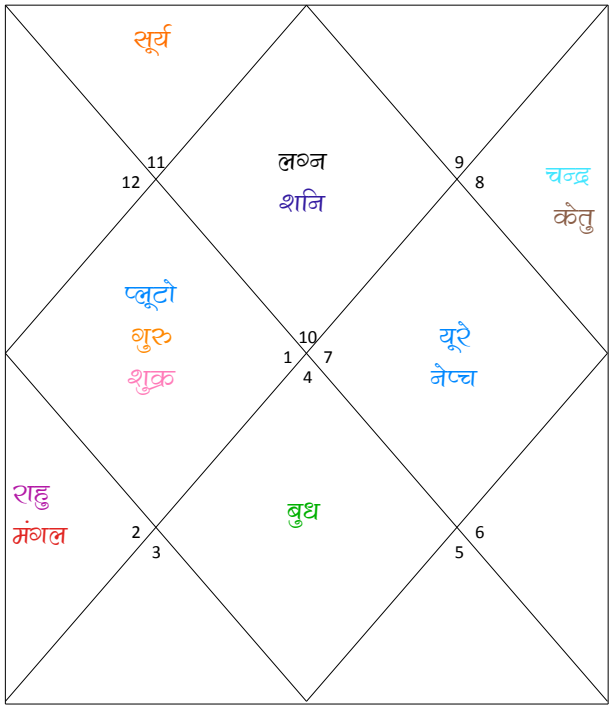

भाव एवं निरयण भाव (कस्प)

भाव	आरम्भ		मध्य	
1	धनु	18:44'	मकर	02:11'
2	मकर	18:44'	कुम्भ	05:17'
3	कुम्भ	21:50'	मीन	08:23'
4	मीन	24:56'	मेष	11:29'
5	मेष	24:56'	वृष	08:23'
6	वृष	21:50'	मिथुन	05:17'
7	मिथुन	18:44'	कर्क	02:11'
8	कर्क	18:44'	सिंह	05:17'
9	सिंह	21:50'	कन्या	08:23'
10	कन्या	24:56'	तुला	11:29'
11	तुला	24:56'	वृश्चिक	08:23'
12	वृश्चिक	21:50'	धनु	05:17'

भाव	राशि	अंश
1	मकर	2:11'7''
2	कुम्भ	5:13'2''
3	मीन	9:33'17''
4	मेष	11:29'36''
5	वृष	9:35'28''
6	मिथुन	5:30'7''
7	कर्क	2:11'7''
8	सिंह	5:13'2''
9	कन्या	9:33'17''
10	तुला	11:29'36''
11	वृश्चिक	9:35'28''
12	धनु	5:30'7''

चलित

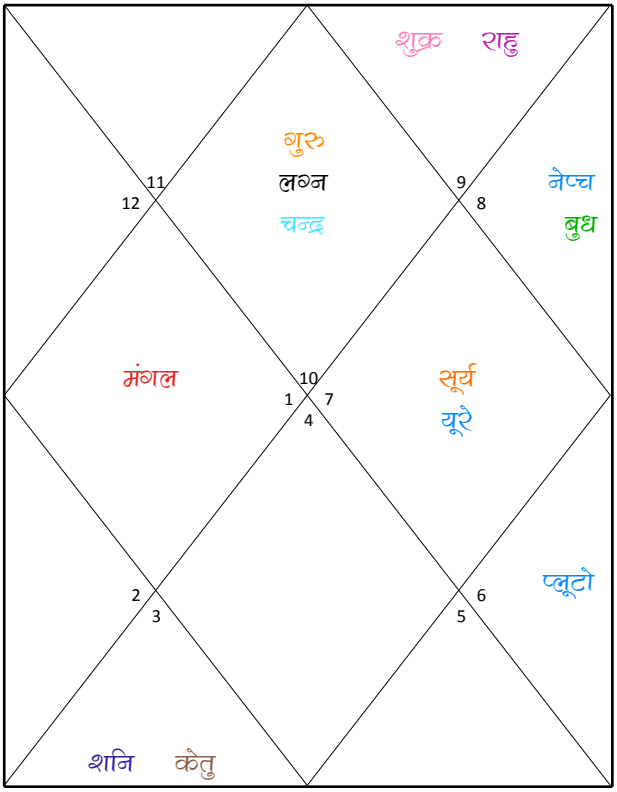

निरयण भाव (कस्प)

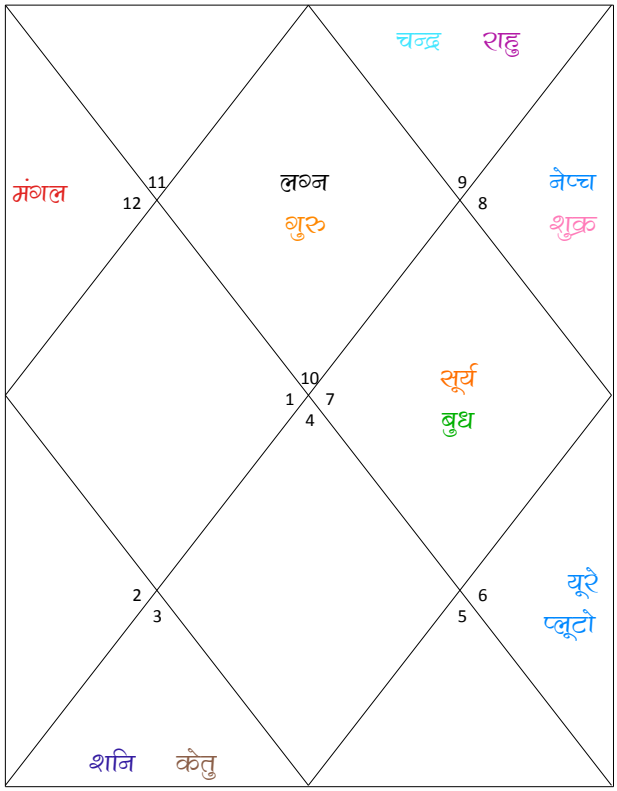

षोडशवर्ग चक्र

जन्म लग्न

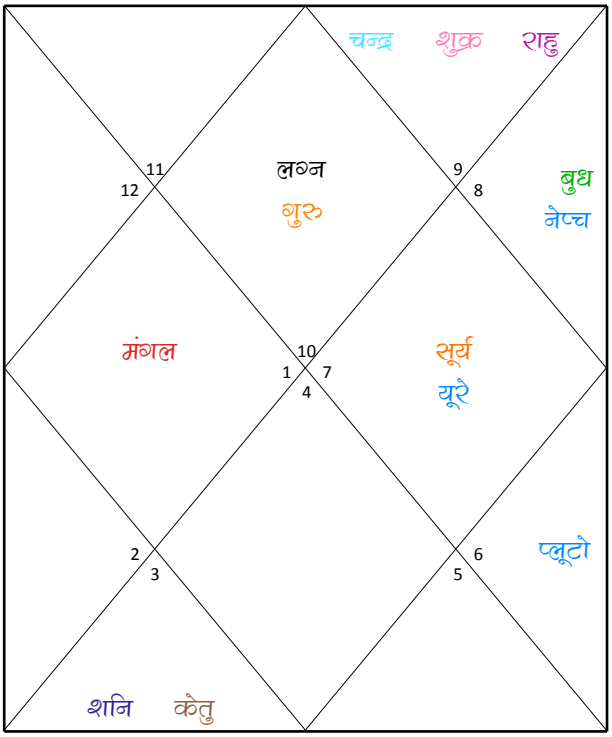

होरा "सम्पति के लिए"

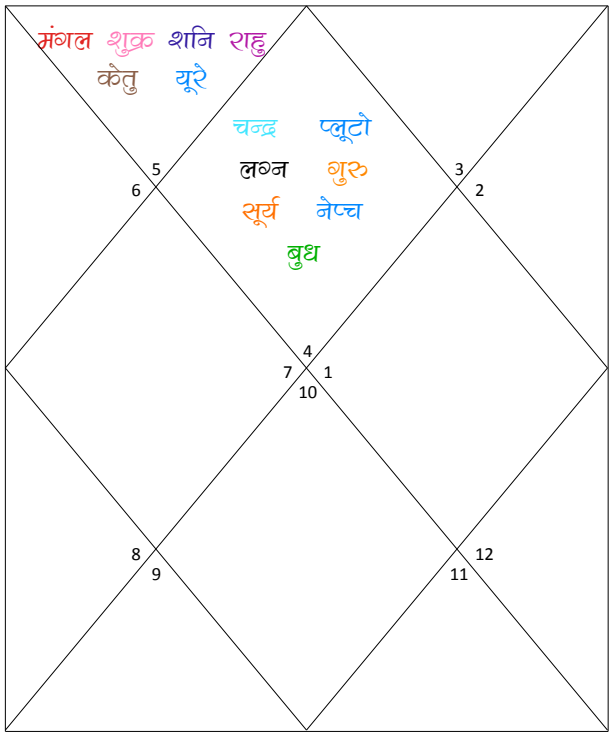

द्रेष्काण "भाई व बहनों के लिए"

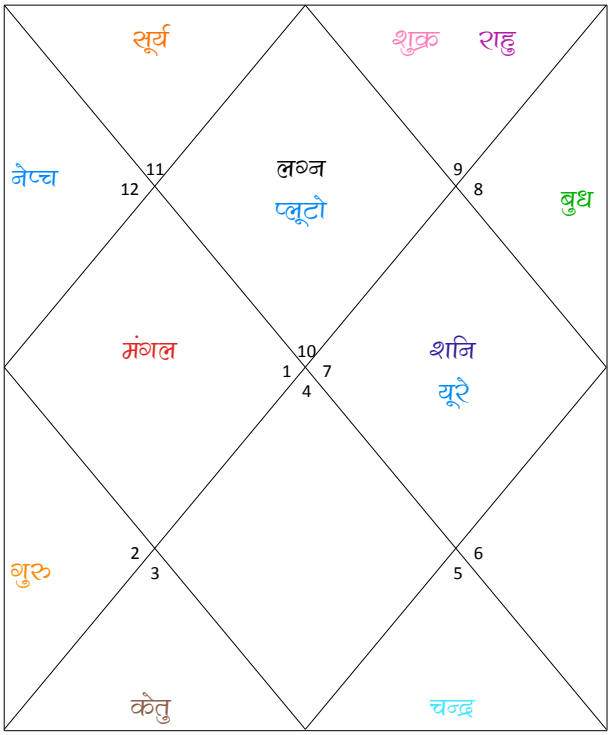

चतुर्थांश "भाग्य के लिए"

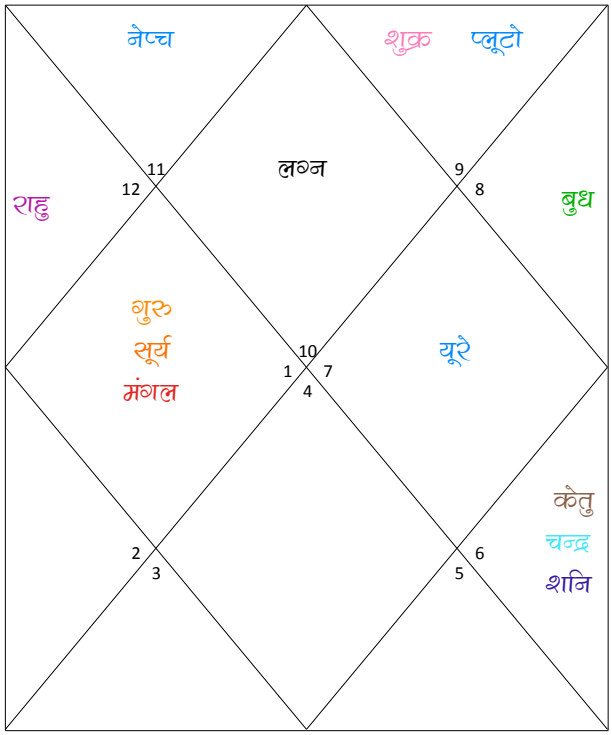

षोडशवर्ग चक्र

सप्तमांश "बच्चों के लिए"

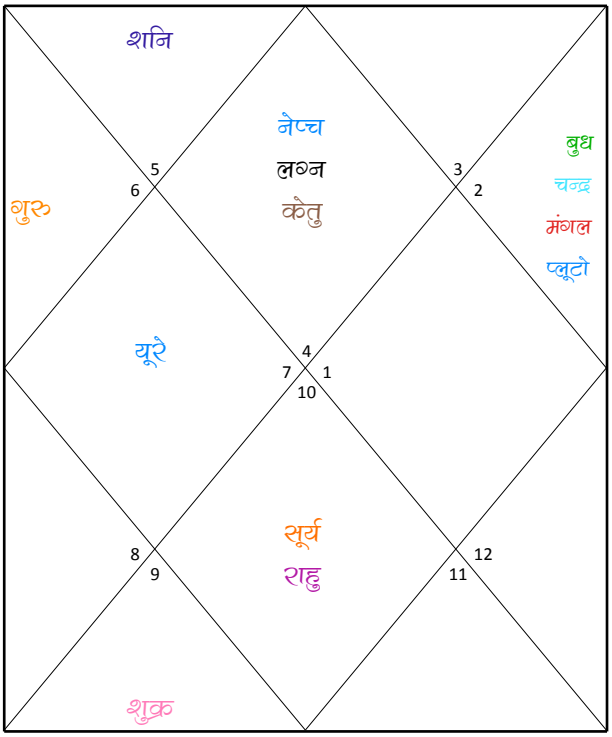

नवमांश

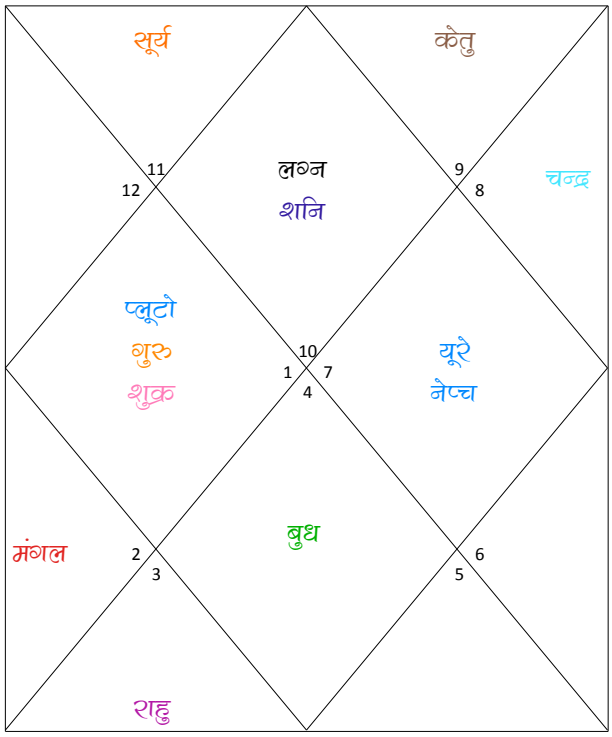

दशमांश "जीवन यापन के लिए"

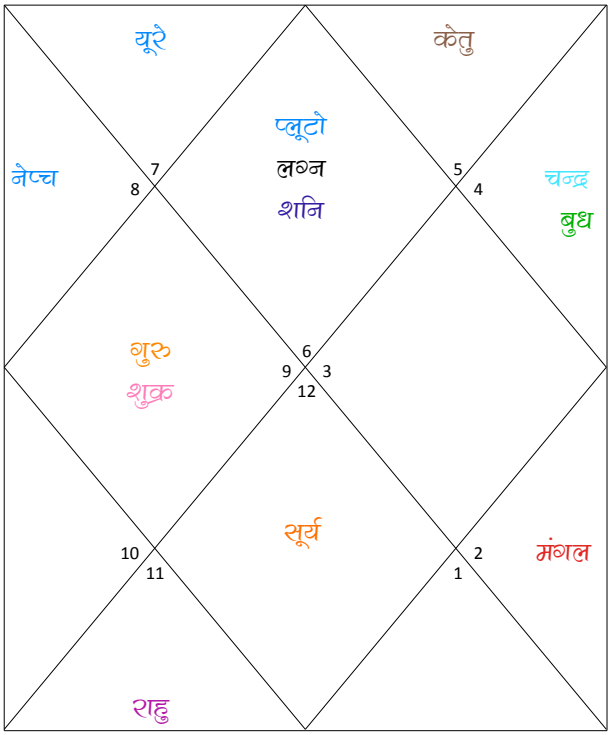

द्वादशांश "माता पिता के लिए"

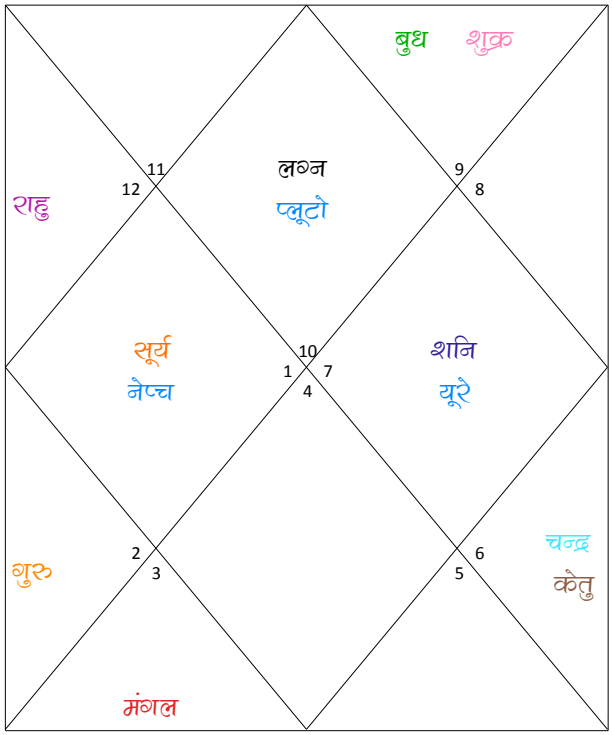

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश "वाहन के लिए"

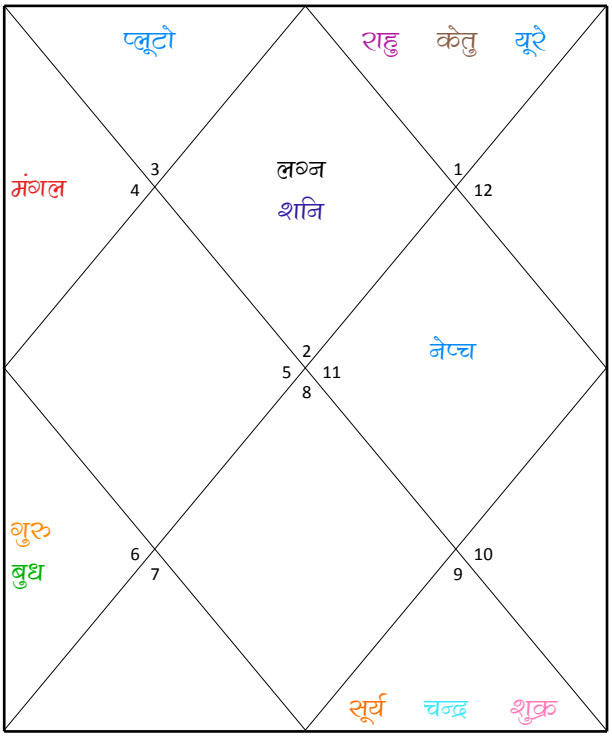

विशांश "धार्मिक प्रवृति के लिए"

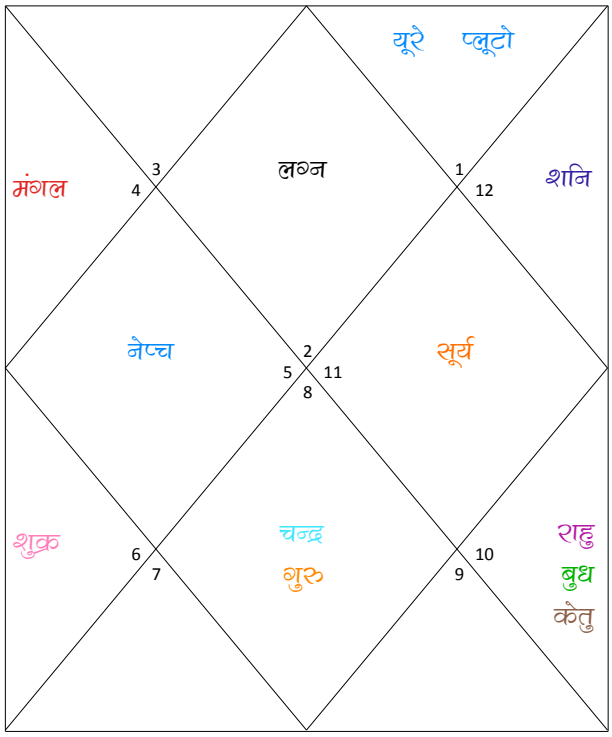

चतुर्विंशांश "विद्या के लिए"

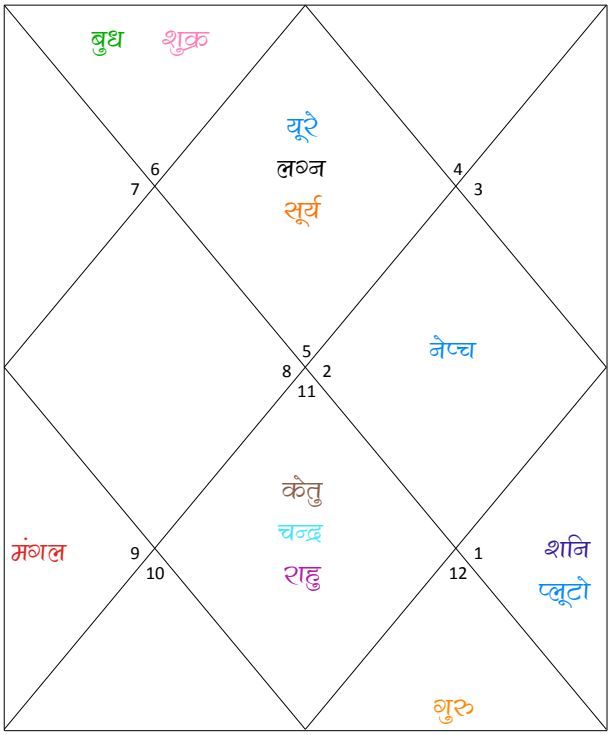

सप्तविंशांश "बलाबल के लिए"

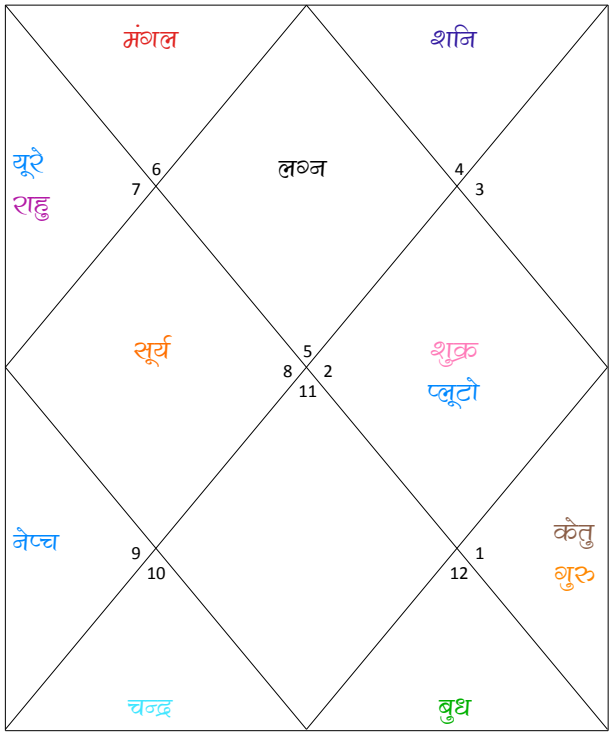

षोडशवर्ग चक्र

त्रिंशांश "अरिष्ट के लिए"

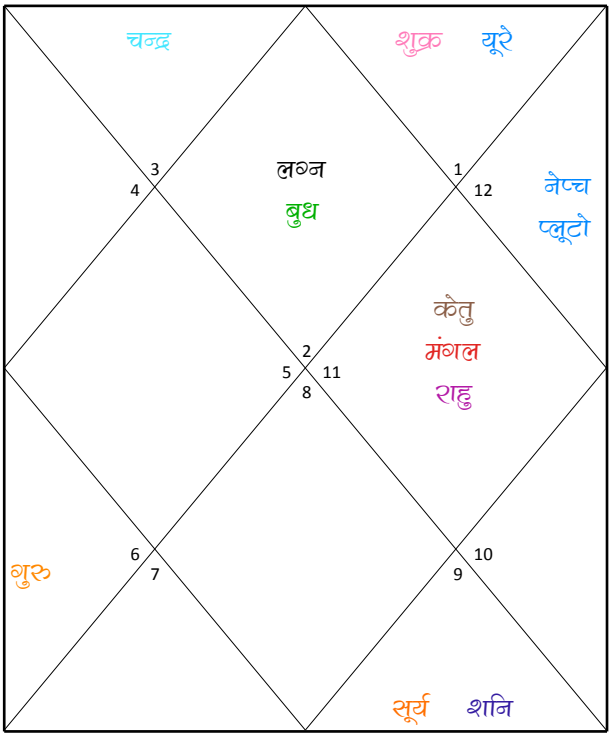

खवेदांश "शुभ के लिए"

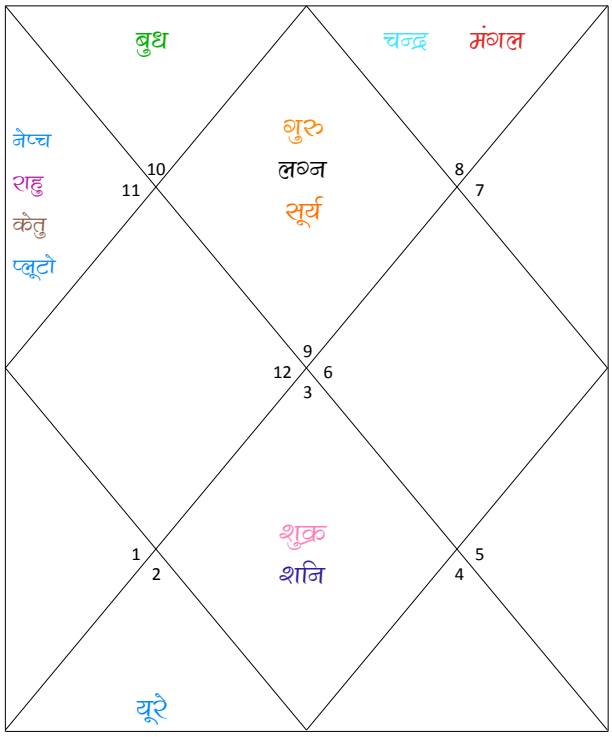

अक्षवेदांश "सर्वास्थिति के लिए"

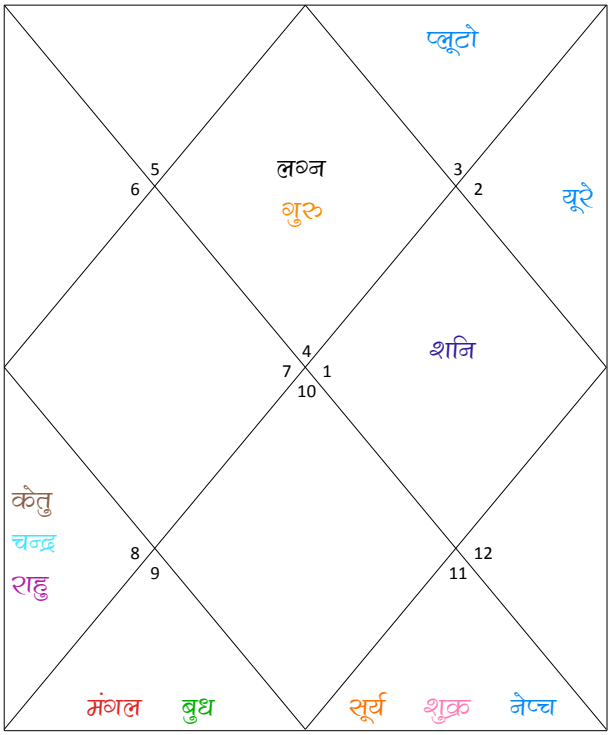

षष्ट्यंश "सर्वास्थिति के लिए"

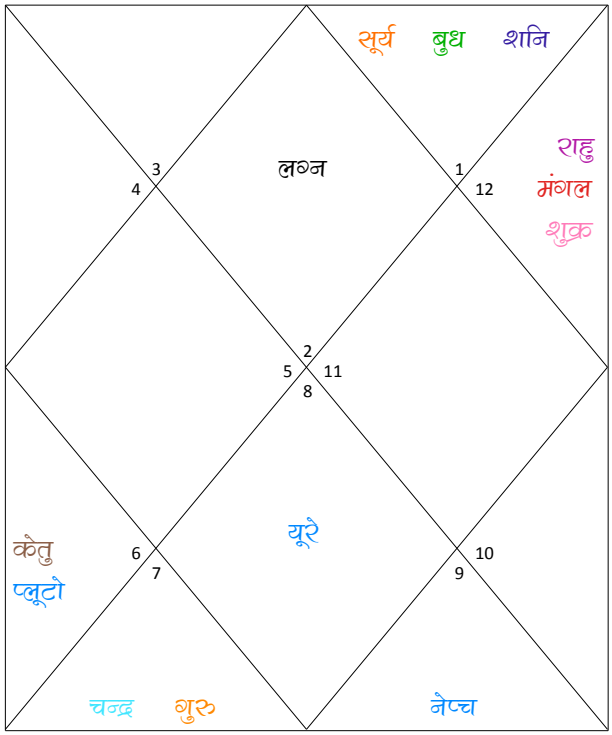

सुदर्शन चक्र

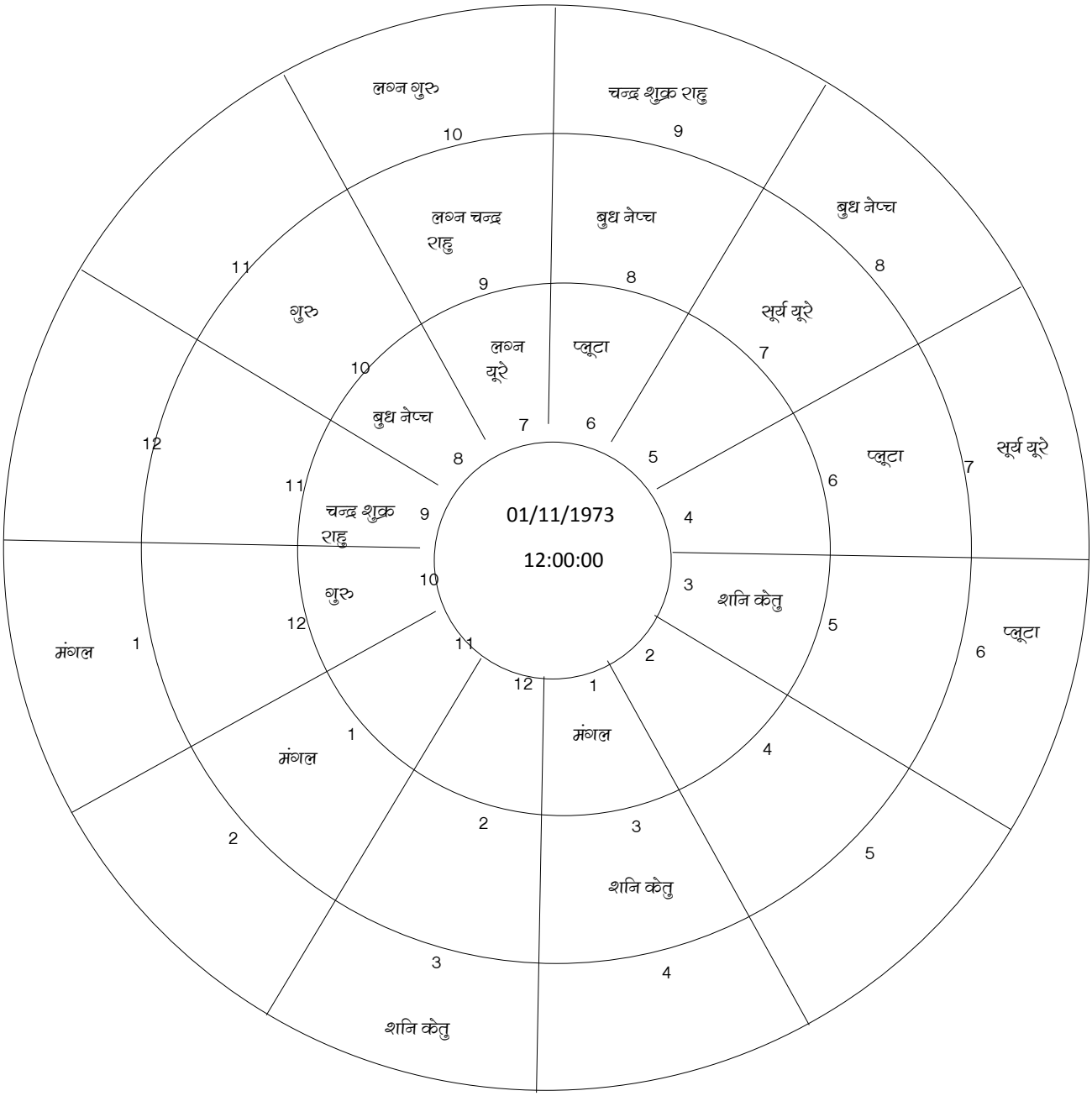
लग्न गुरु
10
चन्द्र शुक्र राहु
9
बुध नेप्च
8
सूर्य यूरे
7
प्लूटा
6
शनि केतु
5
शनि केतु
4
मंगल
3
मंगल
2
मंगल
1
गुरु
12
गुरु
11
बुध नेप्च
10
चन्द्र शुक्र राहु
9
लग्न यूरे
8
लग्न चन्द्र राहु
7
बुध नेप्च
6
प्लूटा
5
सूर्य यूरे
4
प्लूटा
3
शनि केतु
2
शनि केतु
1
मंगल
12
मंगल
11
गुरु
10
गुरु
9
बुध नेप्च
8
सूर्य यूरे
7
प्लूटा
6
प्लूटा
5
शनि केतु
4
शनि केतु
3
मंगल
2
मंगल
1
01/11/1973
12:00:00

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म लग्न	मकर	तुला	धनु	मेष	वृश्चिक	मकर	धनु	मिथुन	धनु	मिथुन
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	मकर	कुम्भ	सिंह	मेष	वृश्चिक	वृष	धनु	तुला	धनु	मिथुन
चतुर्थांश	मकर	मेष	कन्या	मेष	वृश्चिक	मेष	धनु	कन्या	धनु	मिथुन
सप्तमांश	कर्क	मकर	वृष	वृष	वृष	कन्या	धनु	सिंह	मकर	कर्क
नवमांश	मकर	कुम्भ	वृश्चिक	वृष	कर्क	मेष	मेष	मकर	वृष	वृश्चिक
दशमांश	कन्या	मीन	कर्क	वृष	कर्क	धनु	धनु	कन्या	कुम्भ	सिंह
द्वादशांश	मकर	मेष	कन्या	मिथुन	धनु	वृष	धनु	तुला	कुम्भ	सिंह
षोडशांश	वृष	धनु	धनु	कर्क	कन्या	कन्या	धनु	वृष	मीन	मीन
विंशांश	वृष	कुम्भ	वृश्चिक	कर्क	मकर	वृश्चिक	कन्या	मीन	धनु	धनु
चतुर्विंशांश	सिंह	सिंह	कुम्भ	धनु	कन्या	मीन	कन्या	मेष	मकर	मकर
सप्तविंशांश	सिंह	वृश्चिक	मकर	कन्या	मीन	मेष	वृष	कर्क	कन्या	मीन
त्रिंशांशा	वृष	धनु	मिथुन	कुम्भ	वृष	कन्या	मेष	धनु	कुम्भ	कुम्भ
खवेदांश	धनु	धनु	वृश्चिक	वृश्चिक	मकर	धनु	मिथुन	मिथुन	धनु	धनु
अक्षवेदांश	कर्क	कुम्भ	वृश्चिक	धनु	धनु	कर्क	कुम्भ	मेष	कन्या	कन्या
षष्ट्यंश	वृष	मेष	तुला	मीन	मेष	तुला	मीन	मेष	धनु	मिथुन

विंशोपक बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	8.95	14.55	14.00	9.40	11.90	12.10	11.85	12.50	9.25
सप्तवर्ग	9.98	15.53	12.85	11.13	11.05	12.70	10.20	12.00	7.43
दशवर्ग	11.28	13.23	13.58	10.90	11.50	13.43	9.78	12.75	7.08
षोडशवर्ग	10.88	11.83	14.15	10.73	12.63	13.38	10.78	13.25	8.25

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा - शुक्र 4वर्ष 9मास 14दिन

शुक्र 20 वर्ष

शुक्र	00/00/0000 - 00/00/0000
सूर्य	00/00/0000 - 00/00/0000
चन्द्र	00/00/0000 - 00/00/0000
मंगल	00/00/0000 - 00/00/0000
राहु	00/00/0000 - 00/00/0000
गुरु	00/00/0000 - 00/00/0000
शनि	01/11/1973 - 15/08/1974
बुध	15/08/1974 - 15/06/1977
केतु	15/06/1977 - 15/08/1978

सूर्य 6 वर्ष

सूर्य	15/08/1978 - 03/12/1978
चन्द्र	03/12/1978 - 03/06/1979
मंगल	03/06/1979 - 09/10/1979
राहु	09/10/1979 - 02/09/1980
गुरु	02/09/1980 - 21/06/1981
शनि	21/06/1981 - 03/06/1982
बुध	03/06/1982 - 10/04/1983
केतु	10/04/1983 - 16/08/1983
शुक्र	16/08/1983 - 15/08/1984

चन्द्र 10 वर्ष

चन्द्र	15/08/1984 - 15/06/1985
मंगल	15/06/1985 - 14/01/1986
राहु	14/01/1986 - 16/07/1987
गुरु	16/07/1987 - 14/11/1988
शनि	14/11/1988 - 15/06/1990
बुध	15/06/1990 - 15/11/1991
केतु	15/11/1991 - 15/06/1992
शुक्र	15/06/1992 - 13/02/1994
सूर्य	13/02/1994 - 15/08/1994

मंगल 7 वर्ष

मंगल	15/08/1994 - 11/01/1995
राहु	11/01/1995 - 30/01/1996
गुरु	30/01/1996 - 05/01/1997
शनि	05/01/1997 - 14/02/1998
बुध	14/02/1998 - 11/02/1999
केतु	11/02/1999 - 10/07/1999
शुक्र	10/07/1999 - 08/09/2000
सूर्य	08/09/2000 - 14/01/2001
चन्द्र	14/01/2001 - 15/08/2001

राहु 18 वर्ष

राहु	15/08/2001 - 27/04/2004
गुरु	27/04/2004 - 21/09/2006
शनि	21/09/2006 - 28/07/2009
बुध	28/07/2009 - 14/02/2012
केतु	14/02/2012 - 03/03/2013
शुक्र	03/03/2013 - 03/03/2016
सूर्य	03/03/2016 - 26/01/2017
चन्द्र	26/01/2017 - 28/07/2018
मंगल	28/07/2018 - 15/08/2019

गुरु 16 वर्ष

गुरु	15/08/2019 - 02/10/2021
शनि	02/10/2021 - 15/04/2024
बुध	15/04/2024 - 21/07/2026
केतु	21/07/2026 - 27/06/2027
शुक्र	27/06/2027 - 25/02/2030
सूर्य	25/02/2030 - 15/12/2030
चन्द्र	15/12/2030 - 15/04/2032
मंगल	15/04/2032 - 21/03/2033
राहु	21/03/2033 - 15/08/2035

शनि 19 वर्ष

शनि	15/08/2035 - 18/08/2038
बुध	18/08/2038 - 27/04/2041
केतु	27/04/2041 - 06/06/2042
शुक्र	06/06/2042 - 06/08/2045
सूर्य	06/08/2045 - 19/07/2046
चन्द्र	19/07/2046 - 17/02/2048
मंगल	17/02/2048 - 28/03/2049
राहु	28/03/2049 - 02/02/2052
गुरु	02/02/2052 - 15/08/2054

बुध 17 वर्ष

बुध	15/08/2054 - 11/01/2057
केतु	11/01/2057 - 08/01/2058
शुक्र	08/01/2058 - 08/11/2060
सूर्य	08/11/2060 - 14/09/2061
चन्द्र	14/09/2061 - 14/02/2063
मंगल	14/02/2063 - 11/02/2064
राहु	11/02/2064 - 30/08/2066
गुरु	30/08/2066 - 05/12/2068
शनि	05/12/2068 - 15/08/2071

केतु 7 वर्ष

केतु	15/08/2071 - 11/01/2072
शुक्र	11/01/2072 - 12/03/2073
सूर्य	12/03/2073 - 18/07/2073
चन्द्र	18/07/2073 - 16/02/2074
मंगल	16/02/2074 - 15/07/2074
राहु	15/07/2074 - 03/08/2075
गुरु	03/08/2075 - 09/07/2076
शनि	09/07/2076 - 18/08/2077
बुध	18/08/2077 - 15/08/2078

भोग्य दशा - शुक्र 4वर्ष 9मास 14दिन

राहु - मंगल

मंगल	28/07/2018 - 19/08/2018
राहु	19/08/2018 - 15/10/2018
गुरु	15/10/2018 - 06/12/2018
शनि	06/12/2018 - 04/02/2019
बुध	04/02/2019 - 31/03/2019
केतु	31/03/2019 - 22/04/2019
शुक्र	22/04/2019 - 25/06/2019
सूर्य	25/06/2019 - 14/07/2019
चन्द्र	14/07/2019 - 15/08/2019

गुरु - गुरु

गुरु	15/08/2019 - 27/11/2019
शनि	27/11/2019 - 29/03/2020
बुध	29/03/2020 - 18/07/2020
केतु	18/07/2020 - 01/09/2020
शुक्र	01/09/2020 - 09/01/2021
सूर्य	09/01/2021 - 17/02/2021
चन्द्र	17/02/2021 - 23/04/2021
मंगल	23/04/2021 - 07/06/2021
राहु	07/06/2021 - 02/10/2021

गुरु - शनि

शनि	02/10/2021 - 26/02/2022
बुध	26/02/2022 - 07/07/2022
केतु	07/07/2022 - 30/08/2022
शुक्र	30/08/2022 - 31/01/2023
सूर्य	31/01/2023 - 18/03/2023
चन्द्र	18/03/2023 - 03/06/2023
मंगल	03/06/2023 - 27/07/2023
राहु	27/07/2023 - 13/12/2023
गुरु	13/12/2023 - 15/04/2024

गुरु - बुध

बुध	15/04/2024 - 10/08/2024
केतु	10/08/2024 - 27/09/2024
शुक्र	27/09/2024 - 12/02/2025
सूर्य	12/02/2025 - 25/03/2025
चन्द्र	25/03/2025 - 02/06/2025
मंगल	02/06/2025 - 21/07/2025
राहु	21/07/2025 - 22/11/2025
गुरु	22/11/2025 - 12/03/2026
शनि	12/03/2026 - 21/07/2026

गुरु - केतु

केतु	21/07/2026 - 10/08/2026
शुक्र	10/08/2026 - 06/10/2026
सूर्य	06/10/2026 - 23/10/2026
चन्द्र	23/10/2026 - 21/11/2026
मंगल	21/11/2026 - 10/12/2026
राहु	10/12/2026 - 31/01/2027
गुरु	31/01/2027 - 17/03/2027
शनि	17/03/2027 - 10/05/2027
बुध	10/05/2027 - 27/06/2027

गुरु - शुक्र

शुक्र	27/06/2027 - 07/12/2027
सूर्य	07/12/2027 - 24/01/2028
चन्द्र	24/01/2028 - 15/04/2028
मंगल	15/04/2028 - 10/06/2028
राहु	10/06/2028 - 03/11/2028
गुरु	03/11/2028 - 13/03/2029
शनि	13/03/2029 - 15/08/2029
बुध	15/08/2029 - 30/12/2029
केतु	30/12/2029 - 25/02/2030

गुरु - सूर्य

सूर्य	25/02/2030 - 12/03/2030
चन्द्र	12/03/2030 - 05/04/2030
मंगल	05/04/2030 - 22/04/2030
राहु	22/04/2030 - 05/06/2030
गुरु	05/06/2030 - 14/07/2030
शनि	14/07/2030 - 29/08/2030
बुध	29/08/2030 - 10/10/2030
केतु	10/10/2030 - 27/10/2030
शुक्र	27/10/2030 - 15/12/2030

गुरु - चन्द्र

चन्द्र	15/12/2030 - 24/01/2031
मंगल	24/01/2031 - 21/02/2031
राहु	21/02/2031 - 06/05/2031
गुरु	06/05/2031 - 09/07/2031
शनि	09/07/2031 - 25/09/2031
बुध	25/09/2031 - 03/12/2031
केतु	03/12/2031 - 31/12/2031
शुक्र	31/12/2031 - 21/03/2032
सूर्य	21/03/2032 - 15/04/2032

गुरु - मंगल

मंगल	15/04/2032 - 04/05/2032
राहु	04/05/2032 - 25/06/2032
गुरु	25/06/2032 - 09/08/2032
शनि	09/08/2032 - 02/10/2032
बुध	02/10/2032 - 19/11/2032
केतु	19/11/2032 - 09/12/2032
शुक्र	09/12/2032 - 04/02/2033
सूर्य	04/02/2033 - 21/02/2033
चन्द्र	21/02/2033 - 21/03/2033

भोग्य दशा - शुक्र 4वर्ष 9मास 14दिन

राहु - मंगल - शुक्र

शुक्र	03/05/2019 02:34:32
सूर्य	06/05/2019 07:16:20
चन्द्र	11/05/2019 15:06:00
मंगल	15/05/2019 08:34:46
राहु	24/05/2019 22:40:10
गुरु	02/06/2019 11:11:38
शनि	12/06/2019 14:04:00
बुध	21/06/2019 15:22:26
केतु	25/06/2019 08:51:12

राहु - मंगल - सूर्य

सूर्य	26/06/2019 07:51:44
चन्द्र	27/06/2019 22:12:38
मंगल	29/06/2019 01:03:15
राहु	01/07/2019 22:04:52
गुरु	04/07/2019 11:26:18
शनि	07/07/2019 12:18:00
बुध	10/07/2019 05:29:31
केतु	11/07/2019 08:20:08
शुक्र	14/07/2019 13:01:56

राहु - मंगल - चन्द्र

चन्द्र	17/07/2019 04:56:50
मंगल	19/07/2019 01:41:13
राहु	23/07/2019 20:43:55
गुरु	28/07/2019 02:59:39
शनि	02/08/2019 04:25:50
बुध	06/08/2019 17:05:03
केतु	08/08/2019 13:49:26
शुक्र	13/08/2019 21:39:06
सूर्य	15/08/2019 12:00:00

गुरु - गुरु - गुरु

गुरु	29/08/2019 08:27:31
शनि	14/09/2019 19:15:11
बुध	29/09/2019 12:29:25
केतु	05/10/2019 13:56:27
शुक्र	22/10/2019 21:30:51
सूर्य	28/10/2019 02:11:10
चन्द्र	05/11/2019 17:58:22
मंगल	11/11/2019 19:25:24
राहु	27/11/2019 09:26:21

गुरु - गुरु - शनि

शनि	16/12/2019 22:15:31
बुध	03/01/2020 09:43:40
केतु	10/01/2020 14:27:01
शुक्र	31/01/2020 03:56:37
सूर्य	06/02/2020 07:59:29
चन्द्र	16/02/2020 14:44:17
मंगल	23/02/2020 19:27:38
राहु	13/03/2020 07:36:16
गुरु	29/03/2020 18:23:56

गुरु - गुरु - बुध

बुध	14/04/2020 09:42:52
केतु	20/04/2020 20:15:20
शुक्र	09/05/2020 05:48:08
सूर्य	14/05/2020 18:15:58
चन्द्र	23/05/2020 23:02:22
मंगल	30/05/2020 09:34:50
राहु	15/06/2020 22:58:21
गुरु	30/06/2020 16:12:35
शनि	18/07/2020 03:40:44

गुरु - गुरु - केतु

केतु	20/07/2020 19:18:52
शुक्र	28/07/2020 09:07:40
सूर्य	30/07/2020 15:40:18
चन्द्र	03/08/2020 10:34:42
मंगल	06/08/2020 02:12:46
राहु	12/08/2020 21:50:41
गुरु	18/08/2020 23:17:43
शनि	26/08/2020 04:01:04
बुध	01/09/2020 14:33:32

गुरु - गुरु - शुक्र

शुक्र	23/09/2020 06:01:36
सूर्य	29/09/2020 17:52:00
चन्द्र	10/10/2020 13:36:00
मंगल	18/10/2020 03:24:48
राहु	06/11/2020 14:56:00
गुरु	23/11/2020 22:30:24
शनि	14/12/2020 12:00:00
बुध	01/01/2021 21:32:48
केतु	09/01/2021 11:21:36

गुरु - गुरु - सूर्य

सूर्य	11/01/2021 10:06:43
चन्द्र	14/01/2021 16:01:55
मंगल	16/01/2021 22:34:33
राहु	22/01/2021 18:49:54
गुरु	27/01/2021 23:30:13
शनि	03/02/2021 03:33:05
बुध	08/02/2021 16:00:55
केतु	10/02/2021 22:33:33
शुक्र	17/02/2021 10:23:57

भोग्य दशा - शुक्र 4वर्ष 9मास 14दिन

राहु - मंगल - शुक्र - चन्द्र

चन्द्र	06/05/2019 17:55:28
मंगल	07/05/2019 01:22:51
राहु	07/05/2019 20:33:18
गुरु	08/05/2019 13:35:55
शनि	09/05/2019 09:50:16
बुध	10/05/2019 03:56:48
केतु	10/05/2019 11:24:11
शुक्र	11/05/2019 08:42:27
सूर्य	11/05/2019 15:05:56

राहु - मंगल - शुक्र - मंगल

मंगल	11/05/2019 20:19:10
राहु	12/05/2019 09:44:28
गुरु	12/05/2019 21:40:18
शनि	13/05/2019 11:50:21
बुध	14/05/2019 00:30:55
केतु	14/05/2019 05:44:05
शुक्र	14/05/2019 20:38:52
सूर्य	15/05/2019 01:07:18
चन्द्र	15/05/2019 08:34:41

राहु - मंगल - शुक्र - राहु

राहु	16/05/2019 19:05:34
गुरु	18/05/2019 01:46:17
शनि	19/05/2019 14:12:08
बुध	20/05/2019 22:47:53
केतु	21/05/2019 12:13:11
शुक्र	23/05/2019 02:34:05
सूर्य	23/05/2019 14:04:21
चन्द्र	24/05/2019 09:14:48
मंगल	24/05/2019 22:40:06

राहु - मंगल - शुक्र - गुरु

गुरु	26/05/2019 01:56:21
शनि	27/05/2019 10:19:19
बुध	28/05/2019 15:17:46
केतु	29/05/2019 03:13:36
शुक्र	30/05/2019 13:18:50
सूर्य	30/05/2019 23:32:24
चन्द्र	31/05/2019 16:35:01
मंगल	01/06/2019 04:30:51
राहु	02/06/2019 11:11:34

राहु - मंगल - शुक्र - शनि

शनि	04/06/2019 01:38:55
बुध	05/06/2019 12:03:20
केतु	06/06/2019 02:13:23
शुक्र	07/06/2019 18:42:06
सूर्य	08/06/2019 06:50:43
चन्द्र	09/06/2019 03:05:04
मंगल	09/06/2019 17:15:07
राहु	11/06/2019 05:40:58
गुरु	12/06/2019 14:03:56

राहु - मंगल - शुक्र - बुध

बुध	13/06/2019 20:51:06
केतु	14/06/2019 09:31:40
शुक्र	15/06/2019 21:44:44
सूर्य	16/06/2019 08:36:39
चन्द्र	17/06/2019 02:43:11
मंगल	17/06/2019 15:23:45
राहु	18/06/2019 23:59:30
गुरु	20/06/2019 04:57:57
शनि	21/06/2019 15:22:22

राहु - मंगल - शुक्र - केतु

केतु	21/06/2019 20:35:36
शुक्र	22/06/2019 11:30:23
सूर्य	22/06/2019 15:58:49
चन्द्र	22/06/2019 23:26:12
मंगल	23/06/2019 04:39:22
राहु	23/06/2019 18:04:40
गुरु	24/06/2019 06:00:30
शनि	24/06/2019 20:10:33
बुध	25/06/2019 08:51:07

राहु - मंगल - सूर्य - सूर्य

सूर्य	25/06/2019 10:00:13
चन्द्र	25/06/2019 11:55:15
मंगल	25/06/2019 13:15:46
राहु	25/06/2019 16:42:50
गुरु	25/06/2019 19:46:54
शनि	25/06/2019 23:25:29
बुध	26/06/2019 02:41:03
केतु	26/06/2019 04:01:34
शुक्र	26/06/2019 07:51:39

राहु - मंगल - सूर्य - चन्द्र

चन्द्र	26/06/2019 11:03:28
मंगल	26/06/2019 13:17:41
राहु	26/06/2019 19:02:49
गुरु	27/06/2019 00:09:36
शनि	27/06/2019 06:13:54
बुध	27/06/2019 11:39:51
केतु	27/06/2019 13:54:04
शुक्र	27/06/2019 20:17:33
सूर्य	27/06/2019 22:12:35

भोग्य दशा - शुक्र 4वर्ष 9मास 14दिन

राहु - मंगल - सूर्य - मंगल

मंगल	27/06/2019 23:46:35
राहु	28/06/2019 03:48:10
गुरु	28/06/2019 07:22:54
शनि	28/06/2019 11:37:54
बुध	28/06/2019 15:26:04
केतु	28/06/2019 17:00:01
शुक्र	28/06/2019 21:28:27
सूर्य	28/06/2019 22:48:58
चन्द्र	29/06/2019 01:03:11

राहु - मंगल - सूर्य - राहु

राहु	29/06/2019 11:24:29
गुरु	29/06/2019 20:36:41
शनि	30/06/2019 07:32:26
बुध	30/06/2019 17:19:09
केतु	30/06/2019 21:20:44
शुक्र	01/07/2019 08:51:00
सूर्य	01/07/2019 12:18:04
चन्द्र	01/07/2019 18:03:12
मंगल	01/07/2019 22:04:47

राहु - मंगल - सूर्य - गुरु

गुरु	02/07/2019 06:15:43
शनि	02/07/2019 15:58:36
बुध	03/07/2019 00:40:08
केतु	03/07/2019 04:14:53
शुक्र	03/07/2019 14:28:27
सूर्य	03/07/2019 17:32:31
चन्द्र	03/07/2019 22:39:18
मंगल	04/07/2019 02:14:03
राहु	04/07/2019 11:26:15

राहु - मंगल - सूर्य - शनि

शनि	04/07/2019 22:58:29
बुध	05/07/2019 09:17:48
केतु	05/07/2019 13:32:48
शुक्र	06/07/2019 01:41:25
सूर्य	06/07/2019 05:20:00
चन्द्र	06/07/2019 11:24:18
मंगल	06/07/2019 15:39:18
राहु	07/07/2019 02:35:03
गुरु	07/07/2019 12:17:56

राहु - मंगल - सूर्य - बुध

बुध	07/07/2019 21:32:07
केतु	08/07/2019 01:20:17
शुक्र	08/07/2019 12:12:12
सूर्य	08/07/2019 15:27:46
चन्द्र	08/07/2019 20:53:43
मंगल	09/07/2019 00:41:53
राहु	09/07/2019 10:28:36
गुरु	09/07/2019 19:10:08
शनि	10/07/2019 05:29:27

राहु - मंगल - सूर्य - केतु

केतु	10/07/2019 07:03:28
शुक्र	10/07/2019 11:31:54
सूर्य	10/07/2019 12:52:25
चन्द्र	10/07/2019 15:06:38
मंगल	10/07/2019 16:40:35
राहु	10/07/2019 20:42:10
गुरु	11/07/2019 00:16:54
शनि	11/07/2019 04:31:54
बुध	11/07/2019 08:20:04

राहु - मंगल - सूर्य - शुक्र

शुक्र	11/07/2019 21:07:06
सूर्य	12/07/2019 00:57:11
चन्द्र	12/07/2019 07:20:40
मंगल	12/07/2019 11:49:06
राहु	12/07/2019 23:19:22
गुरु	13/07/2019 09:32:56
शनि	13/07/2019 21:41:33
बुध	14/07/2019 08:33:28
केतु	14/07/2019 13:01:54

राहु - मंगल - चन्द्र - चन्द्र

चन्द्र	14/07/2019 18:21:34
मंगल	14/07/2019 22:05:15
राहु	15/07/2019 07:40:28
गुरु	15/07/2019 16:11:46
शनि	16/07/2019 02:18:56
बुध	16/07/2019 11:22:12
केतु	16/07/2019 15:05:53
शुक्र	17/07/2019 01:45:01
सूर्य	17/07/2019 04:56:45

राहु - मंगल - चन्द्र - मंगल

मंगल	17/07/2019 07:33:25
राहु	17/07/2019 14:16:04
गुरु	17/07/2019 20:13:59
शनि	18/07/2019 03:19:00
बुध	18/07/2019 09:39:17
केतु	18/07/2019 12:15:52
शुक्र	18/07/2019 19:43:15
सूर्य	18/07/2019 21:57:28
चन्द्र	19/07/2019 01:41:09

भोग्य दशा - शुक्र 4वर्ष 9मास 14दिन

राहु - मंगल - चन्द्र - राहु

राहु	19/07/2019 18:56:37
गुरु	20/07/2019 10:16:58
शनि	21/07/2019 04:29:53
बुध	21/07/2019 20:47:45
केतु	22/07/2019 03:30:24
शुक्र	22/07/2019 22:40:51
सूर्य	23/07/2019 04:25:59
चन्द्र	23/07/2019 14:01:12
मंगल	23/07/2019 20:43:51

राहु - मंगल - चन्द्र - गुरु

गुरु	24/07/2019 10:22:00
शनि	25/07/2019 02:33:29
बुध	25/07/2019 17:02:42
केतु	25/07/2019 23:00:37
शुक्र	26/07/2019 16:03:14
सूर्य	26/07/2019 21:10:01
चन्द्र	27/07/2019 05:41:19
मंगल	27/07/2019 11:39:14
राहु	28/07/2019 02:59:35

राहु - मंगल - चन्द्र - शनि

शनि	28/07/2019 22:13:17
बुध	29/07/2019 15:25:29
केतु	29/07/2019 22:30:30
शुक्र	30/07/2019 18:44:51
सूर्य	31/07/2019 00:49:09
चन्द्र	31/07/2019 10:56:19
मंगल	31/07/2019 18:01:20
राहु	01/08/2019 12:14:15
गुरु	02/08/2019 04:25:44

राहु - मंगल - चन्द्र - बुध

बुध	02/08/2019 19:49:23
केतु	03/08/2019 02:09:40
शुक्र	03/08/2019 20:16:12
सूर्य	04/08/2019 01:42:09
चन्द्र	04/08/2019 10:45:25
मंगल	04/08/2019 17:05:42
राहु	05/08/2019 09:23:34
गुरु	05/08/2019 23:52:47
शनि	06/08/2019 17:04:59

राहु - मंगल - चन्द्र - केतु

केतु	06/08/2019 19:41:38
शुक्र	07/08/2019 03:09:01
सूर्य	07/08/2019 05:23:14
चन्द्र	07/08/2019 09:06:55
मंगल	07/08/2019 11:43:30
राहु	07/08/2019 18:26:09
गुरु	08/08/2019 00:24:04
शनि	08/08/2019 07:29:05
बुध	08/08/2019 13:49:22

राहु - मंगल - चन्द्र - शुक्र

शुक्र	09/08/2019 11:07:42
सूर्य	09/08/2019 17:31:11
चन्द्र	10/08/2019 04:10:19
मंगल	10/08/2019 11:37:42
राहु	11/08/2019 06:48:09
गुरु	11/08/2019 23:50:46
शनि	12/08/2019 20:05:07
बुध	13/08/2019 14:11:39
केतु	13/08/2019 21:39:02

राहु - मंगल - चन्द्र - सूर्य

सूर्य	13/08/2019 23:34:08
चन्द्र	14/08/2019 02:45:52
मंगल	14/08/2019 05:00:05
राहु	14/08/2019 10:45:13
गुरु	14/08/2019 15:52:00
शनि	14/08/2019 21:56:18
बुध	15/08/2019 03:22:15
केतु	15/08/2019 05:36:28
शुक्र	15/08/2019 11:59:57

गुरु - गुरु - गुरु - गुरु

गुरु	17/08/2019 08:19:40
शनि	19/08/2019 12:58:01
बुध	21/08/2019 12:03:54
केतु	22/08/2019 07:27:30
शुक्र	24/08/2019 14:52:05
सूर्य	25/08/2019 07:29:27
चन्द्र	26/08/2019 11:11:44
मंगल	27/08/2019 06:35:20
राहु	29/08/2019 08:27:27

गुरु - गुरु - गुरु - शनि

शनि	31/08/2019 22:58:03
बुध	03/09/2019 06:53:48
केतु	04/09/2019 05:55:34
शुक्र	06/09/2019 23:43:30
सूर्य	07/09/2019 19:27:53
चन्द्र	09/09/2019 04:21:51
मंगल	10/09/2019 03:23:37
राहु	12/09/2019 14:36:46
गुरु	14/09/2019 19:15:07

भोग्य दशा - शुक्र 4वर्ष 9मास 14दिन

गुरु - गुरु - गुरु - बुध

बुध	16/09/2019 21:17:41
केतु	17/09/2019 17:54:00
शुक्र	20/09/2019 04:46:22
सूर्य	20/09/2019 22:26:04
चन्द्र	22/09/2019 03:52:15
मंगल	23/09/2019 00:28:34
राहु	25/09/2019 05:27:42
गुरु	27/09/2019 04:33:35
शनि	29/09/2019 12:29:20

गुरु - गुरु - गुरु - केतु

केतु	29/09/2019 20:58:29
शुक्र	30/09/2019 21:12:59
सूर्य	01/10/2019 04:29:20
चन्द्र	01/10/2019 16:36:35
मंगल	02/10/2019 01:05:39
राहु	02/10/2019 22:54:42
गुरु	03/10/2019 18:18:18
शनि	04/10/2019 17:20:04
बुध	05/10/2019 13:56:23

गुरु - गुरु - गुरु - शुक्र

शुक्र	08/10/2019 11:12:11
सूर्य	09/10/2019 07:58:54
चन्द्र	10/10/2019 18:36:46
मंगल	11/10/2019 18:51:16
राहु	14/10/2019 09:11:25
गुरु	16/10/2019 16:36:00
शनि	19/10/2019 10:23:56
बुध	21/10/2019 21:16:18
केतु	22/10/2019 21:30:48

गुरु - गुरु - गुरु - सूर्य

सूर्य	23/10/2019 03:44:51
चन्द्र	23/10/2019 14:08:12
मंगल	23/10/2019 21:24:33
राहु	24/10/2019 16:06:35
गुरु	25/10/2019 08:43:57
शनि	26/10/2019 04:28:20
बुध	26/10/2019 22:08:02
केतु	27/10/2019 05:24:23
शुक्र	28/10/2019 02:11:06

गुरु - गुरु - गुरु - चन्द्र

चन्द्र	28/10/2019 19:30:06
मंगल	29/10/2019 07:37:21
राहु	30/10/2019 14:47:25
गुरु	31/10/2019 18:29:42
शनि	02/11/2019 03:23:40
बुध	03/11/2019 08:49:51
केतु	03/11/2019 20:57:06
शुक्र	05/11/2019 07:34:58
सूर्य	05/11/2019 17:58:19

गुरु - गुरु - गुरु - मंगल

मंगल	06/11/2019 02:27:26
राहु	07/11/2019 00:16:29
गुरु	07/11/2019 19:40:05
शनि	08/11/2019 18:41:51
बुध	09/11/2019 15:18:10
केतु	09/11/2019 23:47:14
शुक्र	11/11/2019 00:01:44
सूर्य	11/11/2019 07:18:05
चन्द्र	11/11/2019 19:25:20

गुरु - गुरु - गुरु - राहु

राहु	14/11/2019 03:31:32
गुरु	16/11/2019 05:23:39
शनि	18/11/2019 16:36:48
बुध	20/11/2019 21:35:56
केतु	21/11/2019 19:24:59
शुक्र	24/11/2019 09:45:08
सूर्य	25/11/2019 04:27:10
चन्द्र	26/11/2019 11:37:14
मंगल	27/11/2019 09:26:17

गुरु - गुरु - शनि - शनि

शनि	30/11/2019 11:40:10
बुध	03/12/2019 06:05:07
केतु	04/12/2019 09:25:58
शुक्र	07/12/2019 15:34:09
सूर्य	08/12/2019 15:00:36
चन्द्र	10/12/2019 06:04:41
मंगल	11/12/2019 09:25:32
राहु	14/12/2019 07:44:54
गुरु	16/12/2019 22:15:26

गुरु - गुरु - शनि - बुध

बुध	19/12/2019 09:41:00
केतु	20/12/2019 10:09:08
शुक्र	23/12/2019 08:03:49
सूर्य	24/12/2019 05:02:13
चन्द्र	25/12/2019 15:59:33
मंगल	26/12/2019 16:27:41
राहु	29/12/2019 07:22:54
गुरु	31/12/2019 15:18:39
शनि	03/01/2020 09:43:36

भोग्य दशा - शुक्र 4वर्ष 9मास 14दिन

गुरु - गुरु - शनि - केतु

केतु	03/01/2020 19:48:11
शुक्र	05/01/2020 00:35:24
सूर्य	05/01/2020 09:13:34
चन्द्र	05/01/2020 23:37:10
मंगल	06/01/2020 09:41:41
राहु	07/01/2020 11:36:11
गुरु	08/01/2020 10:37:57
शनि	09/01/2020 13:58:48
बुध	10/01/2020 14:26:56

गुरु - गुरु - शनि - शुक्र

शुक्र	14/01/2020 00:41:57
सूर्य	15/01/2020 01:22:25
चन्द्र	16/01/2020 18:29:53
मंगल	17/01/2020 23:17:06
राहु	21/01/2020 01:18:32
गुरु	23/01/2020 19:06:28
शनि	27/01/2020 01:14:39
बुध	29/01/2020 23:09:20
केतु	31/01/2020 03:56:33

गुरु - गुरु - शनि - सूर्य

सूर्य	31/01/2020 11:20:45
चन्द्र	31/01/2020 23:40:59
मंगल	01/02/2020 08:19:09
राहु	02/02/2020 06:31:34
गुरु	03/02/2020 02:15:56
शनि	04/02/2020 01:42:23
बुध	04/02/2020 22:40:47
केतु	05/02/2020 07:18:57
शुक्र	06/02/2020 07:59:25

गुरु - गुरु - शनि - चन्द्र

चन्द्र	07/02/2020 04:33:13
मंगल	07/02/2020 18:56:49
राहु	09/02/2020 07:57:32
गुरु	10/02/2020 16:51:30
शनि	12/02/2020 07:55:35
बुध	13/02/2020 18:52:55
केतु	14/02/2020 09:16:31
शुक्र	16/02/2020 02:23:59
सूर्य	16/02/2020 14:44:13

गुरु - गुरु - शनि - मंगल

मंगल	17/02/2020 00:48:48
राहु	18/02/2020 02:43:18
गुरु	19/02/2020 01:45:04
शनि	20/02/2020 05:05:55
बुध	21/02/2020 05:34:03
केतु	21/02/2020 15:38:34
शुक्र	22/02/2020 20:25:47
सूर्य	23/02/2020 05:03:57
चन्द्र	23/02/2020 19:27:33

गुरु - गुरु - शनि - राहु

राहु	26/02/2020 14:04:55
गुरु	29/02/2020 01:18:04
शनि	02/03/2020 23:37:26
बुध	05/03/2020 14:32:39
केतु	06/03/2020 16:27:09
शुक्र	09/03/2020 18:28:35
सूर्य	10/03/2020 16:41:00
चन्द्र	12/03/2020 05:41:43
मंगल	13/03/2020 07:36:13

गुरु - गुरु - शनि - गुरु

गुरु	15/03/2020 12:14:37
शनि	18/03/2020 02:45:09
बुध	20/03/2020 10:40:54
केतु	21/03/2020 09:42:40
शुक्र	24/03/2020 03:30:36
सूर्य	24/03/2020 23:14:59
चन्द्र	26/03/2020 08:08:57
मंगल	27/03/2020 07:10:43
राहु	29/03/2020 18:23:52

गुरु - गुरु - बुध - बुध

बुध	31/03/2020 23:34:10
केतु	01/04/2020 21:27:46
शुक्र	04/04/2020 12:00:54
सूर्य	05/04/2020 06:46:50
चन्द्र	06/04/2020 14:03:24
मंगल	07/04/2020 11:57:00
राहु	09/04/2020 20:14:49
गुरु	11/04/2020 22:17:19
शनि	14/04/2020 09:42:48

गुरु - गुरु - बुध - केतु

केतु	14/04/2020 18:43:45
शुक्र	15/04/2020 20:29:09
सूर्य	16/04/2020 04:12:46
चन्द्र	16/04/2020 17:05:28
मंगल	17/04/2020 02:06:21
राहु	18/04/2020 01:17:13
गुरु	18/04/2020 21:53:32
शनि	19/04/2020 22:21:40
बुध	20/04/2020 20:15:15

भोग्य दशा - शुक्र 4वर्ष 9मास 14दिन

गुरु - गुरु - बुध - शुक्र

शुक्र	23/04/2020 21:50:48
सूर्य	24/04/2020 19:55:26
चन्द्र	26/04/2020 08:43:10
मंगल	27/04/2020 10:28:34
राहु	30/04/2020 04:42:29
गुरु	02/05/2020 15:34:51
शनि	05/05/2020 13:29:32
बुध	08/05/2020 04:02:40
केतु	09/05/2020 05:48:04

गुरु - गुरु - बुध - सूर्य

सूर्य	09/05/2020 12:25:31
चन्द्र	09/05/2020 23:27:50
मंगल	10/05/2020 07:11:27
राहु	11/05/2020 03:03:37
गुरु	11/05/2020 20:43:19
शनि	12/05/2020 17:41:43
बुध	13/05/2020 12:27:39
केतु	13/05/2020 20:11:16
शुक्र	14/05/2020 18:15:54

गुरु - गुरु - बुध - चन्द्र

चन्द्र	15/05/2020 12:39:50
मंगल	16/05/2020 01:32:32
राहु	17/05/2020 10:39:29
गुरु	18/05/2020 16:05:40
शनि	20/05/2020 03:03:00
बुध	21/05/2020 10:19:34
केतु	21/05/2020 23:12:16
शुक्र	23/05/2020 12:00:00
सूर्य	23/05/2020 23:02:19

गुरु - गुरु - बुध - मंगल

मंगल	24/05/2020 08:03:15
राहु	25/05/2020 07:14:07
गुरु	26/05/2020 03:50:26
शनि	27/05/2020 04:18:34
बुध	28/05/2020 02:12:09
केतु	28/05/2020 11:13:02
शुक्र	29/05/2020 12:58:26
सूर्य	29/05/2020 20:42:03
चन्द्र	30/05/2020 09:34:45

गुरु - गुरु - बुध - राहु

राहु	01/06/2020 21:11:21
गुरु	04/06/2020 02:10:29
शनि	06/06/2020 17:05:42
बुध	09/06/2020 01:23:31
केतु	10/06/2020 00:34:23
शुक्र	12/06/2020 18:48:18
सूर्य	13/06/2020 14:40:28
चन्द्र	14/06/2020 23:47:25
मंगल	15/06/2020 22:58:17

गुरु - गुरु - बुध - गुरु

गुरु	17/06/2020 22:04:14
शनि	20/06/2020 05:59:59
बुध	22/06/2020 08:02:29
केतु	23/06/2020 04:38:48
शुक्र	25/06/2020 15:31:10
सूर्य	26/06/2020 09:10:52
चन्द्र	27/06/2020 14:37:03
मंगल	28/06/2020 11:13:22
राहु	30/06/2020 16:12:30

गुरु - गुरु - बुध - शनि

शनि	03/07/2020 10:37:32
बुध	05/07/2020 22:03:01
केतु	06/07/2020 22:31:09
शुक्र	09/07/2020 20:25:50
सूर्य	10/07/2020 17:24:14
चन्द्र	12/07/2020 04:21:34
मंगल	13/07/2020 04:49:42
राहु	15/07/2020 19:44:55
गुरु	18/07/2020 03:40:40

गुरु - गुरु - केतु - केतु

केतु	18/07/2020 07:23:31
शुक्र	18/07/2020 17:59:51
सूर्य	18/07/2020 21:10:45
चन्द्र	19/07/2020 02:28:55
मंगल	19/07/2020 06:11:38
राहु	19/07/2020 15:44:20
गुरु	20/07/2020 00:13:24
शनि	20/07/2020 10:17:55
बुध	20/07/2020 19:18:48

गुरु - गुरु - केतु - शुक्र

शुक्र	22/07/2020 01:37:00
सूर्य	22/07/2020 10:42:26
चन्द्र	23/07/2020 01:51:30
मंगल	23/07/2020 12:27:50
राहु	24/07/2020 15:44:09
गुरु	25/07/2020 15:58:39
शनि	26/07/2020 20:45:52
बुध	27/07/2020 22:31:16
केतु	28/07/2020 09:07:36

योगिनी दशा

भोग्य दशा - सिद्धा 1वर्ष 8मास 7दिन

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	00/00/0000 - 00/00/0000
संकटा	00/00/0000 - 00/00/0000
मंगला	00/00/0000 - 00/00/0000
पिंगला	00/00/0000 - 00/00/0000
धान्या	00/00/0000 - 00/00/0000
भ्रामरी	00/00/0000 - 00/00/0000
भद्रिका	01/11/1973 - 06/05/1974
उल्का	06/05/1974 - 06/07/1975

संकटा 8 वर्ष

संकटा	06/07/1975 - 15/04/1977
मंगला	15/04/1977 - 05/07/1977
पिंगला	05/07/1977 - 15/12/1977
धान्या	15/12/1977 - 15/08/1978
भ्रामरी	15/08/1978 - 06/07/1979
भद्रिका	06/07/1979 - 15/08/1980
उल्का	15/08/1980 - 15/12/1981
सिद्धा	15/12/1981 - 06/07/1983

मंगला 1 वर्ष

मंगला	06/07/1983 - 16/07/1983
पिंगला	16/07/1983 - 05/08/1983
धान्या	05/08/1983 - 05/09/1983
भ्रामरी	05/09/1983 - 15/10/1983
भद्रिका	15/10/1983 - 05/12/1983
उल्का	05/12/1983 - 04/02/1984
सिद्धा	04/02/1984 - 15/04/1984
संकटा	15/04/1984 - 06/07/1984

पिंगला 2 वर्ष

पिंगला	06/07/1984 - 15/08/1984
धान्या	15/08/1984 - 15/10/1984
भ्रामरी	15/10/1984 - 04/01/1985
भद्रिका	04/01/1985 - 16/04/1985
उल्का	16/04/1985 - 15/08/1985
सिद्धा	15/08/1985 - 04/01/1986
संकटा	04/01/1986 - 16/06/1986
मंगला	16/06/1986 - 06/07/1986

धान्या 3 वर्ष

धान्या	06/07/1986 - 05/10/1986
भ्रामरी	05/10/1986 - 04/02/1987
भद्रिका	04/02/1987 - 06/07/1987
उल्का	06/07/1987 - 05/01/1988
सिद्धा	05/01/1988 - 05/08/1988
संकटा	05/08/1988 - 05/04/1989
मंगला	05/04/1989 - 06/05/1989
पिंगला	06/05/1989 - 06/07/1989

भ्रामरी 4 वर्ष

भ्रामरी	06/07/1989 - 15/12/1989
भद्रिका	15/12/1989 - 06/07/1990
उल्का	06/07/1990 - 07/03/1991
सिद्धा	07/03/1991 - 16/12/1991
संकटा	16/12/1991 - 04/11/1992
मंगला	04/11/1992 - 15/12/1992
पिंगला	15/12/1992 - 06/03/1993
धान्या	06/03/1993 - 06/07/1993

भद्रिका 5 वर्ष

भद्रिका	06/07/1993 - 16/03/1994
उल्का	16/03/1994 - 15/01/1995
सिद्धा	15/01/1995 - 05/01/1996
संकटा	05/01/1996 - 14/02/1997
मंगला	14/02/1997 - 05/04/1997
पिंगला	05/04/1997 - 16/07/1997
धान्या	16/07/1997 - 15/12/1997
भ्रामरी	15/12/1997 - 06/07/1998

उल्का 6 वर्ष

उल्का	06/07/1998 - 06/07/1999
सिद्धा	06/07/1999 - 04/09/2000
संकटा	04/09/2000 - 04/01/2002
मंगला	04/01/2002 - 06/03/2002
पिंगला	06/03/2002 - 06/07/2002
धान्या	06/07/2002 - 05/01/2003
भ्रामरी	05/01/2003 - 05/09/2003
भद्रिका	05/09/2003 - 06/07/2004

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	06/07/2004 - 15/11/2005
संकटा	15/11/2005 - 06/06/2007
मंगला	06/06/2007 - 16/08/2007
पिंगला	16/08/2007 - 05/01/2008
धान्या	05/01/2008 - 05/08/2008
भ्रामरी	05/08/2008 - 16/05/2009
भद्रिका	16/05/2009 - 06/05/2010
उल्का	06/05/2010 - 06/07/2011

योगिनी दशा

भोग्य दशा - सिद्धा 1वर्ष 8मास 7दिन

संकटा 8 वर्ष

संकटा	06/07/2011 - 15/04/2013
मंगला	15/04/2013 - 05/07/2013
पिंगला	05/07/2013 - 15/12/2013
धान्या	15/12/2013 - 15/08/2014
भ्रामरी	15/08/2014 - 06/07/2015
भद्रिका	06/07/2015 - 15/08/2016
उल्का	15/08/2016 - 15/12/2017
सिद्धा	15/12/2017 - 06/07/2019

मंगला 1 वर्ष

मंगला	06/07/2019 - 16/07/2019
पिंगला	16/07/2019 - 05/08/2019
धान्या	05/08/2019 - 05/09/2019
भ्रामरी	05/09/2019 - 15/10/2019
भद्रिका	15/10/2019 - 05/12/2019
उल्का	05/12/2019 - 04/02/2020
सिद्धा	04/02/2020 - 15/04/2020
संकटा	15/04/2020 - 06/07/2020

पिंगला 2 वर्ष

पिंगला	06/07/2020 - 15/08/2020
धान्या	15/08/2020 - 15/10/2020
भ्रामरी	15/10/2020 - 04/01/2021
भद्रिका	04/01/2021 - 16/04/2021
उल्का	16/04/2021 - 15/08/2021
सिद्धा	15/08/2021 - 04/01/2022
संकटा	04/01/2022 - 16/06/2022
मंगला	16/06/2022 - 06/07/2022

धान्या 3 वर्ष

धान्या	06/07/2022 - 05/10/2022
भ्रामरी	05/10/2022 - 04/02/2023
भद्रिका	04/02/2023 - 06/07/2023
उल्का	06/07/2023 - 05/01/2024
सिद्धा	05/01/2024 - 05/08/2024
संकटा	05/08/2024 - 05/04/2025
मंगला	05/04/2025 - 06/05/2025
पिंगला	06/05/2025 - 06/07/2025

भ्रामरी 4 वर्ष

भ्रामरी	06/07/2025 - 15/12/2025
भद्रिका	15/12/2025 - 06/07/2026
उल्का	06/07/2026 - 07/03/2027
सिद्धा	07/03/2027 - 16/12/2027
संकटा	16/12/2027 - 04/11/2028
मंगला	04/11/2028 - 15/12/2028
पिंगला	15/12/2028 - 06/03/2029
धान्या	06/03/2029 - 06/07/2029

भद्रिका 5 वर्ष

भद्रिका	06/07/2029 - 16/03/2030
उल्का	16/03/2030 - 15/01/2031
सिद्धा	15/01/2031 - 05/01/2032
संकटा	05/01/2032 - 14/02/2033
मंगला	14/02/2033 - 05/04/2033
पिंगला	05/04/2033 - 16/07/2033
धान्या	16/07/2033 - 15/12/2033
भ्रामरी	15/12/2033 - 06/07/2034

उल्का 6 वर्ष

उल्का	06/07/2034 - 06/07/2035
सिद्धा	06/07/2035 - 04/09/2036
संकटा	04/09/2036 - 04/01/2038
मंगला	04/01/2038 - 06/03/2038
पिंगला	06/03/2038 - 06/07/2038
धान्या	06/07/2038 - 05/01/2039
भ्रामरी	05/01/2039 - 05/09/2039
भद्रिका	05/09/2039 - 06/07/2040

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	06/07/2040 - 15/11/2041
संकटा	15/11/2041 - 06/06/2043
मंगला	06/06/2043 - 16/08/2043
पिंगला	16/08/2043 - 05/01/2044
धान्या	05/01/2044 - 05/08/2044
भ्रामरी	05/08/2044 - 16/05/2045
भद्रिका	16/05/2045 - 06/05/2046
उल्का	06/05/2046 - 06/07/2047

संकटा 8 वर्ष

संकटा	06/07/2047 - 15/04/2049
मंगला	15/04/2049 - 05/07/2049
पिंगला	05/07/2049 - 15/12/2049
धान्या	15/12/2049 - 15/08/2050
भ्रामरी	15/08/2050 - 06/07/2051
भद्रिका	06/07/2051 - 15/08/2052
उल्का	15/08/2052 - 15/12/2053
सिद्धा	15/12/2053 - 06/07/2055

भोग्य दशा - कर्क 17वर्ष 4मास 0दिन

कर्क

कर्क	01/11/1973 - 13/04/1975
सिंह	13/04/1975 - 02/07/1976
मिथुन	02/07/1976 - 12/09/1978
वृष	12/09/1978 - 09/08/1982
मेष	09/08/1982 - 25/04/1984
मीन	25/04/1984 - 03/10/1986
कुम्भ	03/10/1986 - 25/09/1987
मकर	25/09/1987 - 16/09/1988
धनु	16/09/1988 - 25/02/1991

सिंह

सिंह	25/02/1991 - 11/06/1991
मिथुन	11/06/1991 - 19/12/1991
वृष	19/12/1991 - 23/11/1992
मेष	23/11/1992 - 20/04/1993
मीन	20/04/1993 - 19/11/1993
कुम्भ	19/11/1993 - 12/02/1994
मकर	12/02/1994 - 08/05/1994
धनु	08/05/1994 - 06/12/1994
कर्क	06/12/1994 - 25/02/1996

मिथुन

मिथुन	25/02/1996 - 03/02/1997
वृष	03/02/1997 - 08/10/1998
मेष	08/10/1998 - 02/07/1999
मीन	02/07/1999 - 19/07/2000
कुम्भ	19/07/2000 - 18/12/2000
मकर	18/12/2000 - 20/05/2001
धनु	20/05/2001 - 07/06/2002
कर्क	07/06/2002 - 18/08/2004
सिंह	18/08/2004 - 25/02/2005

वृष

वृष	25/02/2005 - 17/02/2008
मेष	17/02/2008 - 07/06/2009
मीन	07/06/2009 - 17/04/2011
कुम्भ	17/04/2011 - 14/01/2012
मकर	14/01/2012 - 12/10/2012
धनु	12/10/2012 - 22/08/2014
कर्क	22/08/2014 - 19/07/2018
सिंह	19/07/2018 - 24/06/2019
मिथुन	24/06/2019 - 25/02/2021

मेष

मेष	25/02/2021 - 21/09/2021
मीन	21/09/2021 - 15/07/2022
कुम्भ	15/07/2022 - 11/11/2022
मकर	11/11/2022 - 10/03/2023
धनु	10/03/2023 - 01/01/2024
कर्क	01/01/2024 - 16/09/2025
सिंह	16/09/2025 - 12/02/2026
मिथुन	12/02/2026 - 06/11/2026
वृष	06/11/2026 - 25/02/2028

मीन

मीन	25/02/2028 - 25/04/2029
कुम्भ	25/04/2029 - 11/10/2029
मकर	11/10/2029 - 30/03/2030
धनु	30/03/2030 - 29/05/2031
कर्क	29/05/2031 - 06/11/2033
सिंह	06/11/2033 - 06/06/2034
मिथुन	06/06/2034 - 24/06/2035
वृष	24/06/2035 - 03/05/2037
मेष	03/05/2037 - 25/02/2038

कुम्भ

कुम्भ	25/02/2038 - 04/05/2038
मकर	04/05/2038 - 11/07/2038
धनु	11/07/2038 - 28/12/2038
कर्क	28/12/2038 - 19/12/2039
सिंह	19/12/2039 - 13/03/2040
मिथुन	13/03/2040 - 13/08/2040
वृष	13/08/2040 - 12/05/2041
मेष	12/05/2041 - 08/09/2041
मीन	08/09/2041 - 25/02/2042

मकर

मकर	25/02/2042 - 04/05/2042
धनु	04/05/2042 - 21/10/2042
कर्क	21/10/2042 - 12/10/2043
सिंह	12/10/2043 - 05/01/2044
मिथुन	05/01/2044 - 06/06/2044
वृष	06/06/2044 - 05/03/2045
मेष	05/03/2045 - 02/07/2045
मीन	02/07/2045 - 19/12/2045
कुम्भ	19/12/2045 - 25/02/2046

धनु

धनु	25/02/2046 - 25/04/2047
कर्क	25/04/2047 - 03/10/2049
सिंह	03/10/2049 - 03/05/2050
मिथुन	03/05/2050 - 21/05/2051
वृष	21/05/2051 - 30/03/2053
मेष	30/03/2053 - 21/01/2054
मीन	21/01/2054 - 22/03/2055
कुम्भ	22/03/2055 - 08/09/2055
मकर	08/09/2055 - 25/02/2056

कुल दशाकाल : 86 वर्ष	नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा	चरण : 4
वर्ग : सव्य	देह : कर्क	जीव : धनु

भोग्य दशा - कर्क 17वर्ष 4मास 0दिन

वृष - सिंह

सिंह	19/07/2018 - 08/08/2018
मिथुन	08/08/2018 - 13/09/2018
वृष	13/09/2018 - 15/11/2018
मेष	15/11/2018 - 13/12/2018
मीन	13/12/2018 - 21/01/2019
कुम्भ	21/01/2019 - 06/02/2019
मकर	06/02/2019 - 22/02/2019
धनु	22/02/2019 - 02/04/2019
कर्क	02/04/2019 - 24/06/2019

वृष - मिथुन

मिथुन	24/06/2019 - 27/08/2019
वृष	27/08/2019 - 19/12/2019
मेष	19/12/2019 - 07/02/2020
मीन	07/02/2020 - 18/04/2020
कुम्भ	18/04/2020 - 16/05/2020
मकर	16/05/2020 - 14/06/2020
धनु	14/06/2020 - 24/08/2020
कर्क	24/08/2020 - 20/01/2021
सिंह	20/01/2021 - 25/02/2021

मेष - मेष

मेष	25/02/2021 - 14/03/2021
मीन	14/03/2021 - 07/04/2021
कुम्भ	07/04/2021 - 17/04/2021
मकर	17/04/2021 - 26/04/2021
धनु	26/04/2021 - 20/05/2021
कर्क	20/05/2021 - 10/07/2021
सिंह	10/07/2021 - 22/07/2021
मिथुन	22/07/2021 - 13/08/2021
वृष	13/08/2021 - 21/09/2021

मेष - मीन

मीन	21/09/2021 - 25/10/2021
कुम्भ	25/10/2021 - 08/11/2021
मकर	08/11/2021 - 22/11/2021
धनु	22/11/2021 - 27/12/2021
कर्क	27/12/2021 - 09/03/2022
सिंह	09/03/2022 - 26/03/2022
मिथुन	26/03/2022 - 27/04/2022
वृष	27/04/2022 - 21/06/2022
मेष	21/06/2022 - 15/07/2022

मेष - कुम्भ

कुम्भ	15/07/2022 - 21/07/2022
मकर	21/07/2022 - 26/07/2022
धनु	26/07/2022 - 09/08/2022
कर्क	09/08/2022 - 07/09/2022
सिंह	07/09/2022 - 14/09/2022
मिथुन	14/09/2022 - 26/09/2022
वृष	26/09/2022 - 18/10/2022
मेष	18/10/2022 - 28/10/2022
मीन	28/10/2022 - 11/11/2022

मेष - मकर

मकर	11/11/2022 - 16/11/2022
धनु	16/11/2022 - 30/11/2022
कर्क	30/11/2022 - 29/12/2022
सिंह	29/12/2022 - 05/01/2023
मिथुन	05/01/2023 - 18/01/2023
वृष	18/01/2023 - 09/02/2023
मेष	09/02/2023 - 18/02/2023
मीन	18/02/2023 - 04/03/2023
कुम्भ	04/03/2023 - 10/03/2023

मेष - धनु

धनु	10/03/2023 - 13/04/2023
कर्क	13/04/2023 - 25/06/2023
सिंह	25/06/2023 - 12/07/2023
मिथुन	12/07/2023 - 12/08/2023
वृष	12/08/2023 - 07/10/2023
मेष	07/10/2023 - 31/10/2023
मीन	31/10/2023 - 04/12/2023
कुम्भ	04/12/2023 - 18/12/2023
मकर	18/12/2023 - 01/01/2024

मेष - कर्क

कर्क	01/01/2024 - 01/06/2024
सिंह	01/06/2024 - 08/07/2024
मिथुन	08/07/2024 - 11/09/2024
वृष	11/09/2024 - 05/01/2025
मेष	05/01/2025 - 25/02/2025
मीन	25/02/2025 - 08/05/2025
कुम्भ	08/05/2025 - 07/06/2025
मकर	07/06/2025 - 06/07/2025
धनु	06/07/2025 - 16/09/2025

मेष - सिंह

सिंह	16/09/2025 - 25/09/2025
मिथुन	25/09/2025 - 10/10/2025
वृष	10/10/2025 - 07/11/2025
मेष	07/11/2025 - 19/11/2025
मीन	19/11/2025 - 06/12/2025
कुम्भ	06/12/2025 - 13/12/2025
मकर	13/12/2025 - 20/12/2025
धनु	20/12/2025 - 06/01/2026
कर्क	06/01/2026 - 12/02/2026

कुल दशाकाल : 86 वर्ष	नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा	चरण : 4
वर्ग : सव्य	देह : कर्क	जीव : धनु

भोग्य दशा - कर्क 17वर्ष 4मास 0दिन

मेष - मिथुन

मिथुन	12/02/2026 - 12/03/2026
वृष	12/03/2026 - 30/04/2026
मेष	30/04/2026 - 22/05/2026
मीन	22/05/2026 - 22/06/2026
कुम्भ	22/06/2026 - 05/07/2026
मकर	05/07/2026 - 17/07/2026
धनु	17/07/2026 - 17/08/2026
कर्क	17/08/2026 - 22/10/2026
सिंह	22/10/2026 - 06/11/2026

मेष - वृष

वृष	06/11/2026 - 03/02/2027
मेष	03/02/2027 - 13/03/2027
मीन	13/03/2027 - 08/05/2027
कुम्भ	08/05/2027 - 30/05/2027
मकर	30/05/2027 - 21/06/2027
धनु	21/06/2027 - 15/08/2027
कर्क	15/08/2027 - 09/12/2027
सिंह	09/12/2027 - 06/01/2028
मिथुन	06/01/2028 - 25/02/2028

मीन - मीन

मीन	25/02/2028 - 14/04/2028
कुम्भ	14/04/2028 - 04/05/2028
मकर	04/05/2028 - 24/05/2028
धनु	24/05/2028 - 12/07/2028
कर्क	12/07/2028 - 24/10/2028
सिंह	24/10/2028 - 17/11/2028
मिथुन	17/11/2028 - 01/01/2029
वृष	01/01/2029 - 21/03/2029
मेष	21/03/2029 - 25/04/2029

मीन - कुम्भ

कुम्भ	25/04/2029 - 02/05/2029
मकर	02/05/2029 - 10/05/2029
धनु	10/05/2029 - 30/05/2029
कर्क	30/05/2029 - 11/07/2029
सिंह	11/07/2029 - 20/07/2029
मिथुन	20/07/2029 - 07/08/2029
वृष	07/08/2029 - 08/09/2029
मेष	08/09/2029 - 22/09/2029
मीन	22/09/2029 - 11/10/2029

मीन - मकर

मकर	11/10/2029 - 19/10/2029
धनु	19/10/2029 - 08/11/2029
कर्क	08/11/2029 - 20/12/2029
सिंह	20/12/2029 - 29/12/2029
मिथुन	29/12/2029 - 16/01/2030
वृष	16/01/2030 - 17/02/2030
मेष	17/02/2030 - 03/03/2030
मीन	03/03/2030 - 22/03/2030
कुम्भ	22/03/2030 - 30/03/2030

मीन - धनु

धनु	30/03/2030 - 19/05/2030
कर्क	19/05/2030 - 30/08/2030
सिंह	30/08/2030 - 24/09/2030
मिथुन	24/09/2030 - 08/11/2030
वृष	08/11/2030 - 26/01/2031
मेष	26/01/2031 - 01/03/2031
मीन	01/03/2031 - 20/04/2031
कुम्भ	20/04/2031 - 09/05/2031
मकर	09/05/2031 - 29/05/2031

मीन - कर्क

कर्क	29/05/2031 - 02/01/2032
सिंह	02/01/2032 - 23/02/2032
मिथुन	23/02/2032 - 26/05/2032
वृष	26/05/2032 - 08/11/2032
मेष	08/11/2032 - 20/01/2033
मीन	20/01/2033 - 03/05/2033
कुम्भ	03/05/2033 - 14/06/2033
मकर	14/06/2033 - 25/07/2033
धनु	25/07/2033 - 06/11/2033

मीन - सिंह

सिंह	06/11/2033 - 18/11/2033
मिथुन	18/11/2033 - 11/12/2033
वृष	11/12/2033 - 19/01/2034
मेष	19/01/2034 - 05/02/2034
मीन	05/02/2034 - 02/03/2034
कुम्भ	02/03/2034 - 12/03/2034
मकर	12/03/2034 - 22/03/2034
धनु	22/03/2034 - 16/04/2034
कर्क	16/04/2034 - 06/06/2034

मीन - मिथुन

मिथुन	06/06/2034 - 17/07/2034
वृष	17/07/2034 - 26/09/2034
मेष	26/09/2034 - 27/10/2034
मीन	27/10/2034 - 10/12/2034
कुम्भ	10/12/2034 - 28/12/2034
मकर	28/12/2034 - 15/01/2035
धनु	15/01/2035 - 28/02/2035
कर्क	28/02/2035 - 02/06/2035
सिंह	02/06/2035 - 24/06/2035

कुल दशाकाल : 86 वर्ष	नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा	चरण : 4
वर्ग : सव्य	देह : कर्क	जीव : धनु

भोग्य दशा - शनि 7वर्ष 5मास 21दिन

शनि 19 वर्ष

शनि	00/00/0000 - 00/00/0000
गुरु	01/11/1973 - 25/12/1973
राहु	25/12/1973 - 04/02/1975
शुक्र	04/02/1975 - 14/01/1977
सूर्य	14/01/1977 - 05/08/1977
चन्द्र	05/08/1977 - 26/12/1978
मंगल	26/12/1978 - 22/09/1979
बुध	22/09/1979 - 19/04/1981

गुरु 16 वर्ष

गुरु	19/04/1981 - 22/08/1984
राहु	22/08/1984 - 02/10/1986
शुक्र	02/10/1986 - 13/06/1990
सूर्य	13/06/1990 - 03/07/1991
चन्द्र	03/07/1991 - 21/02/1994
मंगल	21/02/1994 - 20/07/1995
बुध	20/07/1995 - 17/07/1998
शनि	17/07/1998 - 19/04/2000

राहु 18 वर्ष

राहु	19/04/2000 - 19/08/2001
शुक्र	19/08/2001 - 20/12/2003
सूर्य	20/12/2003 - 19/08/2004
चन्द्र	19/08/2004 - 20/04/2006
मंगल	20/04/2006 - 11/03/2007
बुध	11/03/2007 - 28/01/2009
शनि	28/01/2009 - 10/03/2010
गुरु	10/03/2010 - 19/04/2012

शुक्र 20 वर्ष

शुक्र	19/04/2012 - 20/05/2016
सूर्य	20/05/2016 - 20/07/2017
चन्द्र	20/07/2017 - 19/06/2020
मंगल	19/06/2020 - 08/01/2022
बुध	08/01/2022 - 30/04/2025
शनि	30/04/2025 - 10/04/2027
गुरु	10/04/2027 - 19/12/2030
राहु	19/12/2030 - 19/04/2033

सूर्य 6 वर्ष

सूर्य	19/04/2033 - 19/08/2033
चन्द्र	19/08/2033 - 19/06/2034
मंगल	19/06/2034 - 29/11/2034
बुध	29/11/2034 - 09/11/2035
शनि	09/11/2035 - 29/05/2036
गुरु	29/05/2036 - 19/06/2037
राहु	19/06/2037 - 17/02/2038
शुक्र	17/02/2038 - 19/04/2039

चन्द्र 10 वर्ष

चन्द्र	19/04/2039 - 19/05/2041
मंगल	19/05/2041 - 29/06/2042
बुध	29/06/2042 - 08/11/2044
शनि	08/11/2044 - 30/03/2046
गुरु	30/03/2046 - 18/11/2048
राहु	18/11/2048 - 20/07/2050
शुक्र	20/07/2050 - 19/06/2053
सूर्य	19/06/2053 - 19/04/2054

मंगल 7 वर्ष

मंगल	19/04/2054 - 22/11/2054
बुध	22/11/2054 - 25/02/2056
शनि	25/02/2056 - 21/11/2056
गुरु	21/11/2056 - 19/04/2058
राहु	19/04/2058 - 10/03/2059
शुक्र	10/03/2059 - 28/09/2060
सूर्य	28/09/2060 - 10/03/2061
चन्द्र	10/03/2061 - 19/04/2062

बुध 17 वर्ष

बुध	19/04/2062 - 22/12/2064
शनि	22/12/2064 - 20/07/2066
गुरु	20/07/2066 - 16/07/2069
राहु	16/07/2069 - 06/06/2071
शुक्र	06/06/2071 - 25/09/2074
सूर्य	25/09/2074 - 05/09/2075
चन्द्र	05/09/2075 - 14/01/2078
मंगल	14/01/2078 - 19/04/2079

शनि 19 वर्ष

शनि	19/04/2079 - 23/03/2080
गुरु	23/03/2080 - 25/12/2081
राहु	25/12/2081 - 04/02/2083
शुक्र	04/02/2083 - 14/01/2085
सूर्य	14/01/2085 - 05/08/2085
चन्द्र	05/08/2085 - 26/12/2086
मंगल	26/12/2086 - 22/09/2087
बुध	22/09/2087 - 19/04/2089

भोग्य दशा - शनि 7वर्ष 5मास 21दिन

शुक्र - चन्द्र

चन्द्र	20/07/2017 - 15/12/2017
मंगल	15/12/2017 - 04/03/2018
बुध	04/03/2018 - 18/08/2018
शनि	18/08/2018 - 25/11/2018
गुरु	25/11/2018 - 31/05/2019
राहु	31/05/2019 - 27/09/2019
शुक्र	27/09/2019 - 21/04/2020
सूर्य	21/04/2020 - 19/06/2020

शुक्र - मंगल

मंगल	19/06/2020 - 31/07/2020
बुध	31/07/2020 - 29/10/2020
शनि	29/10/2020 - 20/12/2020
गुरु	20/12/2020 - 30/03/2021
राहु	30/03/2021 - 01/06/2021
शुक्र	01/06/2021 - 20/09/2021
सूर्य	20/09/2021 - 21/10/2021
चन्द्र	21/10/2021 - 08/01/2022

शुक्र - बुध

बुध	08/01/2022 - 17/07/2022
शनि	17/07/2022 - 06/11/2022
गुरु	06/11/2022 - 06/06/2023
राहु	06/06/2023 - 19/10/2023
शुक्र	19/10/2023 - 09/06/2024
सूर्य	09/06/2024 - 15/08/2024
चन्द्र	15/08/2024 - 30/01/2025
मंगल	30/01/2025 - 30/04/2025

शुक्र - शनि

शनि	30/04/2025 - 04/07/2025
गुरु	04/07/2025 - 06/11/2025
राहु	06/11/2025 - 24/01/2026
शुक्र	24/01/2026 - 11/06/2026
सूर्य	11/06/2026 - 21/07/2026
चन्द्र	21/07/2026 - 27/10/2026
मंगल	27/10/2026 - 19/12/2026
बुध	19/12/2026 - 10/04/2027

शुक्र - गुरु

गुरु	10/04/2027 - 03/12/2027
राहु	03/12/2027 - 01/05/2028
शुक्र	01/05/2028 - 18/01/2029
सूर्य	18/01/2029 - 03/04/2029
चन्द्र	03/04/2029 - 08/10/2029
मंगल	08/10/2029 - 16/01/2030
बुध	16/01/2030 - 16/08/2030
शनि	16/08/2030 - 19/12/2030

शुक्र - राहु

राहु	19/12/2030 - 24/03/2031
शुक्र	24/03/2031 - 06/09/2031
सूर्य	06/09/2031 - 23/10/2031
चन्द्र	23/10/2031 - 18/02/2032
मंगल	18/02/2032 - 21/04/2032
बुध	21/04/2032 - 02/09/2032
शनि	02/09/2032 - 20/11/2032
गुरु	20/11/2032 - 19/04/2033

सूर्य - सूर्य

सूर्य	19/04/2033 - 26/04/2033
चन्द्र	26/04/2033 - 13/05/2033
मंगल	13/05/2033 - 22/05/2033
बुध	22/05/2033 - 10/06/2033
शनि	10/06/2033 - 21/06/2033
गुरु	21/06/2033 - 13/07/2033
राहु	13/07/2033 - 26/07/2033
शुक्र	26/07/2033 - 19/08/2033

सूर्य - चन्द्र

चन्द्र	19/08/2033 - 30/09/2033
मंगल	30/09/2033 - 23/10/2033
बुध	23/10/2033 - 10/12/2033
शनि	10/12/2033 - 07/01/2034
गुरु	07/01/2034 - 01/03/2034
राहु	01/03/2034 - 04/04/2034
शुक्र	04/04/2034 - 02/06/2034
सूर्य	02/06/2034 - 19/06/2034

सूर्य - मंगल

मंगल	19/06/2034 - 01/07/2034
बुध	01/07/2034 - 27/07/2034
शनि	27/07/2034 - 11/08/2034
गुरु	11/08/2034 - 09/09/2034
राहु	09/09/2034 - 27/09/2034
शुक्र	27/09/2034 - 28/10/2034
सूर्य	28/10/2034 - 06/11/2034
चन्द्र	06/11/2034 - 29/11/2034

मकर 7 वर्ष

धनु	01/11/1973 - 01/06/1974
वृश्चिक	01/06/1974 - 01/01/1975
तुला	01/01/1975 - 01/08/1975
कन्या	01/08/1975 - 01/03/1976
सिंह	01/03/1976 - 01/10/1976
कर्क	01/10/1976 - 01/05/1977
मिथुन	01/05/1977 - 01/12/1977
वृष	01/12/1977 - 01/07/1978
मेष	01/07/1978 - 01/02/1979
मीन	01/02/1979 - 01/09/1979
कुम्भ	01/09/1979 - 01/04/1980
मकर	01/04/1980 - 01/11/1980

धनु 1 वर्ष

वृश्चिक	01/11/1980 - 01/12/1980
तुला	01/12/1980 - 01/01/1981
कन्या	01/01/1981 - 01/02/1981
सिंह	01/02/1981 - 01/03/1981
कर्क	01/03/1981 - 01/04/1981
मिथुन	01/04/1981 - 01/05/1981
वृष	01/05/1981 - 01/06/1981
मेष	01/06/1981 - 01/07/1981
मीन	01/07/1981 - 01/08/1981
कुम्भ	01/08/1981 - 01/09/1981
मकर	01/09/1981 - 01/10/1981
धनु	01/10/1981 - 01/11/1981

वृश्चिक 7 वर्ष

तुला	01/11/1981 - 01/06/1982
कन्या	01/06/1982 - 01/01/1983
सिंह	01/01/1983 - 01/08/1983
कर्क	01/08/1983 - 01/03/1984
मिथुन	01/03/1984 - 01/10/1984
वृष	01/10/1984 - 01/05/1985
मेष	01/05/1985 - 01/12/1985
मीन	01/12/1985 - 01/07/1986
कुम्भ	01/07/1986 - 01/02/1987
मकर	01/02/1987 - 01/09/1987
धनु	01/09/1987 - 01/04/1988
वृश्चिक	01/04/1988 - 01/11/1988

तुला 2 वर्ष

वृश्चिक	01/11/1988 - 01/01/1989
धनु	01/01/1989 - 01/03/1989
मकर	01/03/1989 - 01/05/1989
कुम्भ	01/05/1989 - 01/07/1989
मीन	01/07/1989 - 01/09/1989
मेष	01/09/1989 - 01/11/1989
वृष	01/11/1989 - 01/01/1990
मिथुन	01/01/1990 - 01/03/1990
कर्क	01/03/1990 - 01/05/1990
सिंह	01/05/1990 - 01/07/1990
कन्या	01/07/1990 - 01/09/1990
तुला	01/09/1990 - 01/11/1990

कन्या 10 वर्ष

तुला	01/11/1990 - 01/09/1991
वृश्चिक	01/09/1991 - 01/07/1992
धनु	01/07/1992 - 01/05/1993
मकर	01/05/1993 - 01/03/1994
कुम्भ	01/03/1994 - 01/01/1995
मीन	01/01/1995 - 01/11/1995
मेष	01/11/1995 - 01/09/1996
वृष	01/09/1996 - 01/07/1997
मिथुन	01/07/1997 - 01/05/1998
कर्क	01/05/1998 - 01/03/1999
सिंह	01/03/1999 - 01/01/2000
कन्या	01/01/2000 - 01/11/2000

सिंह 10 वर्ष

कन्या	01/11/2000 - 01/09/2001
तुला	01/09/2001 - 01/07/2002
वृश्चिक	01/07/2002 - 01/05/2003
धनु	01/05/2003 - 01/03/2004
मकर	01/03/2004 - 01/01/2005
कुम्भ	01/01/2005 - 01/11/2005
मीन	01/11/2005 - 01/09/2006
मेष	01/09/2006 - 01/07/2007
वृष	01/07/2007 - 01/05/2008
मिथुन	01/05/2008 - 01/03/2009
कर्क	01/03/2009 - 01/01/2010
सिंह	01/01/2010 - 01/11/2010

कर्क 7 वर्ष

मिथुन	01/11/2010 - 01/06/2011
वृष	01/06/2011 - 01/01/2012
मेष	01/01/2012 - 01/08/2012
मीन	01/08/2012 - 01/03/2013
कुम्भ	01/03/2013 - 01/10/2013
मकर	01/10/2013 - 01/05/2014
धनु	01/05/2014 - 01/12/2014
वृश्चिक	01/12/2014 - 01/07/2015
तुला	01/07/2015 - 01/02/2016
कन्या	01/02/2016 - 01/09/2016
सिंह	01/09/2016 - 01/04/2017
कर्क	01/04/2017 - 01/11/2017

मिथुन 5 वर्ष

वृष	01/11/2017 - 01/04/2018
मेष	01/04/2018 - 01/09/2018
मीन	01/09/2018 - 01/02/2019
कुम्भ	01/02/2019 - 01/07/2019
मकर	01/07/2019 - 01/12/2019
धनु	01/12/2019 - 01/05/2020
वृश्चिक	01/05/2020 - 01/10/2020
तुला	01/10/2020 - 01/03/2021
कन्या	01/03/2021 - 01/08/2021
सिंह	01/08/2021 - 01/01/2022
कर्क	01/01/2022 - 01/06/2022
मिथुन	01/06/2022 - 01/11/2022

वृष 7 वर्ष

मेष	01/11/2022 - 01/06/2023
मीन	01/06/2023 - 01/01/2024
कुम्भ	01/01/2024 - 01/08/2024
मकर	01/08/2024 - 01/03/2025
धनु	01/03/2025 - 01/10/2025
वृश्चिक	01/10/2025 - 01/05/2026
तुला	01/05/2026 - 01/12/2026
कन्या	01/12/2026 - 01/07/2027
सिंह	01/07/2027 - 01/02/2028
कर्क	01/02/2028 - 01/09/2028
मिथुन	01/09/2028 - 01/04/2029
वृष	01/04/2029 - 01/11/2029

मेष 12 वर्ष

वृष	01/11/2029 - 01/11/2030
मिथुन	01/11/2030 - 01/11/2031
कर्क	01/11/2031 - 01/11/2032
सिंह	01/11/2032 - 01/11/2033
कन्या	01/11/2033 - 01/11/2034
तुला	01/11/2034 - 01/11/2035
वृश्चिक	01/11/2035 - 01/11/2036
धनु	01/11/2036 - 01/11/2037
मकर	01/11/2037 - 01/11/2038
कुम्भ	01/11/2038 - 01/11/2039
मीन	01/11/2039 - 01/11/2040
मेष	01/11/2040 - 01/11/2041

मीन 2 वर्ष

मेष	01/11/2041 - 01/01/2042
वृष	01/01/2042 - 01/03/2042
मिथुन	01/03/2042 - 01/05/2042
कर्क	01/05/2042 - 01/07/2042
सिंह	01/07/2042 - 01/09/2042
कन्या	01/09/2042 - 01/11/2042
तुला	01/11/2042 - 01/01/2043
वृश्चिक	01/01/2043 - 01/03/2043
धनु	01/03/2043 - 01/05/2043
मकर	01/05/2043 - 01/07/2043
कुम्भ	01/07/2043 - 01/09/2043
मीन	01/09/2043 - 01/11/2043

कुम्भ 2 वर्ष

मीन	01/11/2043 - 01/01/2044
मेष	01/01/2044 - 01/03/2044
वृष	01/03/2044 - 01/05/2044
मिथुन	01/05/2044 - 01/07/2044
कर्क	01/07/2044 - 01/09/2044
सिंह	01/09/2044 - 01/11/2044
कन्या	01/11/2044 - 01/01/2045
तुला	01/01/2045 - 01/03/2045
वृश्चिक	01/03/2045 - 01/05/2045
धनु	01/05/2045 - 01/07/2045
मकर	01/07/2045 - 01/09/2045
कुम्भ	01/09/2045 - 01/11/2045

मकर 7 वर्ष

धनु	01/11/2045 - 01/06/2046
वृश्चिक	01/06/2046 - 01/01/2047
तुला	01/01/2047 - 01/08/2047
कन्या	01/08/2047 - 01/03/2048
सिंह	01/03/2048 - 01/10/2048
कर्क	01/10/2048 - 01/05/2049
मिथुन	01/05/2049 - 01/12/2049
वृष	01/12/2049 - 01/07/2050
मेष	01/07/2050 - 01/02/2051
मीन	01/02/2051 - 01/09/2051
कुम्भ	01/09/2051 - 01/04/2052
मकर	01/04/2052 - 01/11/2052

धनु 1 वर्ष

वृश्चिक	01/11/2052 - 01/12/2052
तुला	01/12/2052 - 01/01/2053
कन्या	01/01/2053 - 01/02/2053
सिंह	01/02/2053 - 01/03/2053
कर्क	01/03/2053 - 01/04/2053
मिथुन	01/04/2053 - 01/05/2053
वृष	01/05/2053 - 01/06/2053
मेष	01/06/2053 - 01/07/2053
मीन	01/07/2053 - 01/08/2053
कुम्भ	01/08/2053 - 01/09/2053
मकर	01/09/2053 - 01/10/2053
धनु	01/10/2053 - 01/11/2053

वृश्चिक 7 वर्ष

तुला	01/11/2053 - 01/06/2054
कन्या	01/06/2054 - 01/01/2055
सिंह	01/01/2055 - 01/08/2055
कर्क	01/08/2055 - 01/03/2056
मिथुन	01/03/2056 - 01/10/2056
वृष	01/10/2056 - 01/05/2057
मेष	01/05/2057 - 01/12/2057
मीन	01/12/2057 - 01/07/2058
कुम्भ	01/07/2058 - 01/02/2059
मकर	01/02/2059 - 01/09/2059
धनु	01/09/2059 - 01/04/2060
वृश्चिक	01/04/2060 - 01/11/2060

तुला 2 वर्ष

वृश्चिक	01/11/2060 - 01/01/2061
धनु	01/01/2061 - 01/03/2061
मकर	01/03/2061 - 01/05/2061
कुम्भ	01/05/2061 - 01/07/2061
मीन	01/07/2061 - 01/09/2061
मेष	01/09/2061 - 01/11/2061
वृष	01/11/2061 - 01/01/2062
मिथुन	01/01/2062 - 01/03/2062
कर्क	01/03/2062 - 01/05/2062
सिंह	01/05/2062 - 01/07/2062
कन्या	01/07/2062 - 01/09/2062
तुला	01/09/2062 - 01/11/2062

कन्या 10 वर्ष

तुला	01/11/2062 - 01/09/2063
वृश्चिक	01/09/2063 - 01/07/2064
धनु	01/07/2064 - 01/05/2065
मकर	01/05/2065 - 01/03/2066
कुम्भ	01/03/2066 - 01/01/2067
मीन	01/01/2067 - 01/11/2067
मेष	01/11/2067 - 01/09/2068
वृष	01/09/2068 - 01/07/2069
मिथुन	01/07/2069 - 01/05/2070
कर्क	01/05/2070 - 01/03/2071
सिंह	01/03/2071 - 01/01/2072
कन्या	01/01/2072 - 01/11/2072

सिंह 10 वर्ष

कन्या	01/11/2072 - 01/09/2073
तुला	01/09/2073 - 01/07/2074
वृश्चिक	01/07/2074 - 01/05/2075
धनु	01/05/2075 - 01/03/2076
मकर	01/03/2076 - 01/01/2077
कुम्भ	01/01/2077 - 01/11/2077
मीन	01/11/2077 - 01/09/2078
मेष	01/09/2078 - 01/07/2079
वृष	01/07/2079 - 01/05/2080
मिथुन	01/05/2080 - 01/03/2081
कर्क	01/03/2081 - 01/01/2082
सिंह	01/01/2082 - 01/11/2082

कर्क 7 वर्ष

मिथुन	01/11/2082 - 01/06/2083
वृष	01/06/2083 - 01/01/2084
मेष	01/01/2084 - 01/08/2084
मीन	01/08/2084 - 01/03/2085
कुम्भ	01/03/2085 - 01/10/2085
मकर	01/10/2085 - 01/05/2086
धनु	01/05/2086 - 01/12/2086
वृश्चिक	01/12/2086 - 01/07/2087
तुला	01/07/2087 - 01/02/2088
कन्या	01/02/2088 - 01/09/2088
सिंह	01/09/2088 - 01/04/2089
कर्क	01/04/2089 - 01/11/2089

मिथुन 5 वर्ष

वृष	01/11/2089 - 01/04/2090
मेष	01/04/2090 - 01/09/2090
मीन	01/09/2090 - 01/02/2091
कुम्भ	01/02/2091 - 01/07/2091
मकर	01/07/2091 - 01/12/2091
धनु	01/12/2091 - 01/05/2092
वृश्चिक	01/05/2092 - 01/10/2092
तुला	01/10/2092 - 01/03/2093
कन्या	01/03/2093 - 01/08/2093
सिंह	01/08/2093 - 01/01/2094
कर्क	01/01/2094 - 01/06/2094
मिथुन	01/06/2094 - 01/11/2094

वृष 7 वर्ष

मेष	01/11/2094 - 01/06/2095
मीन	01/06/2095 - 01/01/2096
कुम्भ	01/01/2096 - 01/08/2096
मकर	01/08/2096 - 01/03/2097
धनु	01/03/2097 - 01/10/2097
वृश्चिक	01/10/2097 - 01/05/2098
तुला	01/05/2098 - 01/12/2098
कन्या	01/12/2098 - 01/07/2099
सिंह	01/07/2099 - 01/02/2100
कर्क	01/02/2100 - 01/09/2100
मिथुन	01/09/2100 - 01/04/2101
वृष	01/04/2101 - 01/11/2101

मेष 12 वर्ष

वृष	01/11/2101 - 01/11/2102
मिथुन	01/11/2102 - 01/11/2103
कर्क	01/11/2103 - 01/11/2104
सिंह	01/11/2104 - 01/11/2105
कन्या	01/11/2105 - 01/11/2106
तुला	01/11/2106 - 01/11/2107
वृश्चिक	01/11/2107 - 01/11/2108
धनु	01/11/2108 - 01/11/2109
मकर	01/11/2109 - 01/11/2110
कुम्भ	01/11/2110 - 01/11/2111
मीन	01/11/2111 - 01/11/2112
मेष	01/11/2112 - 01/11/2113

मीन 2 वर्ष

मेष	01/11/2113 - 01/01/2114
वृष	01/01/2114 - 01/03/2114
मिथुन	01/03/2114 - 01/05/2114
कर्क	01/05/2114 - 01/07/2114
सिंह	01/07/2114 - 01/09/2114
कन्या	01/09/2114 - 01/11/2114
तुला	01/11/2114 - 01/01/2115
वृश्चिक	01/01/2115 - 01/03/2115
धनु	01/03/2115 - 01/05/2115
मकर	01/05/2115 - 01/07/2115
कुम्भ	01/07/2115 - 01/09/2115
मीन	01/09/2115 - 01/11/2115

कुम्भ 2 वर्ष

मीन	01/11/2115 - 01/01/2116
मेष	01/01/2116 - 01/03/2116
वृष	01/03/2116 - 01/05/2116
मिथुन	01/05/2116 - 01/07/2116
कर्क	01/07/2116 - 01/09/2116
सिंह	01/09/2116 - 01/11/2116
कन्या	01/11/2116 - 01/01/2117
तुला	01/01/2117 - 01/03/2117
वृश्चिक	01/03/2117 - 01/05/2117
धनु	01/05/2117 - 01/07/2117
मकर	01/07/2117 - 01/09/2117
कुम्भ	01/09/2117 - 01/11/2117

मैत्री चक्र

नैसर्गिक

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चन्द्र	मित्र	..	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	..	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	..	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	..	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	..	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	..	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	..	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	..

तात्कालिक

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
चन्द्र	मित्र	..	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
मंगल	शत्रु	शत्रु	..	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	मित्र	शत्रु	..	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	..	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	..	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शनि	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	..	शत्रु	शत्रु
राहु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	..	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	..

पंचधा

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	अतिमित्र	सम	मित्र	अतिमित्र	सम	अतिशत्रु	सम	अतिशत्रु
चन्द्र	अतिमित्र	..	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	अतिशत्रु	अतिशत्रु
मंगल	सम	सम	..	अतिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	अतिशत्रु	अतिमित्र
बुध	अतिमित्र	सम	शत्रु	..	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	..	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	अतिशत्रु	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	..	सम	सम	सम
शनि	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम	सम	शत्रु	सम	..	सम	अतिशत्रु
राहु	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	मित्र	मित्र	सम	सम	..	अतिशत्रु
केतु	अतिशत्रु	अतिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	..

अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	5	5	5	4	2	4	5	5	3	4	3	3	48
चन्द्र	4	4	5	2	6	4	5	4	4	3	4	4	49
मंगल	3	3	3	3	1	2	5	4	3	4	4	4	39
बुध	5	2	4	5	5	4	5	4	4	6	5	5	54
गुरु	7	5	3	5	6	3	7	6	2	6	4	2	56
शुक्र	5	3	1	3	7	7	4	3	3	5	5	6	52
शनि	4	4	4	2	4	2	6	5	1	3	2	2	39
लग्न	5	2	5	3	4	6	4	4	3	4	5	4	49
कुल	38	28	30	27	35	32	41	35	23	35	32	30	386
कुल	33	26	25	24	31	26	37	31	20	31	27	26	337

शोधित अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	3	1	2	1	0	0	2	2	1	0	0	0	12
चन्द्र	0	1	1	0	2	1	1	2	0	0	0	2	10
मंगल	2	1	0	0	0	0	2	1	2	2	1	1	12
बुध	1	0	0	1	1	2	1	0	0	4	1	1	12
गुरु	5	2	0	3	4	0	4	4	0	3	1	0	26
शुक्र	2	0	0	0	4	4	3	0	0	2	4	3	22
शनि	3	2	2	0	3	0	4	3	0	1	0	0	18
लग्न	2	0	1	0	1	4	0	1	0	2	1	1	13

एकादिपत्य शोधन

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	3	0	2	1	0	0	2	2	1	0	0	0	11
चन्द्र	0	0	1	0	2	0	1	2	0	0	0	2	8
मंगल	2	0	0	0	0	0	2	1	2	2	0	0	9
बुध	1	0	0	1	1	2	1	0	0	4	0	1	11
गुरु	5	0	0	3	4	0	4	4	0	3	0	0	23
शुक्र	2	0	0	0	4	4	3	0	0	2	2	3	20
शनि	3	0	2	0	3	0	4	3	0	1	0	0	16
लग्न	2	0	1	0	1	3	0	1	0	2	0	1	11

पिंड

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	93	90	90	97	81	193	185	144
ग्रह पिंड	46	66	20	75	53	110	51	79
शोध्य पिंड	139	156	110	172	134	303	236	223

प्रस्ताराष्टक वर्ग

लग्न

	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	कुल
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	6
बुध	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
सूर्य	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	5
गुरु	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6
चन्द्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
शुक्र	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	7
मंगल	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
शनि	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	4	5	4	5	2	5	3	4	6	4	4	3	49

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

सूर्य

	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	कुल
लग्न	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
बुध	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
सूर्य	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
गुरु	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
चन्द्र	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
शुक्र	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
मंगल	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	4
शनि	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	6
कुल	5	5	3	4	3	3	5	5	5	4	2	4	48

चन्द्र

	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	कुल
लग्न	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	4
बुध	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
सूर्य	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	7
गुरु	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	6
चन्द्र	0	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	7
शुक्र	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	8
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
शनि	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
कुल	4	3	4	4	4	4	5	2	6	4	5	4	49

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

मंगल

	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	कुल
लग्न	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	7
बुध	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	4
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	5
चन्द्र	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	4
शुक्र	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	4
मंगल	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	3
शनि	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	5
कुल	3	3	3	3	1	2	5	4	3	4	4	4	39

बुध

	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	कुल
लग्न	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
सूर्य	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	5
चन्द्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
शुक्र	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
मंगल	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	6
शनि	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
कुल	4	4	6	5	5	5	2	4	5	5	4	5	54

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

गुरु

	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	कुल
लग्न	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	4
बुध	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
सूर्य	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
गुरु	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	9
चन्द्र	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	6
शुक्र	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	8
मंगल	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	5
शनि	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
कुल	6	4	2	7	5	3	5	6	3	7	6	2	56

शुक्र

	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	कुल
लग्न	0	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	7
बुध	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	5
सूर्य	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	3
चन्द्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
शुक्र	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	5
मंगल	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	9
शनि	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
कुल	3	5	5	6	5	3	1	3	7	7	4	3	52

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

शनि

	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	कुल
लग्न	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
बुध	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	4
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
गुरु	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
चन्द्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	6
मंगल	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
शनि	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	6
कुल	4	2	4	2	6	5	1	3	2	2	4	4	39

मिलान तालिका

यदि आप अविवाहित हैं तो निम्न सूचना आपके लिये उपयोगी होगी। अपने भावी जीवन साथी से गुण दोष मिलान के लिए उसका नक्षत्र व चरण निम्न तालिका से मिलाइए।

नक्षत्र	चरण	गुण	दोष	मिलान
अश्विनी	1 - 4	26	+5	मध्यम है।
भरणी	1 - 4	19	3,5	अच्छा नहीं है।
कृतिका	1 - 1	19	-1,2,5	मध्यम है।
कृतिका	2 - 4	14.5	1,6,2	अच्छा नहीं है।
रोहिणी	1 - 4	20	6	मध्यम है।
मृगशिरा	1 - 2	11	3,6	अच्छा नहीं है।
मृगशिरा	3 - 4	17	3	मध्यम है।
आरद्रा	1 - 4	27		मध्यम है।
पुनर्वसु	1 - 3	26		मध्यम है।
पुनर्वसु	4 - 4	21.5	6	मध्यम है।
पुष्य	1 - 4	11.5	2,3,6	अच्छा नहीं है।
अश्लेषा	1 - 4	16.5	1,6	अच्छा नहीं है।
मघा	1 - 4	19	-1,5	मध्यम है।
पू फाल्गुनी	1 - 4	17	3,5	अच्छा नहीं है।
उ फाल्गुनी	1 - 1	25	+5	मध्यम है।
उ फाल्गुनी	2 - 4	28.5		उत्तम है।
हस्त	1 - 4	26		मध्यम है।
चित्रा	1 - 2	13	1,3	अच्छा नहीं है।
चित्रा	3 - 4	13	1,3	अच्छा नहीं है।
स्वाती	1 - 4	26		मध्यम है।
विशाखा	1 - 3	21	1	मध्यम है।
विशाखा	4 - 4	17.5	-1,4	अच्छा नहीं है।
अनुराधा	1 - 4	14.5	3,4	अच्छा नहीं है।
ज्येष्ठा	1 - 4	17.5	-1,4	अच्छा नहीं है।
मूल	1 - 4	27	+1	मध्यम है।
पूर्वाषाढ़ा	1 - 4	27	3	मध्यम है।
उत्तराषाढ़ा	1 - 1	34	0	उत्तम है।
उत्तराषाढ़ा	2 - 4	25	0,4	मध्यम है।
श्रवण	1 - 4	24.5	4	मध्यम है।
धनिष्ठा	1 - 2	8.5	1,3,4	अच्छा नहीं है।
धनिष्ठा	3 - 4	15.5	1,3	अच्छा नहीं है।
शतभिषा	1 - 4	23.5	1	मध्यम है।
पू भाद्रपद	1 - 3	29.5		उत्तम है।
पू भाद्रपद	4 - 4	30.5		उत्तम है।
उ भाद्रपद	1 - 4	22.5	3	मध्यम है।
रेवती	1 - 4	29.5		उत्तम है।

दोष प्रकार

0 रन्द्र दोष : 1 गण महा दोषः 2 योनिवर दोषः 3 नाड़ी दोष
4 द्विदाश दोष : 5 नवपंच दोषः 6 भकूट दोषः

चर कारक

आत्म	अमात्य	भ्रातृ	मातृ	पुत्र	ज्ञाति	दारा
चन्द्र	सूर्य	शनि	गुरु	मंगल	बुध	शुक्र
23 28	15 12	11 02	10 36	05 47	02 51	01 51

नवमांश

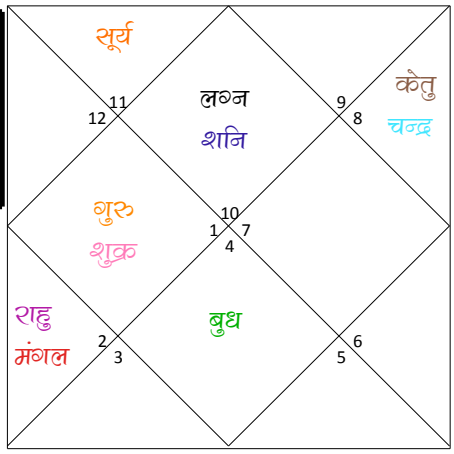

जन्म लग्न

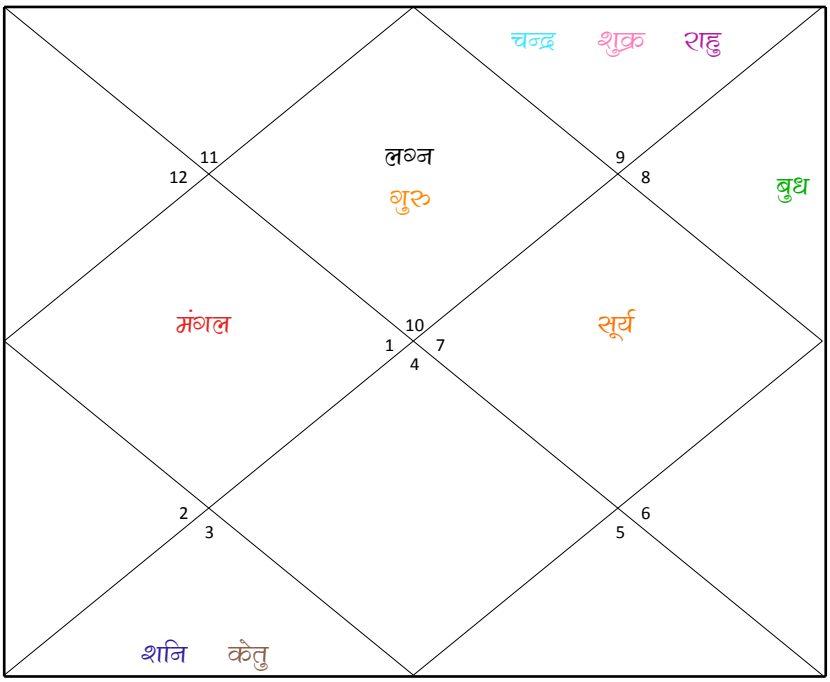

पद कुण्डली

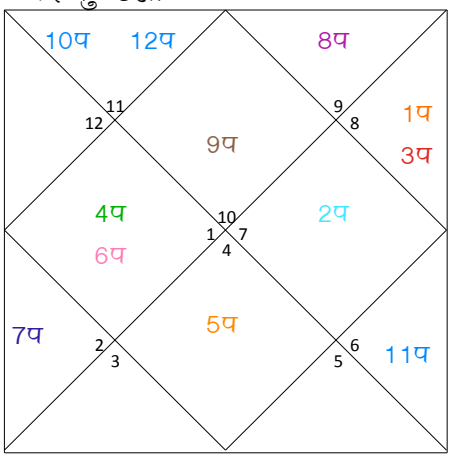

कारकाँश कुण्डली

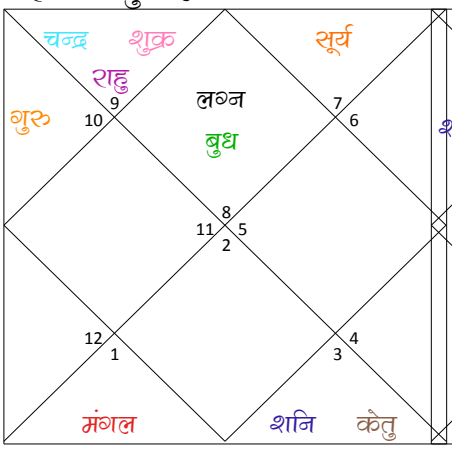

स्वांश कुण्डली

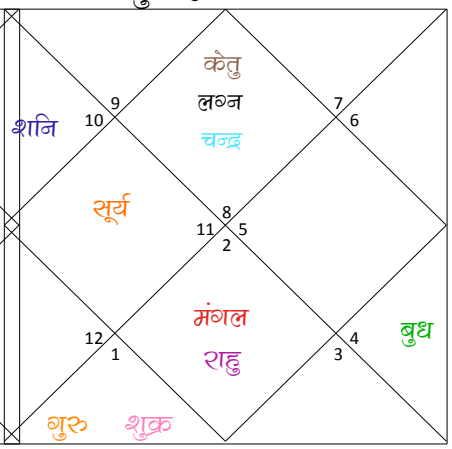

जैमिनी दृष्टि

सूर्य	--
चन्द्र	शुक्र,शनि,राहु,केतु,
मंगल	बुध,
बुध	मंगल,गुरु,
गुरु	बुध,
शुक्र	चन्द्र,शनि,राहु,केतु,
शनि	चन्द्र,शुक्र,राहु,केतु,
राहु	चन्द्र,शुक्र,शनि,केतु,
केतु	चन्द्र,शुक्र,शनि,राहु,

चर दशा

मकर 7 Yr 01/11/1973 - 01/11/1980	कन्या 10 Yr 01/11/1990 - 01/11/2000	वृष 7 Yr 01/11/2022 - 01/11/2029
धनु 1 Yr 01/11/1980 - 01/11/1981	सिंह 10 Yr 01/11/2000 - 01/11/2010	मेष 12 Yr 01/11/2029 - 01/11/2041
वृश्चिक 7 Yr 01/11/1981 - 01/11/1988	कर्क 7 Yr 01/11/2010 - 01/11/2017	मीन 2 Yr 01/11/2041 - 01/11/2043
तुला 2 Yr 01/11/1988 - 01/11/1990	मिथुन 5 Yr 01/11/2017 - 01/11/2022	कुम्भ 2 Yr 01/11/2043 - 01/11/2045

अष्टकवर्ग चक्र

		शोधन से पूर्व	त्रिकोण शोधन	एकाधिपत्य शोधन
सूर्य राशि पिंड ग्रह पिंड शोध्य पिंड	 90 66 156	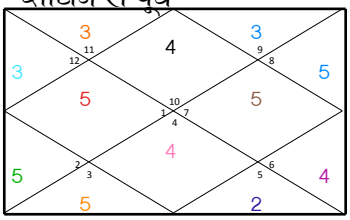	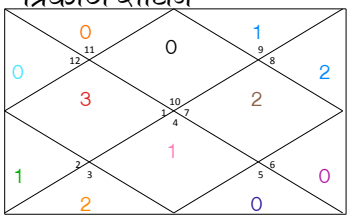	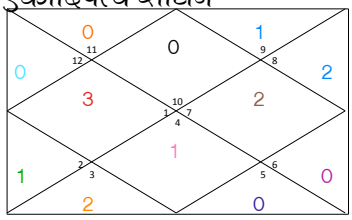
चन्द्र राशि पिंड ग्रह पिंड शोध्य पिंड	 90 20 110	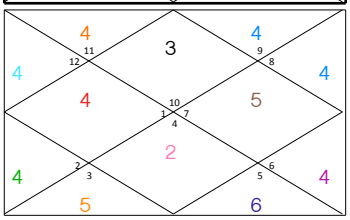	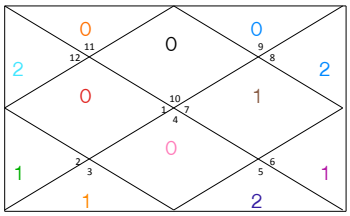	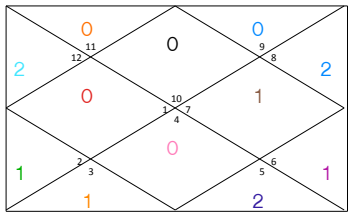
मंगल राशि पिंड ग्रह पिंड शोध्य पिंड	 97 75 172	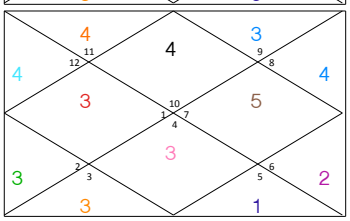	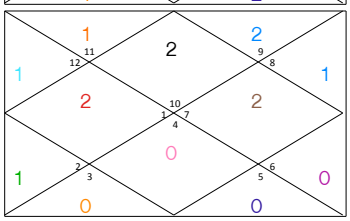	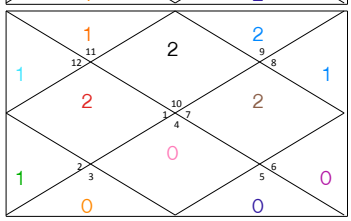
बुध राशि पिंड ग्रह पिंड शोध्य पिंड	 81 53 134	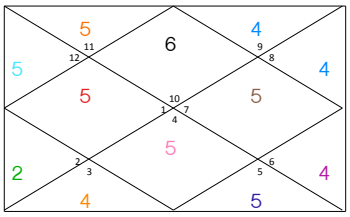	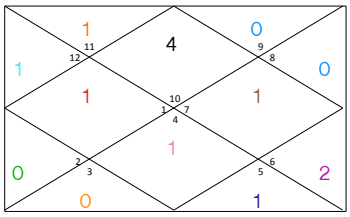	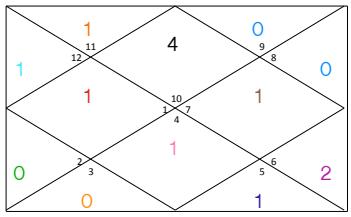
गुरु राशि पिंड ग्रह पिंड शोध्य पिंड	 193 110 303	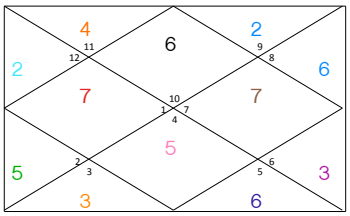	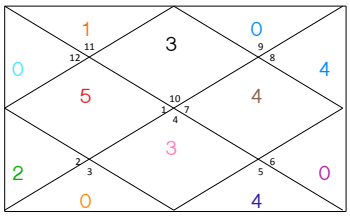	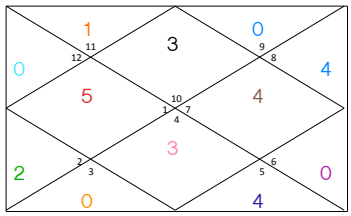
शुक्र राशि पिंड ग्रह पिंड शोध्य पिंड	 185 51 236	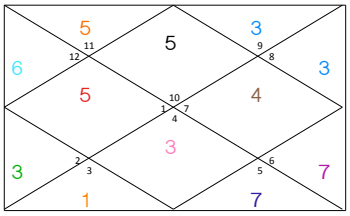	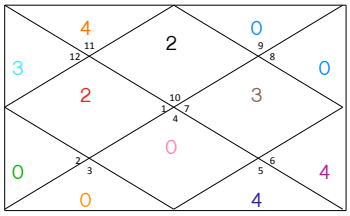	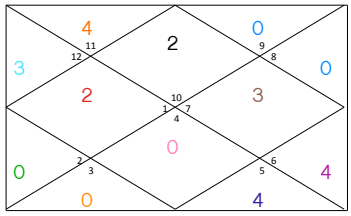
शनि राशि पिंड ग्रह पिंड शोध्य पिंड	 144 79 223	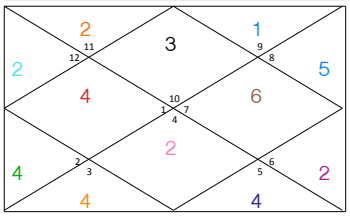	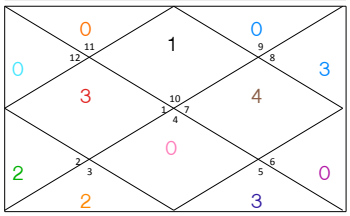	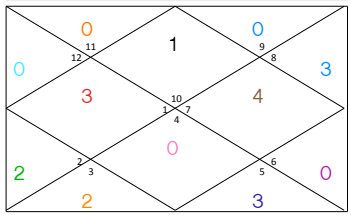
लग्न राशि पिंड ग्रह पिंड शोध्य पिंड	 93 46 139	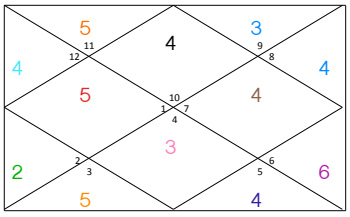	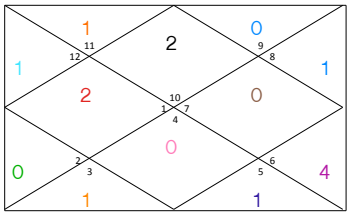	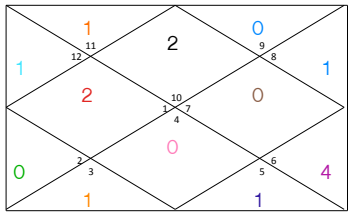

उपग्रह एवं आरुढ़

उपग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण
लग्न	मकर	02 11 07	उत्तराषाढ़ा	2
गुलिक	धनु	14 38 31	पूर्वाषाढ़ा	1
काल	मकर	05 55 05	उत्तराषाढ़ा	3
मृत्यू	कुम्भ	24 47 34	पू भाद्रपद	2
यमघंटक	वृश्चिक	04 39 36	अनुराधा	1
अर्द्धप्रहर	मीन	21 14 17	रेवती	2
धूम	कुम्भ	28 32 01	पू भाद्रपद	3
व्यतिपात	वृष	01 27 59	कृतिका	2
परिवेश	वृश्चिक	01 27 59	विशाखा	4
इन्द्रचाप	सिंह	28 32 01	उ फाल्गुनी	1
उपकेतू	कन्या	15 12 01	हस्त	2

उपग्रह

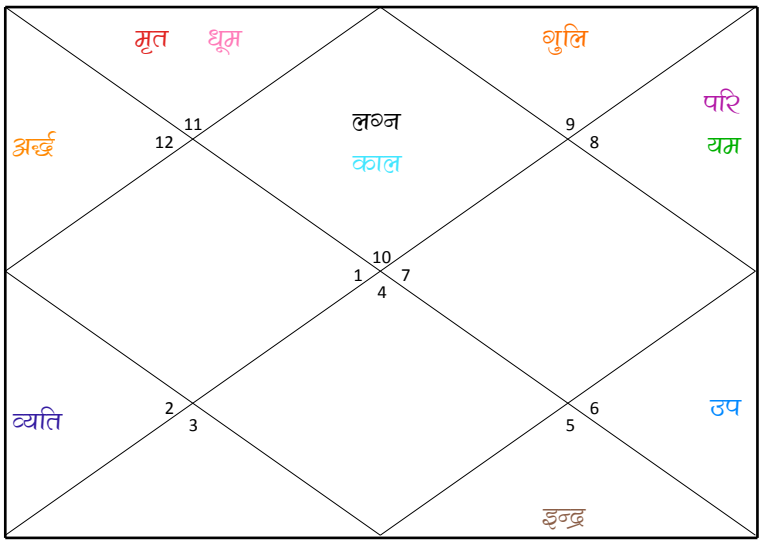

विशेष लग्न

भाव लग्न	मीन	25:58:25	64वां नवमांश	कुम्भ
होरा लग्न	कन्या	17:30:04	22वां द्रेष्काण	सिंह
घटिका लग्न	धनु	13:54:32	इन्दु लग्न	मकर
बीज स्फुट	तुला	09:52:13		
प्राणपद	मिथुन	10:12:01		

षडबल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	1.73	16.83	37.40	44.05	1.87	21.62	17.02
सप्तवर्ग बल	65.63	120.00	106.88	82.50	78.75	75.00	60.00
ओजयुग्मक बल	30.00	15.00	15.00	0.00	15.00	0.00	15.00
केन्द्र बल	60.00	15.00	60.00	30.00	60.00	15.00	15.00
द्रेष्काण बल	0.00	15.00	15.00	0.00	0.00	0.00	15.00
1कुल स्थान बल	157.36	181.83	234.28	156.55	155.62	111.62	122.02
2कुल दिग्बल बल	58.76	23.99	1.90	40.23	57.19	16.79	52.95
नतोन्नत बल	57.43	2.57	2.57	60.00	57.43	57.43	2.57
पक्ष बल	37.24	74.48	37.24	22.76	22.76	22.76	37.24
त्रिभाग बल	60.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00
अब्द बल	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00	0.00	0.00
वार बल	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00	0.00	0.00
होरा बल	0.00	60.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
अयन बल	23.49	58.51	44.31	54.60	5.55	0.34	0.33
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3कुल काल बल	178.16	210.56	84.11	137.36	220.74	80.53	40.14
4कुल चेष्टा बल	0.00	0.00	55.92	53.99	31.20	36.34	42.82
5कुल नैसर्गिक बल	60.00	51.43	17.14	25.70	34.28	42.85	8.57
6कुल द्रग्बल	-18.14	-21.98	-13.89	-12.69	-17.78	-24.23	2.43
कुल षडबल	436.14	445.83	379.46	401.12	481.26	263.90	268.92
षडबल रुपा में	7.27	7.43	6.32	6.69	8.02	4.40	4.48
न्यूनतम आवश्यकता	5.00	6.00	5.00	7.00	6.50	5.50	5.00
अनुपात	1.45	1.24	1.26	0.96	1.23	0.80	0.90
संबंधित पद	3	2	5	4	1	7	6
इष्ट फल	5.44	19.57	45.73	48.77	7.63	28.03	26.99
कष्ट फल	49.99	40.10	9.61	9.79	40.91	30.13	27.18

भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावाधिपति	268.92	268.92	481.26	379.46	263.90	401.12	445.83	436.14	401.12	263.90	379.46	481.26
भावदिग्बल	30.00	50.00	50.00	0.00	10.00	10.00	30.00	40.00	20.00	30.00	20.00	50.00
भावदृष्टि बल	-9.85	32.85	50.49	62.76	82.95	87.16	82.90	62.71	16.54	-5.62	-14.23	-24.73
कुल भावबल	289.07	351.77	581.76	442.22	356.85	498.28	558.72	538.85	437.66	288.28	385.23	506.53
भाव बल रुपा में	4.82	5.86	9.70	7.37	5.95	8.30	9.31	8.98	7.29	4.80	6.42	8.44
संबंधित पद	11	10	1	6	9	5	2	3	7	12	8	4

लग्नफल

मकर आपका लग्न चिन्ह है

राशि चक्र के दसवें चिह्न मकर राशि में आपका जन्म हुआ है। आप भ्रमण की शौकीन, आकर्षक आँखों की स्वामिनी, अत्यंत चतुर व चालाक, कभी कभी थोड़ा आलसी अपव्ययी, धर्म में अधिक रुचि न रखने वाली, कविता में रुचि रखने वाली महिला हैं। आपका शैशवकाल साधारण रहा है लेकिन 32 वर्ष की आयु के बाद कई सुख आराम प्राप्त करेंगी। आप पतली हो सकती हैं। आप कुछ धन अर्जित करेंगी लेकिन धन स्थिर नहीं रहेगा। आप लंबी हैं। वर्ण लाल है। अपनी परियोजनाओं के प्रति अत्यंत सावधान हैं। अपनी बुद्धि के बल पर सफलता प्राप्त करेंगी। आप वाचाल, कलाप्रेमी हैं और कला क्षेत्र के प्रयासों में सफलता अर्जित करेंगी। आप अत्यंत आत्म-केन्द्रित हैं। आपके केश घने हैं। आप कभी कभी व्यर्थ में काफी व्यय करेंगी। बचपन में बहुत दुर्बल और दुबली पतली होंगी लेकिन 12 से 19 वर्ष की आयु के दौरान आप काफी लंबी हो जाएंगी। आपका चेहरा पतला और अण्डाकार है। सम्भवतः आपके घुटने पर चोट का निशान या तिल हैं। आप व्यवहारिक हैं और राजनीति में सफल होंगी। आप बाधाओं और रुकावटों से नहीं डरती और अपनी परियोजनाओं में सफल रहेंगी। आप गहन विचारक, विज्ञान के कई विषयों की ज्ञाता हैं। आप अपनी योजनाएँ व कार्य शीघ्रता से बनाती व करती हैं। आपकी स्मरण शक्ति अच्छी है। आप शिक्षित और सम्मानित महिला हैं।

चूंकि आप पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में पैदा हुई थी, आप गर्वीली, बुद्धिमान, मददगार, कुशल मित्रों से लगाव रखने वाली, एक सफल पति और दृढ़ विचार रखने वाली महिला होंगी। संतान व मित्रों से प्रसन्नता मिलेगी। 28 वर्ष की आयु से आपका भाग्योदय होगा।

सूर्य ग्रह का प्रभाव

आठवें गृह का स्वामी, दसवें घर में सूर्य बताता है कि आप कार्यशील, उत्साही और उमंग से भरपूर महिला होंगी। पिता की ओर से समस्याएँ और अप्रसन्नता प्राप्त हो सकती हैं। हो सकता है माँ का स्वास्थ्य भी ठीक न हो। आप कठिन परिश्रम करती हैं और अपने व्यवसाय / धन्धे में आने वाली समस्याओं पर काबू पा लेती हैं। आपकी प्रतिष्ठा खराब हो सकती हैं और समाज या सत्ता से अप्रसन्नता प्राप्त हो सकती हैं। पैतृक व्यवसाय या जमीन प्राप्त होने की सम्भावना है।
आप जनता का प्रतिनिधित्व करती हैं और चुनावों में सफलता प्राप्त करेंगी। सत्ता व समाज का प्रोत्साहन प्राप्त होगा। अपने बुद्धिमत्तापूर्ण कार्यों से आप अपार धन व सम्मान अर्जित करेंगी। अपने व्यवसाय में सफलता प्राप्त करेंगी। आपके पास अपार धन होगा। आप वाहन व सुख - सुविधाएँ प्राप्त करेंगी। आप सम्मानजनक कार्य करेंगी। आपके पुत्र प्रभावशाली होंगे। आप व्यवसाय में सफलता प्राप्त करेंगी। आप परियोजनाओं की सम्मुख होंगी। आप एक कुशल न्यायाधिकारी हैं।
आप विलासिता की शौकीन हैं। आप लगन से कार्य करने वाली महिला हैं। आप धंधा शुरु करेंगी और फिर उसे छोड़कर कोई अन्य काम शुरु कर देंगी जिससे स्थिरता प्राप्त नहीं होगी। आप अचानक उत्साही प्रसन्न और खुश और दूसरे ही क्षण अचानक चिन्तित हो जाती हैं।

चन्द्र ग्रह का प्रभाव

चंद्र के सप्तमेश होकर द्वादश भाव में होने से विदेशों से आपका सम्पर्क रहेगा जो आपके व्यवसाय में सहायता करेगा। परिवार के किसी घनिष्ठ व्यक्ति के बीमार रहने की सम्भावना है। कभी - कभी आप बेचैन व एकाकी अनुभव करेंगी।
गूढ़ विज्ञान एवं शरीर के भोगों की आप प्रेमी होंगी। काफी भ्रमण करेंगी। आपको कई पराजय एवं सम्मान हानि सहनी पड़ेगी जिससे आप बहुत दयनीय महसूस करेंगी। आप काफी धन खोयेंगी, ऐसा सम्भावित है। आपकी माता एवं पति भी रुग्ण रहेंगे।
चंद्र धनु में : आप मध्यम कद की महिला होंगी। आप सुन्दर, सुडौल शरीर, सीधे चेहरे, बड़े दाँत, खराब नाखून व बड़ी तोंद वाली महिला होंगी। आप अच्छी महत्वाकांक्षी महिला हैं जो बुद्धिमान एवं परोपकारी स्वभाव की हैं। दिन में आप बलशाली रहती हैं। तृतीया, अष्टमी एवं त्रयोदशी तिथियाँ आपके लिए शुभ है तथा सोमवार अशुभ। मेष, कर्क, सिंह एवं वृश्चिक राशि वाले व्यक्ति आपके लिए भाग्यशाली सिद्ध होंगे। आप अच्छी वक्ता हैं। निष्कपट एवं ईमानदार हैं। आप कवि स्वभाव की महिला हैं। आपके कई व्यवसाय एवं

उपक्रम होंगे।

मंगल ग्रह का प्रभाव

चौथे और ग्यारहवें गृह का स्वामी, चौथे गृह में मंगल अपार पैतृक सम्पत्ति और माता पिता के लिए दिल में स्नेह का संकेतक है। आप पिता का नाम रोशन करेंगी। आप कर्तव्य-परायण प्रसन्न होंगी और जीवन के सभी सुख भोगेंगी। आप दीर्घायु होंगी और समय का मूल्य समझेंगी। आप धार्मिक होंगी और विपुल धन-दौलत और जमीन जायदाद प्राप्त करेंगी। पति के पक्ष से कुछ आभाव रहेगा। ससुराल पक्ष की कृपा व उनसे लाभ प्राप्त करेंगी। अपने पति से वैचारिक मतभेद होगा। भौतिक सुखों में कभी कभार आभाव है। आप अपने स्वार्थ या लाभ के बारे में सोचने को अधिक महत्व नहीं देती।
घर में कलह, छोटे भाई की मृत्यु और वृद्धावस्था में कष्ट का योग है। आप पराक्रमी हैं। इसके कारण सम्बन्धियों की मृत्यु जायदाद में हानि, माँ की अस्वस्थता हृदय रोग, सीने में पीड़ा और यात्राओं में दुर्घटना का खतरा है।
आप साहसी, दानशील, सत्य-प्रिय, बहुत धनी और समाज में खासकर राजनैतिक क्षेत्र में प्रतिष्ठित महिला हैं।

बुध ग्रह का प्रभाव

बुध के षष्ठेश और नवमेश होकर एकादश भाव में होने के कारण आप दीर्घजीवि होंगी। विदेशों में सम्मान प्राप्त करेंगी। आप बुद्धिमती, सुन्दर और चालाक हैं। आप साहसी एवं चतुर हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। विरोधी परेशानियाँ पैदा करेंगे लेकिन आप उन पर विजय प्राप्त कर लेंगी। आपको कई विलम्ब और निराशाएँ झेलनी पड़ेगी जिससे आप अस्त व्यस्त रहेंगी। संतान अच्छी होगी। नाना पक्ष की कृपा रहेगी और सुख मिलेगा। आपकी रहस्यपूर्ण एवं गहरी नीतियों के कारण सम्भव है आपको सत्ता और सम्मान मिले।
आपके दोस्त विज्ञान-वेता है। आपको उच्च कोटि की शिक्षा मिली है, अच्छा घर है तथा रत्न-माणिकों की आप शौकीन हैं। आप विद्वान, धनी, प्रसिद्ध और विलास-प्रिय हैं। आप सत्य प्रेमी हैं।
आपके सहयोगी बुरे हैं, आप दुष्कर्मो की शिकार है। कभी-कभी बुद्धि चातुर्य तथा शरीर में कमजोरी महसूस करेंगी।

गुरु ग्रह का प्रभाव

गुरु के तृतीयेश एवं द्वादशेश हो कर लगन में स्थित होने के कारण आप अपनी मेहनत से पैसा कमाऐंगी। आप अत्यधिक कामुक हैं और युक्तिपूर्वक शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर लेती हैं। आपकी कब्जा करने की प्रवृत्ति है। आपके कुछ सहयोगी आप के लिए घातक सिद्ध हो सकते हैं। आप निडर हैं और बड़े बड़े जोखिम उठा लेती हैं। आप दीर्घायु, शक्तिशाली, क्रियाशील और सुदर्शन व्यक्तित्व वाली होंगी। आप अच्छी वक्ता हैं। आपका व्यक्तित्व शानदार है। पति और संतान से आपको सुख मिलेगा। पति सुन्दर और प्रभावशाली होंगे। आप भी पढ़ी-लिखी एवं बुद्धिमति होंगी। आपकी इच्छा शक्ति दृढ़ है। धन प्राप्ति के लिए आप गलत तरीके भी अपनाएंगी। आप झगड़ालू किस्म की तथा खर्चीली स्वभाव की हैं। धन कमाने में आपको बाधाओं का सामना करना पड़ेगा।

आप दीर्घकाय, सदव्यवहारी कृतज्ञ, विदूषी, प्रसिद्ध और ईमानदार हैं। अपने उच्च कृत्यों के कारण प्रशंसा मिलेगी। आप गहरी विचारक और ऊँचे गणितज्ञ होंगी। आप खूब भोजनी हैं और मिष्ठान अति प्रिय हैं। आपका प्रमुख गुण आपका सदैव तरोताजा रहना है। आपकी मीठी लेकिन धीमी आवाज है। आप सौम्य और मिलनसार है। आप स्वस्थ रहेंगी और संतान अच्छी होगी। आपको ख्याति मिलेगी। आप निडर हैं और तीर्थाटन करेंगी। सुदर्शन शरीर की स्वामिनी आप अपने सद्गुणों के कारण जानी जाएंगी।

आपका मन चंचल रहेगा। आप यात्रा अधिक करती हैं। कभी कभी आपकी मेहनत बेकार जाएगी। आप बहुत चतुर हैं।

शुक्र ग्रह का प्रभाव

शुक्र के पंचमेश व दशमेश होकर द्वादश भाव में होने के कारण आप विदेशी लेखकों से मिलने को सदा व्यग्र रहती हैं। माता व संतानों के कारण दुखी होंगी। अपने कर्मों के कारण दुख और बदनामी भोगेंगी। व्यापार में घाटा खायेंगी और भारी खर्चे के कारण आर्थिक रूप से व्यथित रहेंगी। सरकार के व समाज के कारण भी प्रतिष्ठा पर आंच आ सकती हैं। पति लड़ाके होंगे। शरीर में कुछ कमजोरी रहेगी। पुरुष वर्ग की आप प्रेमी हैं। कुछ सहयोगियों के कारण धन हानि होगी। भोगों की आप शौकीन हैं।

शुक्र के द्वादश भाव में होने के कारण आप न्याय-प्रिय हैं। विलासी स्वभाव की आप थोड़ी आलसी भी हैं। पुरुष वर्ग की ओर आपका सहज झुकाव रहेगा। आप मितहारी हैं। अपने बुद्धि चातुर्य से शत्रुओं का पराभव कर देती हैं। आप वैसे चतुर हैं लेकिन अपनी विलास-प्रिय आदतों के कारण अपनी प्रतिष्ठा नष्ट कर सकती हैं। पुत्रों से अधिक पुत्रियाँ हो सकती हैं। समाज और परिवार में अपनी प्रसिद्धि घटाएंगी। बहुत सम्भव है कि आप एक कवि हैं आप धनी हैं और कलाप्रेमी हैं। स्वनिर्मित महिला आप प्रसिद्ध होंगी और धन लाभ के कई स्त्रोत प्राप्त करेंगी। शुक्र सुख सम्पत्ति वृद्धि भोग और भारी व्यय भी देता है। सम्बन्धों का क्षय होगा। आपकी पापपूर्ण प्रवृत्तियां रहेंगी। आपके मोटी होने की सम्भावना है।

आप किसी संस्थान की अध्यक्षा होंगी।

शनि ग्रह का प्रभाव

शनि के लग्नेश और द्वितीयेश होकर छठे भाव में होने के कारण आप धन लाभ प्राप्त करती हैं लेकिन विरोध सहने के पश्चात्। आप शत्रुहंता हैं। गुप्त रोगों से पीड़ित रह सकती हैं। भूमि संपदा के स्वामी आपका स्वभाव परोपकारी हैं। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने के लिए आप कई चतुराई पूर्ण कृत्य करती हैं। लाभ प्राप्ति में कई बाधाएँ आएँगी। विरोधी प्रबल होकर परेशान करेंगे लेकिन आप अपने साहसी कृत्यों द्वारा उन पर विजय प्राप्त कर लेंगी। आप दीर्घायु होंगी और नाना के परिवार से सुख प्राप्त करेंगी। आप अत्यधिक धनी हैं पर अपने धन के बारे में सचेत रहती हैं। छाती और टांग में पीड़ा हो सकती हैं। खाने की आप शौकीन हैं। आप स्वतन्त्र विचारों की महिला हैं और मातहती आपको पसंद नहीं। कई विदेश यात्राएँ करेंगी।
छठे भाव का शनि ऋणों चोटों और चोरों द्वारा सम्पत्ति क्षय का द्योतक है। सरकार की कृपाभाजन रहेंगी। शनि के कारण गठिया, सीने की कमजोरी, ब्रोंकाईटिस और गले की बीमारियाँ हो सकती हैं। हरी साग-सब्जी की आप प्रेमी हैं। शनि के कारण रहस्यात्मक नीतियों के फलस्वरूप शत्रुओं को आप बस में कर लेंगी। आप अति लोकप्रिय हैं। आप प्रचुर धन सम्पदा अर्जित करेंगी और सम्मानित महिला समझी जाएंगी। आत्म प्रतिष्ठा को आप बहुत महत्व देती हैं। आप स्फूर्तिवान् साहसी, निर्भीक और निडर हैं तथा सीमित आहारी हैं। आप कई पालतु जानवर पालेंगी। चाचा का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। सुदूर देशों की यात्रा करेंगी। सांस और गले के रोगों से आप ग्रसित हो सकती हैं। समुदाय का विरोध झेलेंगी। कई सेवक होंगे तथा सुखी परिवार का आनंद प्राप्त करेंगी। आपकी प्रकृति खर्चीली हैं। सरकार व समाज में सम्मान प्राप्त करेंगी। राजनैतिक क्षेत्रों में भी सम्मान प्राप्त करेंगी और सम्पत्ति में वृद्धि होगी। आप विजयी हैं। आपका स्वभाव दबंग है। वाहनादि का सुख पाएंगी। आप परोपकारी हैं लेकिन थोड़ी झगड़ालू भी। विभिन्न प्रकार के भोजनों आदि की प्रेमी हैं। आपका गर्वीला स्वभाव है और शत्रु आपके नाम से भयभीत रहेंगे। थोड़ा बहुत विरोध मिल सकता है। खूब सांसारिक भोग भोगेंगी और धन व्यय भी करेंगी। आपको उच्च सत्तावान व्यक्तियों का कतई भय नहीं है और उनके विरोध के बावजूद व्यवसाय में प्रगति प्राप्त करेंगी।
शनि मिथुन मेंः आप बेहद चतुर हैं। आप कभी-कभी बुरी संगति में फंसेंगी। कला व साहित्य से आपको प्रेम है। आप विदुषी हैं और पवित्र ग्रन्थों का आपको विशद् ज्ञान है। कभी-कभी आर्थिक समस्याएँ झेल सकती हैं।

राहु ग्रह का प्रभाव

बारहवें गृह में राहु दर्शाता है कि आप अत्यंत प्रणयोन्मादक है और भोग पसंद है। आप अपव्ययी हैं और कुसंगति के कारण सम्मान में आघात अनुभव करेंगी। आप अभियोग में शामिल हो सकती हैं। निरर्थक प्रयास होंगे। आप नेत्र व टांगों के रोग से ग्रस्त हो सकती हैं। आप निजि बीमारियों से ग्रस्त हैं। आपको पारिवारिक कष्ट है। आर्थिक हानि है। आप कई भौतिक सुखों का आनंद लेती हैं। कई विदेश यात्राएँ करती हैं। अपने शरीर में कुछ आभाव अनुभव कर सकती हैं। राहु के कारण परिवार से पृथक्कता होती है। आपके पति की अस्वस्थता हो सकती हैं। संतान की अप्रसन्नता रहेगी। अपने अत्यधिक खर्चों के कारण सम्भवतः धन एकत्रित करने में आप सफल न हों और अपने कार्यों में आपको बाधाएँ और रुकावटें होंगी। आप दुख से ग्रस्त रहेंगी।

केतु ग्रह का प्रभाव

छठे गृह में केतु दर्शाता है कि सम्भवतः आपके हाथ पाँवों में विकलांगता हो और पुरुष वर्ग के साथ झगड़ें हैं। आप किसी परियोजना की प्रमुख हो सकती हैं। आप अच्छे गृह में सभी सुख सुविधाओं के साथ रहती हैं। अपनी बुद्धि और गुप्त कार्यों से आप अपने विरोधियों को परास्त करती हैं। आप अत्यंत साहसी और कार्यसंवेगशील हैं। अपनी बुद्धि के कारण आप उच्च कोटि का सम्मान व आदर प्राप्त करती हैं। आपका जन्म कुलीन परिवार में हुआ है और अपने परिवार का नाम ऊँचा करती हैं। नाना के परिवार के सदस्यों में किसी कमी की सम्भावना है। स्वस्थता और सम्पत्ति की स्वामी हैं। आप दूसरों की परवाह नहीं करती हैं। आपके पति के गृह में कुछ आभाव व दुर्बलता अनुभव करती हैं। आपका उच्च शिक्षित और कुलीन व्यक्तियों के साथ सम्पर्क हैं। आपका व्यक्तित्व शानदार और प्रतिष्ठित हैं। आपके जीवन में सब सुख है। केतु लाभों में वृद्धि, चारों और सफलता, लोकप्रियता, आदर व सम्मान उच्च शिक्षित और सत्ताधिकार और बहुत प्रसन्नता का द्योतक है।

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व

आपके जन्म के समय प्रथम भाव में मकर राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शनि है। शनि लग्नेश होकर छठे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। शारीरिक गठन आपका कद साधारण मध्यम, शरीर पतला, सामान्य बड़ी नाक तथा गर्दन लंबी होने की सम्भावना है। आप सामान्य रूप से आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी हो सकते हैं तथा आपके व्यक्तित्व का प्रभाव दूसरे लोगों पर कम ही रहेगा। आपका व्यक्तित्व धीरे-धीरे प्रभावशाली होने की सम्भावना रहेगी। आपकी प्रकृति कुछ गंभीर हो सकती है। आपका मन अगर किसी कार्य में लग जाए तो आप उस कार्य को दृढ़ता पूर्वक करने का प्रयास करेंगे लेकिन आपमें आत्म-विश्वास की कमी हो सकती है, जिससे आपको सफलता मिलने में संशय बना रहेगा। आपको अपने आत्म विश्वास तथा स्वभाव की ओर ध्यान देना चाहिए, जिससे आप जीवन में उन्नति प्राप्त करेंगे। आप सामान्य रूप से सुखी जीवन यापन करेंगे। जीवन की युवावस्था तक आप का जीवन संघर्षमय रहेगा, उसके पश्चात् धीरे-धीरे आपके सुख में वृद्धि होगी।

धन, परिवार

आपके जन्म के समय द्वितीय भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शनि है। शनि द्वितीयेश होकर छठे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। जीवन की मध्यावस्था के पूर्वार्द्ध तक पारिवारिक तथा आर्थिक स्थिति कुछ कमजोर रहेगी। आपके ऊपर छोटी उम्र से ही पारिवारिक उत्तरदायित्वों का भार पड़ने की सम्भावना रहेगी। कुटुम्बिजनों का आपके लिए कोई विशेष सहयोग नहीं रहेगा। आप परिश्रम के बल पर ही अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर पाएंगे। अपनी आर्थिक तथा पारिवारिक स्थिति में स्थायित्व लाने के लिए कुछ समय तक घर से बाहर रह कर संघर्षमय जीवन यापन करना पड़ सकता है। बाल्यावस्था में या उसके अंत में आपको मुख, जिह्वा, गला, शरीर के किसी दाएँ भाग में तथा दायीं आँख, में रोग हो सकता है। आप चटपटा भोजन तथा जिह्वा से स्वादिष्ट लगने वाले व्यंजनो में विशेष रुचि नहीं लेंगे तथा साधारण दर्जे के भोजन से ही संतुष्ट रहेंगे। आपका दूसरों को अपने समान प्रकृति में ढालने का प्रयास हमेशा रहेगा। आपके साथ ज्यादातर लोग वार्तालाप करने में संकोच करेंगे क्योंकि आपकी बातों में रूखेपन के होने की सम्भावना हो सकती है।

पराक्रम, सहोदर

आपके जन्म के समय तीसरे भाव में मीन राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बृहस्पति है। बृहस्पति

तृतीयेश होकर पहले स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आप सामान्य रूप से ही पराक्रमी, साहसी, तथा उद्यमी होंगे। सामान्य पराक्रमी तथा साहसी होने से आप जीवन में धीरे-धीरे अच्छी स्थिति को प्राप्त कर सकते हैं तथा आपको निरन्तर एक ही लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना ध्यान केन्मित करना चाहिए। अपने लक्ष्य को बीच में ही छोड़ने से आप भटक सकते हैं। लक्ष्य प्राप्ति के लिए आपको अपने जीवन में अधिक परिश्रम तथा संघर्ष करना पड़ेगा। आपमें आत्म विश्वास की कमी हो सकती है, जिससे आप शीघ्र ही कठिन परिस्थितियों से घबरा सकते हैं। और आप में किंकर्तव्यविमूढ जैसी स्थिति हो सकती है लेकिन ऐसे समय में आपको अपने धैर्य तथा साहस को नहीं त्यागना चाहिए। आप अपने छोटे भाई-बहनो की ओर से कोई विशेष आदर, सम्मान, सुख, सहयोग आदि प्राप्त नहीं कर पाएँगे और परस्पर कुछ वैचारिक भिन्नता भी हो सकती है। जीवन में आप भी उनके लिए कोई विशेष सहयोग आदि प्रदान करने का प्रयास कम ही करेंगे। आप हृदय की दृष्टि से कुछ कमजोर हो सकते हैं, फलस्वरूप आपके जल्दी घबरा जाने की सम्भावना है, लेकिन आप यह बात दूसरों को प्रकट नहीं होने देंगे, जो कि आपके लिए हितकर भी रहेगा। आपका कंठ स्वर सामान्य रूप से अच्छा होगा। संगीत कला आदि में आपकी सामान्य रुचि रहेगी। हृदय, गला, दाएँ कान आदि में परेशानी आदि होने की सामान्य सम्भावना है। अतः इस सम्बन्ध में सावधानी अवश्य रखें।

जायदाद, माता, शिक्षा

आपके जन्म के समय चौथे भाव में मेष राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी मंगल है। मंगल चतुर्थेश होकर चौथे स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप जीवन में समृद्धिशाली तथा वैभवयुक्त जीवन यापन करेंगे तथा भरपूर सुख प्राप्त करेंगे। आपके मन में सांसारिक तथा भौतिक सुख - सुविधाओं की वस्तुओं के प्रति लालसा रहेगी एवं इनकी प्राप्ति के लिए आपको जीवन में अधिक संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। आपकी माताजी सुन्दर, तेजस्वी, परिश्रमी, पराक्रमी बुद्धिमति तथा स्पष्ट प्रकृति की महिला हैं तथा अपने पराक्रमी, परिश्रमी तथा सजग व्यक्तित्व से अपने पारिवारिक जनों को प्रभावित करेंगी। परिवार में सभी सदस्य उनकी आज्ञा का पालन करेंगे। आपके प्रति भी उनका जीवन में विशेष स्नेह तथा मार्ग निर्देशन होने रहेगा, जिससे आप जीवन में उन्नति कर सकेंगे। जीवन में आप चल तथा अचल सम्पत्ति के माध्यम से उत्तम लाभ प्राप्त करेंगे। आप चल सम्पत्ति की अपेक्षा अचल सम्पत्ति से अधिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। अचल सम्पत्ति के क्रय-विक्रय के माध्यम से भी लाभ हो सकता है। चौपाए वाहन का उत्तम सुख तथा लाभ होगा। आपके पास एक से अधिक वाहन भी हो सकते हैं। आपका आवास किसी खुले तथा अच्छे स्थान पर रहेगा तथा सभी प्रकार की भौतिक आधुनिक सुख - सुविधाओं से सुसज्जित होगा। आपके पड़ोसिजन बुद्धिमान तथा पराक्रमी होंगे। अध्ययन के क्षेत्र में प्रारम्भ से आपकी रुचि रहेगी तथा

परिश्रम पूर्वक अच्छे अंको से परीक्षा उत्तीर्ण करेंगे एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे। आप व्यवसायिक शिक्षा इंजीनियरिंग आदि में डिप्लोमा प्राप्त कर सकते हैं। आपको अच्छे तथा मददगार मित्र प्राप्त होंगे। मित्रों का व्यवहार, प्रकृति तथा व्यक्तित्व भी प्रभावशाली रहेगा। आप मित्रों के साथ अनेक स्थानों की यात्रा भी कर सकते हैं, जिससे आप लिए जीवन में धन तथा यश की प्राप्ति कर सकेंगे।

बुद्धि, सन्तान

आपके जन्म के समय पंचम भाव में वृष राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र पंचमेश होकर बारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आपकी बुद्धि तथा विद्या सामान्य स्तर की रहेगी। आपको बुद्धि तथा विद्या के बल पर कोई विशेष लाभ नहीं रहेगा। आप अपनी मेहनत के बल पर ही जीवन में उन्नति कर सकते हैं। आपकी स्मरण शक्ति भी कुछ कमजोर हो सकती है। आप अपनी बुद्धि को सही तरीके से इस्तेमाल करने में कठिनाई का अनुभव करेंगे, जिससे आप यदा-कदा गलत निर्णय ले सकते हैं। आप सतत अभ्यास से अपनी विद्या तथा बुद्धि का विस्तार करने में सफल हो सकते हैं। जीवन में आपको संतान पक्ष से कुछ चिन्ता हो सकती है। संतान प्राप्ति में थोड़ा विलम्ब होने की सम्भावना है। आपकी संतान साधारण रूप से बुद्धिमान होंगी तथा सामान्य रूप से उन्नति प्राप्त करेंगी। प्रेम-सम्बन्धों में आपकी सामान्य रुचि रहेगी। आपका प्रेम मनोरंजन तथा वासना के लिए ही अधिक रहेगा, लेकिन आपको मर्यादा का भी ध्यान रखना चाहिए, जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बनी रहे। आपको पूर्वजन्म के पुण्य कर्मों का इस जन्म में आध्यात्मिक तथा भौतिक सुख - ऐश्वर्य प्राप्ति में योगदान नहीं रहेगा।

रोग, शत्रु,

आपके जन्म के समय छठे भाव में मिथुन राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बुध है। बुध षष्ठेश होकर ग्यारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप अपने जीवन काल में किसी बड़ी बीमारी से पीड़ित नहीं रहेंगे और अधिकतर स्वस्थ रहेंगे। यदि आप जीवन काल में संयम रख सकें तो उत्तम स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जीवन में शत्रु पक्ष से हानि होने की कम ही सम्भावनाएँ रहेंगी। आपके शत्रु बहुत कम रहेंगे तथा उनके द्वारा आपको किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी लेकिन गुप्त रूप से आपके शत्रु सक्रिय हो सकते हैं। इसलिए आपको सावधानी पूर्वक अपने कार्यों को सम्पादित करना चाहिए। आपको व्यर्थ के तर्क - वितर्क से बचना चाहिए। आप सेवक वर्ग से लाभ प्राप्त करेंगे और उनसे कोई बड़ी छति या नुकसान होने के अवसर कम ही रहेंगे। सेवक वर्ग के चयन करते समय कुछ सावधानी अवश्य बर्तें। जीवन में आपको मामा-मामियों की ओर से यथासंभव सुख तथा सहयोग मिलेगा। आप

मानसिक रूप से चिन्तित रह सकते हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के लिए तथा भौतिक सुखों को पाने के लिए लालसा रहेगी।

विवाह, दम्पति, साझेदारी

आपके जन्म के समय सातवें भाव में कर्क राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी चंद्र है। चंद्र सप्तमेश होकर बारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आपकी जन्म कुण्डली में चंद्र ग्रह की स्थिति से आपके जीवन-साथी का व्यक्तित्व एवं आकृति प्रकृति सामान्य रूप से आकर्षक होगा। आपके जीवन-साथी का शरीर सामान्य रूप से सुन्दर, मिला जुला रंग एवं कद मध्यम होगा। वे सामान्यतया सौम्य स्वभाव, साधारण क्रियाशील प्रकृति, व्यवहार कुशल तथा धार्मिक हो सकते हैं। आपका विवाह किसी सामान्य परिवार से होगा। उनका सामाजिक तथा राजनैतिक स्तर भी साधारण ही रहेगा। जीवन-साथी के माता-पिता एवं परिवार के लोगों से सामान्य रूप से आपका व्यवहार अच्छा रहेगा तथा आपके जीवन-साथी का आपके माता-पिता एवं पारिवारिक जनों से सामान्य ही मधुर सम्बन्ध रहेंगे। विवाह के पश्चात् आपका दामपत्य जीवन सामान्य रूप से अच्छा रहेगा। यदा-कदा आपके जीवन-साथी के साथ सामान्य रूप से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। व्यापार में तथा किसी महत्वपूर्ण कार्य में साझेदारी के लिए स्थिति कम अनुकूल रहेगी, जिससे आपको साझेदारी के द्वारा कोई विशेष लाभ होने की सम्भावना कम ही है।

आयु, दुर्घटना

आपके जन्म के समय आठवें भाव में सिंह राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी सूर्य है। सूर्य आठवें स्थान का स्वामी होकर दसवें स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। वैसे तो आपकी आयु एवं आरोग्यता सामान्यतया अच्छी रहेगी, फिर भी आप इसके सम्बन्ध में कुछ चिन्तित रह सकते हैं। किसी भी तरह के रोग आदि के लक्षण दिखाई देने पर आपको तुरन्त जाँच करवानी चाहिए, जिससे किसी प्रकार की बीमारी आपके शरीर में घर न कर सके। संयमित जीवन जीना आपके लिए हितकारी रहेगा। इसमें संदेह नहीं कि आप दीर्घजीवि होंगे। जीवन काल में आकस्मिक दुर्घटना आदि होने के अवसर कम हैं, लेकिन आपको इस तरह की दुर्घटनाओं के प्रति सजग अवश्य रहना चाहिए। विपरीत समय में अपने धैर्य को बनाए रखना चाहिए। जीवन में चोरी, डकैती आदि आकस्मिक घटनाओं के प्रति भी आपको सावधानी अवश्य रखनी चाहिए। आपके लिए बीमा आदि करवाना लाभप्रद रहेगा। आप अपना तथा अपनी महत्वपूर्ण वस्तुओं का बीमा करवा सकते हैं। जीवन में आपको आकस्मिक लाभ होने की विशेष सम्भावना नहीं रहेगी।

सौभाग्य, आध्यात्मिकता, प्रसिद्धि, यात्राएँ

आपके जन्म के समय नवम् भाव में कन्या राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बुध है। बुध नवमेश होकर ग्यारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आप सामान्य रूप से सौभाग्यशाली है तथा परिश्रम पूर्वक अपने जीवन स्तर को उँचा उठाने में सफल होंगे। जीवन में आपको परिश्रम का उचित फल सामान्य रूप से ही प्राप्त होगा। जीवन में आपके सौभाग्य में धीरे-धीरे वृद्धि होने के योग बनते है। व्यवसाय तथा आर्थिक मामलों में आपका भाग्य सामान्य रूप से साथ देगा जिससे आपके वैभव में वृद्धि होने की सम्भावना रहेगी। जीवन की 32 से 36 वर्ष तक की अवधि आपके लिए भाग्योदय कारक हो सकती है। इस समय में आपको अपने महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। जीवन में आप अपने धर्म-सम्प्रदाय के प्रति निष्ठावान रहेंगे तथा धार्मिक कृत्यों के प्रति भी आपकी रुचि रहेगी। जीवन में पूजा, जप, पाठ, ध्यान आदि को करने में आपकी रुचि रहेगी तथा आप समय-समय पर अपने घर में धार्मिक कृत्यों का आयोजन आदि भी करवाऐंगे, जिससे आपको यश, धन तथा भगवत कृपा की प्राप्ति होगी। जीवन में आप प्रसिद्धि और मान-सम्मान सामान्य रूप से प्राप्त करेंगे। व्यवसाय, शिक्षा आदि के क्षेत्र में भी आपको प्रसिद्धि प्राप्त होने की सम्भावना रहेगी। लंबी दूरी की यात्राओं से आपको जीवन में सामान्यतया लाभ प्राप्त हो सकता है। व्यवसाय के सम्बन्ध में आपकी यात्राएँ लाभप्रद रहेगी।

व्यवसाय, सामाजिक स्तर, आजीविका

आपके जन्म के समय दशम् भाव में तुला राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र दशमेश होकर बारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आपकी जन्म कुण्डली में जलतत्व प्रधान ग्रह शुक्र की स्थिति से आपका कार्य क्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान रहेगा। कार्य क्षेत्र में सामान्यतया परिवर्तन करते रहने की प्रवृति से आपको उन्नति तथा लाभ होने की सम्भावना रहेगी। आजीविका के क्षेत्र में आपके लिए कला, संगीत, सिनेमा, नाटक, दूरदर्शन विभाग, इलैक्ट्रोनिक्स विभाग, न्याय, वैद्य, डाक्टर, स्टैनोग्राफर तथा विदेशी कम्पनी आदि में कार्य करना अनुकूल रहेगा। अतः आपको इन विभागों तथा कार्य क्षेत्रों में अपनी आजीविका का चयन करना चाहिए। व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए चाँदी, सोना, हीरा, मोती आदि रत्न एवं धातु के कार्य, चतुष्पद वाहन आदि का क्रय-विक्रय, सौंदर्य तथा अलंकरण आदि की वस्तुओं से सम्बन्धित कार्य, सफेद रंग के वस्त्र आदि का व्यापार, आयात-निर्यात आदि कार्यों को व्यवसाय के रूप में अपनाने से लाभ होगा। जीवन में आपको सामान्य रूप से मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा आदि प्राप्त होगी। सामाजिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं में पदाधिकारी या सदस्य के रूप में

चयनित होंगे, जिससे आपकी सामाजिक स्तर में वृद्धि हो सकेगी। आपके पिता सामान्य रूप से सुन्दर एवं आकर्षक व्यक्तित्व के होंगे। सामान्यतया वे बुद्धिमान, शिक्षित तथा मनोरंजक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे। आपके प्रति उनका स्नेह, ममता, सहयोग सामान्य ही रहेगा। आपकी पढ़ाई तथा उन्नति के लिए उनका यथासंभव प्रयास तथा सहयोग रहेगा। आपके उनके साथ सामान्यतया अच्छे सम्बन्ध रहेंगे।

लाभ, आकांक्षाएँ, आय

आपके जन्म के समय ग्यारहवें भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी मंगल है। मंगल ग्यारहवें स्थान का स्वामी होकर चौथे स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप अपने जीवन में अच्छे धन ऐश्वर्य लाभ को प्राप्त करेंगे एवं आपके आय स्रोत क विस्तृत तथा सदृढ रहेंगे। आप कई प्रकार के कार्यों से लाभ प्राप्त कर सकते हैं तथा अपनी आय में वृद्धि करने के लिए अधिक संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं होगी। अपने जीवन में भौतिक सुख - सुविधाओं से उत्तम सुख प्राप्त करने की सम्भावना है। आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं तथा जीवन में कई सारी आकांक्षाएँ हो सकती हैं जैसे उत्तम सम्पत्ति, भूमि, मकान, वाहन आदि की प्राप्ति। आप अच्छे पराक्रम तथा परिश्रम के माध्यम से इनको प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। जीवन में आप मित्रों व सहयोगियों के माध्यम से महत्वपूर्ण कार्यों को करने में सफल होंगे। आपके बड़े भाई, बहन आकर्षक व्यक्तित्व के धनी तथा पराक्रमी होंगे। आपको अपने बड़े भाईयों तथा बहनों की ओर से जीवन में हर सम्भव सहयोग तथा स्नेह प्राप्त होगा।

व्यय, आवास परिवर्तन

आपके जन्म के समय बारहवें भाव में धनु राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बृहस्पति है। बृहस्पति बारहवें स्थान का स्वामी होकर पहले स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आप जीवन में अपने धन को अच्छे कार्यों में खर्च करने का प्रयास करेंगे। आप यदा-कदा धार्मिक कार्यों को करने में रुचि लेंगे तथा उन पर अपनी ओर से कुछ धन खर्च भी करेंगे। जीवन में धार्मिक तथा मांगलिक कार्यों में कुछ विघ्न-बाधाएँ भी आ सकती हैं। जीवन में यदा-कदा अचानक धन खर्च हो सकता है। अतः आपको बुद्धिमानी पूर्वक योजनाबद्ध तरीके से धन का व्यय करना चाहिए, जिससे आप अनावश्यक व्यय होने से बच सकते हैं। आपको जीवन में हर कार्य को करने में विशेष रूप से सावधानी रखनी चाहिए, जिससे किसी प्रकार की हानि तथा बन्धन में पड़ने से बचें रहेंगे। जीवन में आप किसी से कर्ज के रूप में धन ले सकते हैं परंतु इस तरह के लेन देन करते समय विचार पूर्वक सोच-समझ कर ही निर्णय लें। आपके जीवन में आवास परिवर्तन के अवसर आएँगे। आवास परिवर्तन के समय सोच-समझ कर कोई निर्णय लें

तत्पश्चात ही परिवर्तन करें,। इस जीवन में आपके मन में मुक्ति के प्रति लालसा कम रहेगी। आप इसके लिए साधना, ध्यान जप, इत्यादि को करने में कम रुचि लेंगे पर इस तरह की ज्ञान चर्चा में कुछ रुचि हो सकती है। अपनी ओर से आप लोगों के समक्ष ज्ञान की बातों का बखान तो करेंगे लेकिन लोगों पर उसका कम ही प्रभाव होगा। आपके बाएं नेत्र में कुछ परेशानी या रोग होने की सम्भावना हो सकती है।

28/07/2018 - 15/08/2019 में आप
राहु की महादशा और मंगल की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

आपके लिए यह अवधि काफी हलचल भरी होगी। आपको अपने व्यापार / व्यवसाय में समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। लेकिन स्थिति के सही मूल्यांकन से समस्याओं का सामना करने और व्यवसाय को ठीक ढंग से चलाने में मदद मिलेगी। उतावलापन छोड़े क्योंकि इसकी वजह से आप अपना वर्तमान व्यवसाय या शाखा को किसी अन्य क्षेत्र में ले जाना चाहती हैं जबकि समय इसके लिए उपयुक्त नहीं है। यदि आप नौकरी में हैं तो आपको सलाह दी जाती है। कि आप अपने रोज-मर्रा के काम पूरा करें, भले ही वह कितना भी नीरस क्यों न हो। क्योंकि यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं चलेगी और आपको अपना काम समय से पूरा करने के लिए अधिक सक्रिय होना पड़ेगा। इस समय अपनी नौकरी में परिवर्तन न करें, क्योंकि यह आपके लिए अच्छा नहीं होगा। यदि आप छात्र हैं तो परीक्षा की तैयारी कर रही हैं तो अपना प्रयत्न जारी रखें ताकि आपको सफलता मिले। आपका पारिवारिक जीवन शांति और सद्भावपूर्ण होगा। अधिक काम करने से आपके स्वास्थ्य के लिए कुछ समस्या खड़ी हो सकती है।

15/08/2019 - 02/10/2021 में आप
गुरु की महादशा और गुरु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि में आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप भावावेश और जल्दबाजी में फैसले लेने की आदी होंगी जिससे आपकी प्रगति में बाधा आएगी। आपके क्रिया-कलापों में विश्वास का आभाव झलकता है। आप झूठे आरोपों की भी शिकार हो सकती हैं। यदि आप कहीं काम करती हैं तो काम की स्थिति में गिरावट आएगी। आप में एक अदभुत बात यह विकसित होगी कि आप दूसरों की लाभदायक सलाह पर ध्यान ही नहीं देंगी। आपके मित्र और शुभचिंतक आपको धोखा देने की कोशिश करेंगे और आपके विरोधी नुकसान पहुँचाएंगे। आपको सलाह दी जाती है कि आप सावधान रहे और विभिन्न क्षेत्रों से उत्पन्न खतरें का अपनी बुद्धि से मुकाबला करें। परिवार के मामलें में अधिक ध्यान देने की जरूरत है। आपको अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि वह हमेशा ठीक नहीं रहता। बृहस्पतिवार को उपवास रखें और संकट को कम करने के लिए टोपाज धारण करें।

02/10/2021 - 15/04/2024 में आप
गुरु की महादशा और शनि की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

यह आपके लिए बहुत अच्छा समय नहीं है। आपके प्रयासों में बाधा आएगी या आपको असफलता मिलेगी व्यापार / व्यवसाय में आपको संतोषजनक परिणाम नहीं मिलेंगे। वित्तीय संकट के कारण आपकी निराशा और बढ़ेगी। आपके साझीदारों और सहयोगियों का व्यवहार प्रशंसनीय नहीं होगा और ऐसी स्थिति भी आ सकती है कि उनसे सम्बन्ध टूट जाए यदि आप उद्योग या निर्माण में व्यवसाय से जुड़ी हैं तो अचानक समस्याएँ खड़ी हो सकती हैं। यदि आप कहीं नौकरी कर रही हैं तो वरिष्ठ आपको परेशान करेंगे। इसका परिणाम यह होगा कि आप अपने काम में दिलचस्पी नहीं लेंगी और वरिष्ठों को आपको प्रताड़ित करने का मौका मिलेगा। आपसे ऐसा काम करने को कहा जाएगा जिसे करना आप पसंद नहीं करती हैं। यदि आप छात्र हैं तो आप अपने अध्ययन में समुचित ध्यान नहीं देंगी। आपका परीक्षा परिणाम निराशा जनक होगा। आपको सलाह दी जाती है कि आप अधिक लगन से काम करें। परिवार के सदस्यों का व्यवहार आपके प्रति सौहार्दपूर्ण नहीं होगा। रिश्तेदारों के साथ भी ताल-मेल नहीं बैठेगा।

15/04/2024 - 21/07/2026 में आप
गुरु की महादशा और बुध की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि के दौरान आपको मिले-जुले परिणाम मिलेंगे। कभी-कभी आप धोखे में रहेंगी और गलत फैसले लेंगी। आप गलत आरोपों या यौन अपराध के अपयश की भोगी होंगी। व्यापार / व्यवसाय में अच्छी प्रगति करेंगी और प्रर्याप्त धन कमाएंगी। लेकिन इस बात की आशंका है कि सफलता आपके हाथ से खिसक जाएगी और इसकी वजह से आप अपने सहयोगियों और आस-पास के लोगों के साथ दुर्व्यवहार करेंगी। इससे आप अलोकप्रिय होंगी और आपकी प्रतिष्ठा कम होने लगेगी। कार्यालय में आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों तथा मालिकों के साथ सम्बन्ध ठीक नहीं रहेगा। आपके मुअत्तल होने या किसी दूर-दराज के क्षेत्र में स्थानांतरित किए जाने की सम्भावना है। यदि आप छात्र हैं तो आपको अध्ययन में गंभीर होने की सलाह दी जाती है। वास्तविकता यह है कि आप अन्य कामों में दिलचस्पी लेती हैं और पढ़ाई पर ध्यान नहीं देती हैं। घरेलु मोर्चे पर आपके लिए अच्छा माहौल रहेगा और इस अवधि में कोई विवाह या बच्चें का जन्म होने की सम्भावना है।

21/07/2026 - 27/06/2027 में आप
गुरु की महादशा और केतु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि के दौरान आप ऊन उत्पादक कामों में उलझेंगी और जल्द से जल्द धन कमाने के पीछे भागती रहेंगी। यदि आप व्यापारी / व्यवसायी हैं तो आपकी काल्पनिक योजना आपको गलत राह पर ले जाएगी

और आपको आर्थिक हानि भी उठनी पड़ेगी। साझीदारों / सहयोगियों के साथ आपका सम्बन्ध दुश्मनी का होगा और ऐसी भी नौबत आ सकती है कि उनसे सम्बन्ध समाप्त हो जाएगा। आर्थिक रूप से आप काफी संकट में रहेंगी और ऋण देने वाले आपकी परेशानी और बढ़ाऐंगे। यदि आप कही नौकरी करती हैं तो आपको अपने अधिकारी के साथ सम्बन्ध ठीक नहीं होगा। ऐसी भी नौबत आ सकती है कि आपको नौकरी छोड़नी पड़े। यदि आप छात्र हैं तो आपको परिश्रम करना पड़ेगा वरना परीक्षा परिणाम से आपको निराशा हाथ लगेगी। आपकी याददाश्त पर भी असर पड़ सकता है। घरेलु मोर्चे पर माता-पिता के स्वास्थ्य पर असर पड़ने की सम्भावना है जो आप सबकी चिन्ता का कारण बन सकता है।

27/06/2027 - 25/02/2030 में आप
गुरु की महादशा और शुक्र की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि में आपके लिए मिले-जुले परिणाम होंगे। पहले चरण में आप बहुत अच्छा काम करेंगी और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगी लेकिन दूसरे चरण में आपको काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। यदि आप व्यापारी हैं तो आप अपने वर्तमान व्यवसाय में अच्छी प्रगति करेंगी। लेकिन जब आप अपने व्यवसाय / व्यापार में विस्तार या उसमें परिवर्तन की सोचेंगी तो आप उसमें नुकसान उठाएंगी। आप कोई जल्दबाजी में फैसला न लें वरना आप कठिन संकट में पड़ जाएंगी। यदि आप स्थानीय राजनीति में न उलझे तो आपके रोजगार का मामला अच्छे ढ़ंग से निपटाया जा सकेगा। आप संकट में तभी पड़ेंगी जब अपने आप पर नियंत्रण खो बैठेंगी। यदि आप छात्र हैं तो आपकी दिलचस्पी पढ़ाई में नहीं होगी। आपका विपरीत लिंग से सम्बन्ध होगा और प्यार के चक्कर में उलझेंगी। इससे आपकी बदनामी होगी। जहाँ तक पारिवारिक सम्बन्ध हैं। उसमें आप अन्यों के साथ सुखी होंगी। लेकिन परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर आपको चिंता होगी।

आपके जन्म के समय चंद्रमा पूर्व आषाढ़ नक्षत्र के चतुर्थ चरण में विचरण कर रहा था। इस कारण आपको जन्म के समय पूर्व आषाढ़ नक्षत्र का चतुर्थ चरण प्राप्त हुआ। इस नक्षत्र में जन्म लेने के फलस्वरूप आपकी जन्म राशि धनु है। इस राशि का स्वामी बृहस्पति है। शास्त्रों के अनुसार इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले जातक के नाम का प्रारंभिक अक्षर "ढ होना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न ग्रंथों में पूर्व आषाढ़ नक्षत्र की व्याख्या विभिन्न ढंगों से की गई है। उदाहरण स्वरूप जातक पारिजात नामक ग्रंथ में पूर्व आषाढ़ नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित श्लोक द्वारा की गई है।
पूर्वाषाढभवो विकारचरितो मानी सुखी शान्तधीः।।

अर्थात पूर्व आषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक सच्चा मित्र, मान, सम्मान, ज्ञानी तथा पूर्व आषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ बृहज्जातकम में पूर्व आषाढ़ नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित श्लोक द्वारा की गई है।
इष्टानन्दकलत्रो मानी दृढसौहृदश्च जलदैवे।

अर्थात पूर्व आषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक आनंद तथा सुख प्रदान करने वाली स्त्री वाला होता है। इसके अतिरिक्त वह मान सम्मान से युक्त तथा स्थिर मित्र तथा स्थिर संपति वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातक दीपिका में पूर्व आषाढ़ नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित श्लोक द्वारा की गई है।
दृष्टमात्रोपकारी च भाग्यवांश्च जनप्रियः।
पूर्वाषाढसमुत्पन्नौ सर्वार्धेषु विचक्षणः।

अर्थात पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक दृष्टिमात्र ही उपकारी होता है। वह भाग्यवान्, लोकप्रिय तथा सभी उपयोगी कार्यों में विचक्षण होता है।

ज्योतिष शास्त्र के ही एक अन्य ग्रंथ जातका भरणम में पूर्व आषाढ़ नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित श्लोक द्वारा की गई है।

भूयो भूयस्तोयपानानुरक्तो भोक्ता चश्चद्वाग्रवलासः सुशीलः।
नूनं सम्पज्जायते तस्य गाढा पूर्वाषाढा जन्मभ यस्य पुंसः।।

अर्थात पूर्व आषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक बार बार पानी पीने की इच्छा रखने वाला, भोगी, मृदु व प्रिय बोलने वाला, सुशील प्रकृति वाला तथा अधिक संपति वाला होता है।

संक्षेप में पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक, अभिमानी, तथा अच्छे मित्रों से युक्त होता है। ऐसे जातक की स्त्री बहुत आनंद प्रदान करने वाली होती है। ऐसे जातक का चरित्र सर्वदा सुन्दर रहता है। वह सुखी, शांत, बुद्धिमान, सर्व - प्रिय परंतु शत्रुओं के लिए भयदायक होता है। वह परोपकारी भी होता है। वह सत्य में विश्वास करता है। तथा सब प्रकार के कार्यों में चतुर होता है। वह भाग्यवान् होता है। तथा ख्याति भी प्राप्त करता है।

आपकी जन्म राशि धनु है। ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न ग्रंथों में धनु राशि की व्याख्या विभिन्न ढंगों से की गई है। जो कि इस प्रकार है।

ज्योतिष शास्त्र के प्रसिद्ध ग्रंथ जातक पारिजात में मतानुसारः
सौम्या□ा रुचिरेक्षणः कुलवरः शिल्पी धनुःस्थे विधौ।

अर्थात धनु राशि में जन्म लेने वाला जातक सुन्दर, सुशील, सुन्दर नेत्र वाला, अपने कुल में श्रेष्ठ तथा शिल्प शास्त्र में निपुण होता है।

मानसागरी नामक ग्रंथ के मतानुसारः
शूरः सत्यधिया युक्तः सात्विको जननंदन।
शिल्पविज्ञानसंपन्नो धनाढयो दिव्यभार्यकः।।
मानी चरित्रसंपन्नो ललिताक्षरभाषकः।
तेजस्वी स्थूलदेहश्च धनुर्जातः कुलान्तकः।।

जिस जातक का जन्म धनु राशि में हो वह जातक शूर, सद्बुद्धि वाला, सात्विक, लोकप्रिय, शिल्प विद्या में निपुण, धनी, सुन्दर स्त्री का पति, मानी, चरित्रवान, मृदु व प्रिय भाषी, तेजस्वी एवं स्थूल शरीर वाला होता है।

सारावली नामक ग्रंथ के मतानुसारः
कुब्जाी वृतनेत्रः पृथुहृदयकटिः पीनबाहुः प्रवक्ता
दीर्घांसो दीर्घकण्ठो जलतटवसतिः शिल्पविदगूढगुः।
शूरो दृष्टोऽस्थिसारो विततबहुबलः स्थूलकण्ठोष्ठघोणो
बन्धुस्नेही कृतज्ञो धनुष शाशिधरे संहताङघि प्रगल्भः

अर्थात धनु राशि में जन्म लेने वाला जातक कुबड़ा, गोल नेत्रों वाला, मोटी छाती व कमर व हाथ वाला, सुन्दर वचन बोलने वाला, लंबे कंधे व गले वाला, जल के किनारे निवास करने वाला, चित्रकारी का ज्ञान रखने वाला, गूढ़ गुहम्धारी, वीर, प्रसन्न, मजबूत हड्डियों वाला, बलवान, मोटे गले, होठ व नाक वाला, बंधु प्रेमी, कृतज्ञ, एवं मिले हुए पैर वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ ज्योतिशत्तवम के मतानुसारः
दुष्टः शूरः संहतांघिः प्रगल्भो बनधुस्नेही स्थूलकण्ठोष्ठघोणः
वक्ता शिल्पी पीनबाहुः कृतज्ञो दीर्घांसः स्याद दीर्घकण्ठोऽस्थिसारः
प्रजातको वृतविलोचनः पृथुचेतः कटिविंस्तृतभूरिवीर्य्यवान।
ना गूढगु वसतिस्तटेम्बूनो निशाकरे धन्वनि कुब्जविग्रहः

अर्थात जिस जातक के जन्म के समय धनु राशि में चंद्रमा हो वह जातक दुष्ट, शूरवीर मिले हुए पैरों वाला, सुंदर वचन बोलने वाला, शिल्पविद्यावाला, कृतज्ञ, दीर्घ कंठ वाला, वृताकार नेत्र वाला, विशाल हृदय वाला, बलवान, जल के किनारे वास करने वाला तथा कुब्ज शरीर वाला होता है।

एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ फलदीपिका के मतानुसारः
दीर्धास्यकण्ठः पृथुकर्णानासः कर्मोद्यतः कुब्जतनुनृपेष्टः।
प्रागल्भ्यवाक्त्यागयुतोऽरिहन्ता,साम्नै कसाध्योऽशिव भवो बलाढयः।।

अर्थात धनु राशि में जन्म लेने वाले जातक के कान, नाक, चेहरा व गला बड़े होते हैं। ऐसे व्यक्ति किसी न किसी कार्य में व्यस्त रहते हैं। वे त्यागी स्वभाव के होते हैं। इनका कद बहुत ऊँचा नहीं होता। ये झुक कर चलते है। ये शत्रुओं पर सदा विजयी होते हैं। यह राजप्रिय होते हैं। तथा उन्हे केवल समझा कर ही अपने वश में किया जा सकता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातका-भरणम के मतानुसारः
बहुकलाकुशलः प्रबलो महाविमलताकलितः सरलोभक्तिभाक।
शशधरे तु धनुर्धरगे नरो धनकरो न करोति बहुव्ययम।।

अर्थात धनु राशि में जन्म लेने वाला जातक नाना प्रकार की कलाओं में कुशल, बलवान, निर्मल चरित्र वाला, स्पष्ट वचन बोलने वाला, धनी तथा कम व्यय करने वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातक दीपिका के मतानुसारः
धनुरिव गुणयुक्तः कीर्तिवाक पूजनीयः।
कुलपतिरुपचेता बन्धुवर्गैक पात्रः।
बहुजनधनयुक्तो देवविप्रष सेवीः।
मृदुगातिरसहिष्णुः कार्मुको यस्य राशिः।

अर्थात धनु राशि में जन्म लेने वाला जातक धनुष की तरह के गुण से युक्त प्रशंसनीय, पूजनीय, कुलपति, उपवास रखने वाला, अत्यधिक धनी, जनमान्य, देव, ब्राह्मण एवं ऋषियों की सेवा करें, परंतु असहिष्णु होता है।

संक्षेप में धनु राशि में जन्में जातक विद्वान, धार्मिक, राजसम्मानित, जन-प्रिय, देव भक्त, सभाओं में व्याख्यान देने वाला, श्रेष्ठ, पवित्र, कविता पाठ में कुशल, कुल दीपक, दानी प्रवृत्ति वाला, भाग्यशाली, सच्चा मित्र, निष्कपट, विनीत, दयावान, स्पष्ट वक्ता, क्लेश सहने वाला, शांत स्वभाव वाला, तपस्वी, कम भोजन करने वाला, बलवान, निर्मल बुद्धि वाला, कोमल भाषा बोलने वाला, मितव्ययी, धनी, कार्य तत्पर, प्रीति से वश में आने वाला, फुर्तीला व भविष्य वक्ता होता है। वह बल से किसी के वश में नहीं आता है। ऐसे जातक के गीता, मुख और कान, होठ, नाक व दाँत मोटे होते हैं। उनके शरीर में तिल आदि के चिह्न होते हैं। ऐसे जातक के संतान कम होती है। तथा कई प्रकार के व्यवसाय करने वाला होता है।

इन जातकों के लिए श्रावण मास, तृतीया, अष्टमी, त्रयोदशी, तिथियाँ तथा भरणी नक्षत्र, वस्त्रयोग, तैतिलकरण, शुक्रवार, प्रथम प्रहर तथा मीन राशि का चंद्रमा अशुभ फलदायक होता है।

ऐसे जातक को अपने इष्ट हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए। सोना, पुखराज, पीले वस्त्र, पीला चंदन, चने

की दाल, हल्दी आदि पदार्थों का दान करना चाहिए। मंगलवार को वृत भी रख सकते हैं। ऐसा करने से मानसिक शांति की वृद्धि तथा अशुभ फलों में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अशुभ फलों में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अशुभ फलों का प्रभाव कम करने के लिए बृहस्पति के तंत्रीय सिद्ध होता है। मंत्र इस प्रकार है।

ऊं ऐं क्लीं बृहस्पतये नमः।

शनि की साढ़ेसती

जन्म कुण्डली में जन्म राशि से बारहवीं राशि में गोचरस्थ शनि का प्रवेश साढ़े साती का आरंभ कहलाता है। साढ़े साती के तीन चरण है। गोचरस्थ शनि का जन्म राशि से बारहवीं राशि में प्रवेश पहला चरण, जन्म राशि में प्रवेश दूसरा चरण तथा जन्म राशि से द्वितीय राशि में प्रवेश तीसरा चरण होता है। चूंकि गोचरस्थ शनि प्रत्येक राशि में ढाई वर्ष तक रहता है। इसलिए इसे साढ़े साती कहते हैं। साढ़े सात वर्ष कभी भी केवल अशुभ ही नहीं होते शनि जिस राशि में हो उसके अधिपति की शनि से मित्रता, शत्रुता अथवा समता पर शनि की शुभता अथवा अशुभता निर्भर करती है। जन्म कुण्डली में शनि जिस भाव का अधिपति होगा शनि की शुभता अथवा अशुभता उसी के अनुरूप होगी।

शनि-साढ़ेसती की तिथि तालिका

पहला चक्र
पहला चरण 22/12/1984 - 17/12/1987
दूसरा चरण 17/12/1987 - 21/03/1990
तीसरा चरण 21/03/1990 - 06/03/1993

दूसरा चक्र
पहला चरण 03/11/2014 - 27/01/2017
दूसरा चरण 27/01/2017 - 25/01/2020
तीसरा चरण 25/01/2020 - 30/04/2022

तीसरा चक्र
पहला चरण 12/12/2043 - 08/12/2046
दूसरा चरण 08/12/2046 - 07/03/2049
तीसरा चरण 07/03/2049 - 25/02/2052

गोचरस्थ शनि का वृश्चिक राशि में प्रवेश करते ही धनु राशि वालों के लिए साढ़े साती का प्रथम चरण आरंभ हो जाता है। प्रथम चरण में शनि अपने शत्रु ग्रह मंगल की राशि वृश्चिक में है। इसमें शनि द्वितीय व तृतीय भाव का अधिपति बन कर द्वादश भाव में स्थित है। इस स्थिति में जातक को सब प्रकार से निकृष्ट फलों की प्राप्ति होती है। जातक को शारीरिक व मानसिक कष्ट का सामना करना पड़ता है। जातक को बने बनाए काम बिगड़ते महसूस होते हैं। इस काल में जातक को चोट इत्यादि से सावधान रहना चाहिए

क्योंकि मोटर-दुर्धटना या गिरकर चोट लगने की सम्भावनाएं बढ़ जाती है। जातक के स्वभाव में क्रूरता, क्रोध, झुझलाहट इत्यादि घर करने लगती है। घर की ओर से परेशानी बढ़ने लगती है। घर का वातावरण कलह पूर्ण हो जाता है। परिवार में अनबन रहने से परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। ऐसे समय में जातक यदि शिक्षा प्राप्त कर रहा हो तो उसकी शिक्षा सम्बन्धी गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। शिक्षा में बाधा पड़ने की सम्भावना रहती है। जातक का सम्बन्ध अवांछित लोगों से बढ़ सकता है। जो अन्ततः परिवार में परेशानी का कारण बनता है। जातक कई प्रकार की विपत्तियों में फंस सकता है। आर्थिक स्थिति में गिरावट आनी शुरु हो जाती है। संचित धन भी नष्ट होने लगता है। जातक व्यापार अथवा नौकरी, जहाँ भी कार्यरत हो अपने कार्य क्षेत्र में परिवर्तन का अनुभव करने लगता है। परंतु लाभ में यह परिवर्तन नहीं होता। ऐसे समय में कई बार जातक का निवास स्थान भी बदल सकता है अथवा विदेश तक जाने की परिस्थिति आ सकती है। ऐसे में जातक विदेश जाकर धन कमाने में सफल भी रहता है। इस समय जातक पापकर्मी व नास्तिक हो जाता है। धर्म में रुचि नहीं रहती। जातक को भले बुरे का ज्ञान नहीं रहता तथा पाप-पुण्य सद्कर्म-दुष्कर्म तथा यश-अपयश इत्यादि का भी फर्क महसूस नहीं होता है। जातक का निम्न वर्ग के लोगों से तथा बुरी आदतों जैसे शराब, जुआ इत्यादि कार्यों में रुचि बढ़ने लगती है। इस समय लड़ाई-झगड़ों की सम्भावना भी अधिक रहती है। नजदीकी रिश्तेदारों से अनबन तथा छोटे भाइयों से विरोध की स्थिति बन जाती है। इसका कारण जातक का जिद्दी स्वभाव व झगडालूपन भी होता है। परिवार में भी कलह का वातावरण बना रहता है। ऐसी स्थिति के लिए प्रायः जातक स्वयं ही जिम्मेदार होता है। ऐसे समय में जातक को मित्र वर्ग से सावधान रहना चाहिए। इस समय वे जातक से धोखा भी कर सकते हैं। पिता से सम्बन्ध बिगड़ सकते हैं। माता को भी कष्ट रहता है। जातक राजकोप से भी पीड़ित रहता है। यह स्थिति ढाई वर्ष तक रहती है।

गोचरस्थ शनि का धनु राशि में प्रवेश करते ही धनु राशि वालों के लिए साढ़े साती का द्वितीय चरण आरंभ हो जाता है। द्वितीय चरण में शनि अपने सम ग्रह बृहस्पति की राशि धनु में है। इसमें शनि द्वितीय व तृतीय भाव का अधिपति बनकर लगन में स्थित है। लगन में स्थित शनि अस्वस्थता तथा नाना प्रकार की चिंताएँ पैदा करता है। इस समय जातक प्रायः रोग से पीड़ित रहता है। जातक का मन भी दुखी रहता है। आर्थिक स्थिति में भी कोई सुधार नहीं होता। जातक में आलस्य की अधिकता रहती है। जातक की स्त्री भी रोग से पीड़ित रहती है। बीते ढाई वर्ष में जातक के पीड़ित रहने से उसे अपना भविष्य अंधकारमय लगता है। वर्तमान में भी जातक को कोई आशा की किरण नजर नहीं आ रही होती है। जातक पारिवारिक कलह से तो पीड़ित रहता ही है। जातक का मन किसी भी कार्य में नहीं लगता है। उसका ध्यान केवल धन कमाने की ओर अधिक रहता है। इसके लिए चाहे उसे कोई भी तरीका क्यों न अपनाना पड़े। उस समय में रोग के कारण जातक के शरीर में दुर्बलता आने लगती है, बुद्धि भ्रष्ट होने लगती है तथा वह दुराचारी सा बनने लगता है।

भले कार्य में जातक का ध्यान नहीं लगता। धन कमाने की इच्छाएँ प्रबल होती रहती है। परंतु सफलता अधिक नहीं मिल पाती है। ऐसे समय में जातक को कार्य क्षेत्र में केवल सफलता मिलती है। नौकरी लग सकती है परंतु नौकरी में उन्नति नहीं मिलती। स्थानांतरण की सम्भावना भी लगी रहती है।

गोचरस्थ शनि का मकर राशि में प्रवेश करते ही धनु राशि वालों के लिए साढ़े साती का तृतीय व अंतिम चरण आरंभ हो जाता है। तृतीय चरण में शनि अपनी ही राशि मकर में है। इसमें शनि द्वितीय व तृतीय भाव का अधिपति बन कर अपनी ही राशि में स्थित है। इस स्थिति में शनि अपनी राशि मकर में होने के कारण उसकी अशुभता कम हो जाती है। इस स्थिति में जातक को अपने भाइयों से लाभ हो सकता है। सगे - सम्बन्धियों व पड़ोसियों से जातक का व्यवहार मधुर रहेगा। पहले की अपेक्षा जातक अब दयालु, परोपकारी, जन-हितैषी, सत्य-प्रिय, आतिथ्य प्रिय तथा धार्मिक हो जाता है। जातक को मान सम्मान तथा यश की प्राप्ति होती है। परंतु इतना सब होने पर भी जातक की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होता है। बचें हुए संचित धन को ध्यान से रखना चाहिए अन्यथा यह भी खत्म हो सकता है। परिवार में विरोध बढ़ जाता है। घर की शांति भंग हो सकती है। मातृ सुख में भी कमी आती है। दैनिक जीवन में भी परेशानियाँ घेरने लगती है। परंतु कुछ समय बीतने के पश्चात् जातक कुछ आराम महसूस करने लगता है तथा धन कमाना शुरु कर देता है। ऐसे समय में स्पोर्ट, विद्युत सामग्री, लोहा, तेल, कोयला, रंगाई-छपाई कारखाना, दवा इत्यादि का व्यापार सफलता पूर्वक किया जा सकता है। यदि इस समय कोशिश की जाए तथा दशा भी लाभदायक हो तो विदेश यात्रा की भी सम्भावना हो सकती है तथा यात्राएँ सफल होती है। जातक को वाहन प्राप्ति हो सकती है। जातक को जोड़ों का दर्द इत्यादि भी रह सकता है। जातक यदि विद्यार्थी हो तो शिक्षा ग्रहण में रुकावटें आनी शुरु हो जाती है परंतु जातक को अपने परिश्रम पर विश्वास रहता है। जातक पैतृक संपति से वंचित हो सकता है। जातक को घर से बाहर रहना ज्यादा अच्छा लगता है। पश्चिम दिशा में की गई यात्राएँ जातक को लाभ प्रद रहती है।

साढ़े साती का सम्पूर्ण समय एक जैसा नहीं होता तथा शुभ व अशुभ परिणाम इस बात पर निर्भर करते हैं कि गोचर में शनि किन नक्षत्रों में भ्रमण कर रहा है। साढ़े साती में अनिष्ट फलों को कम करने के उपाय मंत्र जाप, पूजा, सेवा तथा दान पर आधारित है। दोष शांति का उपाय जानने के लिए जन्म कुण्डली की सम्पूर्ण विवेचना आवश्यक है। फिर भी साढ़े साती के अरिष्ट फलों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं। ये उपाय यदि साढ़े साती के आरंभ होने से पहले ही कर लें तो विशेष लाभ की सम्भावना होती है।

1 प्रत्येक शनिवार को शनि देवता के मंदिर में जाकर पूजा करें, व तेल चढ़ाए।

2 शनि ग्रह का मंत्र जाप करें,। संध्या के समय 108 बार इस मंत्र का जाप करें, - " ऊँ सः शनैश्चराय नमः " या " ऊँ शं शनैश्चराय नमः " ।

3 शनिवार को वृत रखें। शुक्ल पक्ष में वृत का आरंभ करें, तथा कम से कम 40 शनिवार तक वृत रखें।

4 सरसों के तेल का दीपक प्रत्येक शनिवार पीपल के पेड़ के नीचे रखें ।

5 लोहा, काला सुरमा, सरसों का तेल, चमड़े के जूते, काला कपड़ा, शराब, काली उड़द की दाल आदि का शनिवार को दान करें,।

6 काले घोड़े की नाल या नाव की कील का छल्ला धारण करें, अथवा नीलम धारण करें,।

7 निम्न वर्ग के व्यक्तियों की सेवा करें, या उन्हे दान दें।

8 शराब व मांस का सेवन न करें,।

9 शनिवार को काला सुरमा जमीन में दबा दें।

10 नारियल अथवा बादाम शनिवार के दिन नदी में बहाएं।

11 रात्रि में दूध न पीएं।

यद्यपि ये उपाय बता दिए गए हैं किन्तु इन्हें अपने आप आरंभ नहीं करना चाहिए। किसी विद्वान ज्योतिषी से परामर्श लेकर ही उपाय करने की विधि तथा उचित समय की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। यदि साढ़े साती के अरिष्ट फलों की शांति के लिए उचित रीति से उपाय किए जाए तो साढ़े साती के परिणाम उतने भयाकारी नहीं होंगे जितना कि उनसे भयभीत किया जाता है।

मंगलीक विचार

आपकी जन्म पत्रिका के चतुर्थ स्थान में मंगल ग्रह स्थित है जिससे आप एक मांगलिक कन्या हैं। सुख भाव में मंगल की स्थिति प्रभाव से आप जीवन में स्वपरिश्रम के द्वारा सुख प्राप्त करेंगी तथा अपने पराक्रम से चल तथा अचल उत्तम सम्पत्ति से युक्त रहेंगी। आपके स्वभाव में यदा-कदा किंचित तेजी रहेगी लेकिन आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। विवाह होने में सामान्य विलम्ब होने की सम्भावना रहेगी। आपके पति का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आपका दामपत्य जीवन सुखमय व्यतीत होगा तथा पति के साथ परस्पर सम्बन्ध अच्छे बने रहेंगे। चतुर्थ स्थान से मंगल की चतुर्थ पूर्ण दृष्टि सप्तम भाव पर होने से आपके पति पराक्रमी, साहसी एवं कुछ तेजस्वी स्वभाव के होने की सम्भावना रहेगी परंतु इसका आपके दामपत्य जीवन पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। दशम् भाव पर मंगल की पूर्ण सप्तम दृष्टि होने से आप जीवन में धीरे-धीरे अपने कार्य व्यवसाय में अच्छी उन्नति एवं मान-सम्मान तथा धन प्राप्त करने में सफल होंगी । एकादश भाव पर मंगल की अष्टम पूर्ण दृष्टि होने से आपको अपने आय स्रोत से स्थाई लाभ प्राप्ति के लिए परिश्रम करना पड़ेगा।

आपको अपने वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय तथा ऐश्वर्य युक्त बनाने के लिए किसी मांगलिक लड़के से विवाह करना चाहिए जिससे आपका मांगलिक दोष भंग हो सके। इस दोष के परिहार के लिए लड़के की कुण्डली के मांगलिक स्थानों में यानि प्रथम (लग्न), चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भावों में से किसी एक भाव में शनि अथवा राहु जैसे पाप ग्रह हो तो मांगलिक दोष का परिहार हो जाएगा। इस दोष का परिहार हो जाने पर आप अपने वैवाहिक जीवन में सुख पूर्वक भौतिक सुख संसाधनों से युक्त होकर उनका आनंद पूर्वक उपभोग करके सुखमय जीवन यापन करेंगी।

रत्न	धातु	अंगुली	दिन	समय	
माणिक	सोना	अनामिका	रवि	प्रातः	नक्षत्र
मोती	चांदी	कनिष्ठिका	सोम	प्रातः	कृतिका, उ फाल्गुनी, उतराषाढा
मूंगा	सोना	अनामिका	मंगल	प्रातः	रोहिणी, हस्त, श्रवण
पन्ना	सोना	कनिष्ठिका	बुध	प्रातः	मृगशिरा, चित्रा ,धनिष्ठा
पुखराज	सोना	तर्जनी	गुरू	प्रातः	अशलेषा, ज्येष्ठा, रेवती
हीरा	प्लेटीनम	कनिष्ठिका	शुक्र	प्रातः	पुर्नवसु, विशाखा, पूर्वाभद्रपद
नीलम	चांदी	मध्यमा	शनि	सांयः	भरणी, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढा,
गोमेद	चांदी	मध्यमा	शनि	रात्रि	पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद
लहसूनियां	चांदी	अनामिका	गुरू	रात्रि	आद्रा, स्वाती, शतभिषा
					अश्विनी, मघा, मूला

शुभ रत्न

रत्नों का उपयोग यदि उचित रूप से किया जाए तो रत्न वास्तव में उचित फल प्रदान करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस कार्य में रत्न का चुनाव अत्यधिक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। इसके अतिरिक्त रत्न की उत्तमता भी अपना विशेष महत्त्व रखती है। किसी भी जातक के लिए निर्धारित किए गए शुभ रत्न, शुभ ग्रहों की किरणो को ग्रहण कर के मानव शरीर में उन किरणों का प्रसार कर शुभ फल प्रदान करने में उपयुक्त सिद्ध होते हैं। यहाँ तीन प्रकार के रत्नों का विवरण दिया गया है।

आजीवन रत्न : नीलम
भाग्यवर्धक रत्न : हीरा
शुभ रत्न : पन्ना

माणिक	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
मोती	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः।
मूंगा	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।
पन्ना	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।
पुखराज	ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः।
हीरा	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।
नीलम	ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।
गोमेद	ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।
लहसुनियां	ऊँ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः।

जैसा कि ऊपर बताया गया है कि किसी भी जातक की जन्म कुंडली में उत्तम ग्रहों की निर्बलता को दूर करने के लिए रत्नों का उपयोग किया जाता है तथा उसमें उपयुक्त रत्न का चुनाव तथा रत्न की उत्तमता अपना महत्त्व रखती है। ठीक इसी प्रकार किसी भी रत्न के धारण करने का समय भी अपना विशेष स्थान रखता है। उचित समय में किया गया कोई भी कार्य सिद्ध होता है। इसी उचित समय को हम मुहूर्त भी कहते हैं- ऐसा शास्त्रों में लिखा गया है। इस लिए रत्न धारण करते समय हमें निर्धारित दिवस, निर्धारित नक्षत्र तथा शुक्ल पक्ष का चुनाव करना चाहिए। किसी भी प्रकार का शुभ कार्य करते समय हमारे शास्त्रों में पूजा पाठ इत्यादि तथा अपने इष्ट देव का ध्यान करना बताया गया है। इस बात को ध्यान में रखकर हमें निर्धारित पूजा भी करनी चाहिए जिस से कि हमारे देवता हमें आशीर्वाद दें तथा हमारे कार्य को सफल बनाएं। रत्न जड़ित अंगूठी धारण करने से पहले इसे गंगा जल में धो लेना चहिए। इस कार्य में आप दूध का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके पश्चात् स्वच्छ मन से, आँखे बंद कर, प्रभु की उपासना करते हुए तथा निर्धारित मंत्रों का जाप संभव हो तो 108 बार करते हुए रत्न जड़ित अंगूठी को निर्धारित अंगुली में धारण करें तथा अपने शुभ चिंतकों में प्रसाद इत्यादि का वितरण करें। परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से भी आशीर्वाद लें ताकि वे भी आपके मंगल भविष्य तथा आपकी इच्छाओं की पूर्ति हेतु कामना करें।

रत्नों द्वारा समस्याओं का निवारण

1 यदि आप अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हों अथवा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाना चहाते हों तो आप नीलम रत्न धारण कर सकते हैं।
2 यदि आप को धन अर्जित करने अथवा एकत्रित करने में समस्या आती हो अथवा आप जीवन में अपने पद ओहदे को लेकर चिंतित हों तो आप नीलम रत्न धारण कर सकते हैं।
3 यदि आपको प्रतीत होता हो कि आप के द्वारा किए गए प्रयास उत्तम नतीजे लाने में असमर्थ होते हैं अथवा आपके द्वारा किए गए परिश्रम का फल आपकी क्षमता से कम प्राप्त होता है। इस के अतिरिक्त यदि आपको सहोदरों से या आपके सहोदरों को कुछ समस्याएं हैं तो आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।
4 यदि आपके माता-पिता को अथवा आपको माता-पिता से किसी प्रकार का कष्ट प्रतीत होता हो अथवा आपको वाहन /जमीन जायदाद खरीदने या बनवाने में परेशानी का सामना करना पड़ता हो। यदि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा ग्रहण करने में बाधाओं का सामना करना पड़े अथवा घर के सुख में कमी का आभास होता हो तो आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।
5 यदि आपको बुद्धि, ज्ञान, भावुकता, संतान व पेट इत्यादि से समस्याएं हों अथवा आपको सट्टेबाजी में हानि देखनी पड़ती हो तो आप हीरा रत्न धारण कर सकते हैं।
6 यदि आपके विवाह में अनचाहा विलंब हो रहा हो अथवा विवाहित जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हो। इसके अतिरिक्त यदि आप को किसी प्रकार की व्यापारिक साझेंदारी में नुकसान होता हो तो उस स्थिति में भी आप मोती रत्न धारण कर सकते हैं।
7 यदि आप अनुभव करते हों कि आपका भाग्य आपका समुचित साथ नहीं देता अथवा जीवन में आपको अत्यधिक संघर्ष करने पड़े हों या कर रहे हों। इसके अतिरिक्त धर्म की ओर ले जाने वाले मार्ग को प्रशस्त करना चाहते हों तो आप पन्ना रत्न धारण कर सकते हैं।
8 यदि आप अपनी नौकरी या व्यापार में अस्थिरता का अनुभव करते हों तो आप हीरा रत्न धारण कर सकते हैं।
9 यदि आपको अपनी आय में उतार-चढ़ाव अनुभव करते हों तो आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।

मूलांक	:	1
शुभ अंक	:	5
शुभ समय	:	मार्च 21- अप्रैल 28, जुलाई 21-अगस्त 28
शुभ दिन	:	रविवार और सोमवार
शुभ तारीख	:	1, 4, 7, 10, 13, 19, 28
शुभ वर्ष	:	10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
शुभ रंग	:	स्वर्ण, पीला, ताबां रंग।
शुभ रत्न	:	पुखराज, कहरुबा, पीला हीरा, और इन रंगो के सारे रत्न।
स्वास्थ्य	:	आपको अनियमित रक्तचाप, उच्च रक्तचाप, हृदय की धड़कन का बढ़ना, अथवा नेत्र रोगों से कष्ट हो सकता है।
व्यवसाय	:	आप सरकारी, अर्धसरकारी संगठनों, न्यायिक, राजनैतिक, दवाईयों, आभूषण, इत्यादि कार्यो में सफलता प्राप्त कर सकते है।
त्रुटियाँ	:	गुस्सा, अंहकार, स्वाहित वाद, निरंकुशता, गर्व।

आप अति महत्वाकांक्षी महिला हैं। आप जिस काम में भी हाथ डालती हैं कामयाबी मिलती है आप नहीं चाहती कि आप पर कोई हुक्म चलाए अथवा आप पर हावी हो। आप अपने तौर-तरीके से जीवन यापन करेंगी। आप प्रायः किसी भी परियोजना के अग्रणी के रूप में उभर कर अपने व्यवसाय की परिपक्वता का प्रदर्शन करना चाहती हैं ताकि लोग आपको आदर की दृष्टि से देखें । दूसरे शब्दों में आप अपनी छवि एवं सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रति अति सजग एवं सतर्क रहती हैं । आप खर्च की परवाह किए बिना ऐशों-आराम की जिंदगी जीना चाहती हैं। कभी-कभार आप दूसरों की कड़ी आलोचना करने लगती हैं। फिर भी आप अपने सहकर्मियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। जिस काम से आप परिचित नहीं हैं उसे करने में दूसरों की सहायता लेना आपके लिए श्रेयस्कर होगा और किसी काम को अकेला ससंघर्ष करके यश प्राप्त करने का प्रयास न करें। आप अपने जीवन में शेखी न बघारें तो अच्छा है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आप को हृदय रोग से सावधान रहना होगा। जीवन में आगे चलकर आपको रक्त तंत्र एवं उच्च रक्त चाप सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप को अपनी आँखों की जाँच नियमित रूप से करवाते रहना चाहिए। संतरा, लौंग और अदरक का सेवन आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा। आप शहद का भी जितना इस्तेमाल कर सकें बढ़िया होगा। आपको अक्टूबर, दिसम्बर और जनवरी के महीनों में अपनी सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए। इस अवधि में आप को हद से ज्यादा काम नहीं करना चाहिए। आप अति कुशाग्र बुद्धि के महिला हैं और आपके भीतर काम करने की अपार क्षमता है। आपके कई मित्र हैं और सगे - सम्बन्धी भी काफी हैं। इन सब के होते हुए भी आप कभी-कभार इतने बड़े जन-समूह में अपने आप को अकेला महसूस करती हैं। आप हमेशा दूसरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहती हैं। आप का रवैया काफी सकारात्मक हैं और अपने प्रति आप काफी आश्वस्त हैं। कुल मिलाकर आप अति आशावादी महिला हैं और कभी भी आसानी से हार नहीं मानती। आपको अपने महत्वपूर्ण कार्य महीने की पहली, 10वीं, 19वीं, और 28वीं तारीख को ही शुरू करने चाहिए।

1. अल्पायु योग

द्वादश भाव में चन्द्रमा तथा छठे भाव में पाप ग्रह हो तो अल्पायु योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक अल्पायु होते हैं।

2. अनफा (बुध) योग

चन्द्रमा से द्वादश स्थान में बुध हो तो अनफा (बुध) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक वार्ता में चतुर व निपुण, प्रतिष्ठित, आकर्षक व्यक्तित्व के एवं गाान, नृत्य, कविता व लेख लिखने के प्रिय होते हैं।

3. अनफा योग

सूर्य के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह चन्द्रमा से द्वादश स्थान में हो तो अनफा योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धनी, अच्छे स्वास्थ्य व भौतिक सुख ऐश्वर्य से युक्त, प्रतिष्ठित, भाषण में निपुन, कुशल, आकर्षक व्यक्तित्व के एवं सुखी होते हैं।

4. अरिष्ट योग

षष्ठेश की युति या दृष्टि अष्टमेश या द्वादेश से हो तो अरिष्ट योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में शारीरिक अस्वस्थता से पीड़ित रहते हैं।

5. अव योग

लग्नेश की स्थिति 6ठे, 8ठे या 12वें भाव में हो तो अव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने में असमर्थ, दूसरों के लिए कोई महत्व न रखने वाले, पराधीन, अस्थिर स्थिति, सामान्यतया अल्प आयू, छल-कपटी व दुश्ट स्वभाव के मित्रों की संगति में रहकर विवेकहीन होते हैं।

6. चन्द्र शुक्र योग

चन्द्रमा एवं शुक्र की युति एक ही भाव में हो तो चन्द्र शुक्र योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक झगड़ालू, खुशबू एवं काव्य के प्रेमी, आलसी तथा सिलाई व आदि कार्य एवं कपड़ों के व्यापार में निपुण होते हैं।

7. देह कष्ट योग

लग्नेश की युति किसी अशुभ ग्रह से हो या फिर उसकी स्थिति अष्टम भाव में हो तो देह कष्ट योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक अधिकतर सांसारिक सुख से वांछित रहते हैं।

8. धन योग

लग्नेश का सम्बन्ध द्वतीयेश, पंचमेश, नवमेश या फिर एकयदेश से हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धन तथा ऐश्वर्य से युक्त होते हैं।

9. दुरुधरा योग

सूर्य के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश स्थान में हो तो दुरुधरा योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक तर्क सम्बन्धि वार्ता में चतुर, विख्यात, विद्वान, धैर्यवान, ईमानदार, धनी, भूमि तथा वाहन के स्वामी, दानी एवं वासनाप्रिय होते हैं।

10. दुरयोग

दशमेश की स्थिति 6ठे, 8ठे या 12वें भाव में हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने में असमर्थ, छल व कपटी, मित व्ययी व ईर्षावान तथा अधिकतर अपने निवास स्थान से दूर रहने वाले होते हैं।

11. दुश्कृति योग

सप्तमेश की स्थिति 6ठे, 8ठे या 12वें भाव में हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक परस्त्री/पुरुश से अनैतिक सम्बन्ध रखने, जगह-जगह भटकने, रिश्तेदारों के बीच बदनाम एवं कोई महत्व न रखने वाले तथा दुखी होते हैं।

12. नेत्रदोश योग

6, 8 एवं 12वें भाव में शुभ ग्रह तथा 10वें भाव में सूर्य हो तो नेत्रदोश योग बनता है।

13. जैमिनी राज योग

चन्द्रमा व शुक्र की युति हो या शुक्र की दृष्टि चन्द्रमा पर हो तो जैमिनी राज योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक अत्यनत वैभवशाली, प्रतिष्ठित तथा जीवन में सफलता व ताकत हासिल करते हैं।

14. जीवादोश योग

बुध षष्ठेश हो तो जीवादोश योग बनता है।

15. कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्रमा या फिर सूर्य से 10वें स्थान में शुक्र की युति या दृष्टि हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक व्यवसाय के रूप में अधिकतर रत्नों, गाय व आदि भेड़ों तथा सौंदर्य तथा अलंकरण आदि की वस्तुओं से सम्बन्धित कार्य का व्यापार करते हैं।

16. कर्मजीव योग

लग्न या फिर चन्द्रमा से सूर्य 10वें स्थान में हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक व्यवसाय के रूप में अधिकतर सुगन्धित वस्तुओं, सोना तथा औषधि विक्रय का व्यापार करते हैं।

17. कर्मजीव योग

लग्न या फिर सूर्य से 10वें स्थान में चन्द्रमा की युति या दृष्टि हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक व्यवसाय के रूप में अधिकतर कृषि विभाग तथा जलीय वस्तू जैसे मोती व शंख का व्यापार करते हैं। इस योग के पुरुष, स्त्री द्वारा भी आजीविका प्राप्त कर सकते हैं।

18. कृशाण्ड योग

इस योग में जन्म लेने वाले जातक शारीरिक गठन में कुछ पतले एवं कमजोर तथा शारीरिक कष्ट भोगते

हैं।

19. कुलपमशल योग

पाप एवं शुभ ग्रह केन्द्र में तथा लग्नेश पर चन्द्रमा की दृष्टि न हो तो कुलपमशल योग बनता है।

20. मुकबधिरम्ध योग

द्वादश भाव में चन्द्रमा हो तो मुकबधिरम्ध योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातकों के बाँयीं आँख में रोग या विकृति की सम्भावना है।

21. मुकबधिरम्ध योग

द्वितीय या द्वादश भाव में शुक्र अथवा मंगल हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक कान के रोग से पीड़ित हो सकते हैं।

22. मुकबधिरम्ध योग

द्वितीय या द्वादश भाव में शुक्र अथवा मंगल हो तथा चन्द्रमा से किसी एक की युति हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक किसी आँख तथा कान के रोग से पीड़ित हो सकते हैं।

23. निसव योग

द्वितीयेश की स्थिति 6ठे, 8ठे या 12वें भाव में हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक बातों में रूखेपन, अल्प मात्रा में विद्या प्राप्त करने, छल-कपटी व दुश्ट स्वभाव के मित्रों की संगति में रहने वाले, कमजोर तथा शत्रु पक्ष द्वारा कुछ विशेष हानि अनुभव करते हैं।

24. पमर योग

पंचमेश की स्थिति 6ठे, 8ठे या 12वें भाव में हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दुखी, झूठे, पाखंडी, नास्तिक, ज्यादा भोजन करने तथा छल-कपटी व दुश्ट स्वभाव के मित्रों की संगति में रहने वाले होते हैं।

25. पूर्णायु योग

6, 12, 8वें या लग्न में षष्ठेश या द्वादेश हो तो पूर्णायु योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दीर्घायु होते हैं।

26. राज योग

चतुर्थेश व दशमेश, पंचमेश या नवमेश के साथ संयुक्त हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में ऊँची तथा अधिकार युक्त प्रतिष्ठित स्थिति प्राप्त करते हैं।

27. राज योग

शुक्र लग्न में स्थित हो तथा चन्द्रमा/गुरु की युति या दृष्टि हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में ऊँची तथा अधिकार युक्त प्रतिष्ठित स्थिति प्राप्त करते हैं तथा विख्यात मित्रों से युक्त होते हैं।

28. रज्जुयोग

यदि लग्न चर राशि में हो एंव कई ग्रह चर राशि में हो तो रज्जुयोग होता हैं।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक ज्यादातर महत्वकांक्षी, नाम और यश के लिए जगह जगह घूमने वाले, यात्रा प्रेमी, शीघ्र निर्णय लेने वाले एंव खुले विचारों के होते हैं। यह जातक अस्थिर मन, अनिर्णय, अविश्वसनीय तथा किसी एक कार्य में लगे रहने में असमर्थ होते हैं। वह लगातार संघर्ष में रहते हैं फिर भी कोई स्थिर सम्मपत्ति बनाने में असफल रहते हैं।

29. रूचक महापुरुष योग

यदि मंगल लग्न से केन्द्र, स्वराशि या फिर उच्च राशि में हो तो रूचक महापुरुष योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक आकर्षक व्यक्तित्व, दिखने में सुन्दर, लावण्य युक्त, शरीर दुबला, कोमल व काले केश एवं साँवले रंग के होते हैं। यह जातक धैर्यवान, बलिष्ट शरीर, यश प्राप्ती के लिए कार्य सम्पन्न करने, दीर्घायु, बुजुर्गों का आदर करने वाले व विद्वान होते हैं।

30. संख्या दाम (दामिनी) योग

सभी ग्रह जब छः भावों में हो तो दामिनी योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धनी, दक्ष, विख्यात, ज्ञानी, सुखी एवं न्यायिक कार्यों से धन कमाने वाले होते हैं।

31. शरीर सौख्य योग

लग्नेश, गुरु या शुक्र केन्द्र में स्थित हो तो शरीर सौख्य योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दीर्घायु, धनवान तथा राजनैतिक क्षेत्र में अच्छा प्रभाव रखने वाले होते हैं।

32. सुनफा (गुरु) योग

चन्द्रमा से द्वितीय स्थान में गुरु हो तो सुनफा (गुरु) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक शास्त्रों में निपुन, सर्वज्ञानी, सलाहकार, यश व कीर्ति प्राप्त करने वाले, धनी एवं ऊँचे कुल से सम्बन्धित होते हैं।

33. सुनफा योग

सूर्य के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह चन्द्रमा से द्वितीय स्थान में हो तो सुनफा योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक शाही जीवन यापन करने वाले, धनी, प्रतिष्ठित, सुखी, स्वपरिश्रम के बल पर धन कमाने वाले तथा परोपकारिक गुण से युक्त होते हैं।

34. उभयचर योग

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह सूर्य से द्वितीय एवं द्वादश स्थान में हो तो उभयचर योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक बलवान, जिम्मेदार, विद्वान, आकर्षक व्यक्तित्व तथा भौतिक सुख ऐश्वर्यो का सुख प्राप्त करते हैं।

35. उत्तमदि (वरिष्ठ) योग

सूर्य से अपोक्लिम (3, 6, 9, 12) में चन्द्रमा हो तो वरिष्ठ योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धन, ज्ञान, कुशलता व यश उत्तम रूप से प्राप्त करते हैं तथा इनके फल प्रचुर मात्रा में भोगते हैं।

36. वंचना चोर भीति योग

राहु, शनि एवं केतु लग्नेश से युक्त हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक सदैव दूसरों को शक की निगाह से परखते है एवं उन्हे विश्वास के पात्र नहीं मानते तथा सदैव चोरी, डकैती व धोकेबाजी से भयभीत रहते हैं।

37. वेशि योग

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह सूर्य से द्वितीय स्थान में हो तो वेशि योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक लम्बे, ईमानदार, आलसी, दानी, सत्यवादी, अच्छी स्मरण शक्ति के तथा सामान्यतया धनी होते हैं।

38. वेशि योग (शुभ)

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी शुभ ग्रह सूर्य से द्वितीय स्थान में हो तो वेशि शुभ योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक वार्ता में चतुर, धनवान तथा अपने विरोधियों पर विजय प्राप्त करने वाले हाते हैं।

39. वेशि योग (बुध)

सूर्य से द्वितीय स्थान में बुध हो तो वेशि (बुध) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक मधुर भाषी एवं आकर्षक व्यक्तित्व के होते हैं।

40. योगारिष्ट (योगज आयु) योग

लग्नेश व अष्टमेश पाप ग्रह हों तथा द्वादश एवं छठे भाव में गुरु न हो।

कालसर्प योग

जन्म पत्रियों में कई प्रकार के योग देखने का मिलते हैं जिनके विभिन्न प्रकार के फल होते हैं। कुछ अच्छे योग हैं तो कुछ बुरे। अच्छे योग शुभ फलदायक होते हैं तो बुरे योग अशुभ फलदायक होते हैं। ऐसा ही एक अशुभ फलदायक योग है कालसर्प योग। जब किसी भी जन्मपत्री में सारे ग्रह राहू और केतू के मध्य आ जाते हैं तो उसे कालसर्प योग कहते हैं। प्राचीन ग्रन्थों में प्रत्यक्ष से तो इस योग का वर्णन नहीं मिलता लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा सकता।

महर्षि गर्ग, महर्षि पाराशर, महर्षि भृगु, वराह मिहिर आदि ज्योतिषाचार्यो ने कालसर्प योग को स्वीकार किया है। प्राचीन कालदर्शियों ने कालसर्प योग को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने राहू-केतू को कार्मिक माना है, राहू पृथ्वी पर काल है और केतू सर्प। प्रायः किसी ने भी इस योग की प्रशंसा नहीं की है। राहू-केतू यद्यपि छाया ग्रह है, इनका अपना कोई शरीर नहीं है, फिर भी ये इतने क्रूर ग्रह हैं कि इनसे निर्मित कालसर्प योग अशुभ फलदायक ही कहलाता है।

आप की कुण्डली कालसर्प योग से मुक्त है।

	जन्म विवरण	वर्षफल विवरण
लिंग	स्त्री	स्त्री
जन्म तिथि	01/11/1973	02/11/2018
दिन वार	गुरुवार	शुक्रवार
जन्म समय	12:00:00	00:54:00
(समय घटी में)	13:57:53 घटी	.....

स्थान एवं समय विवरण

जन्म स्थान	MANGALORE	MANGALORE
अक्षांश	012.54.N	012.54.N
रेखांश	074.48.E	074.48.E
स्थानीय समय	11:29:12	------
स्थानीय तिथि	01/11/1973	------

ग्रह एवं राशि विवरण

लग्न	मकर	कर्क
लग्नेश	शनि	चन्द्र
राशि	धनु	कर्क
राशीश	गुरु	चन्द्र
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	अश्लेषा
नक्षत्र स्वामी	शुक्र	बुध
चरण	4	4
पाया (चंद्र-नक्षत्र)	लोहा-तांबा	स्वर्ण-चांदी
योग	धृति	शुक्ल
करण	तैतिल	गर
गण	मनुष्य	राक्षस
योनि	वानर	बिलाव
नाड़ी	मध्य	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय	ब्राह्मण
वश्य	चतुष्पाद	जलचर
वर्ग	श्वान	श्वान
नामाक्षर	ढ	डो
युंजा	अन्त्य	मध्य
हंसक तत्व	अग्नि	जल

वर्षफल की गणनाएं सूर्य के ध्रुवांक पर आधारित हैं।

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	मकर	02°11'07''		शनि	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	गुरु
सूर्य	तुला	15°12'01''	नीच	शुक्र	स्वाती	3	राहु	केतु
चन्द्र	धनु	23°28'34''	सम	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	4	शुक्र	शनि
मंगल-व	मेष	05°47'24''	मु.त्रि.	मंगल	अश्विनी	2	केतु	राहु
बुध-व	वृश्चिक	02°51'50''	सम	मंगल	विशाखा	4	गुरु	राहु
गुरु	मकर	10°36'15''	नीच	शनि	श्रवण	1	चन्द्र	चन्द्र
शुक्र	धनु	01°51'37''	सम	गुरु	मूल	1	केतु	शुक्र
शनि-व	मिथुन	11°02'48''	मित्र	बुध	आर्द्रा	2	राहु	शनि
राहु-व	धनु	06°16'21''	सम	गुरु	मूल	2	केतु	राहु
केतु-व	मिथुन	06°16'21''	सम	बुध	मृगशिरा	4	मंगल	चन्द्र

जन्म लग्न

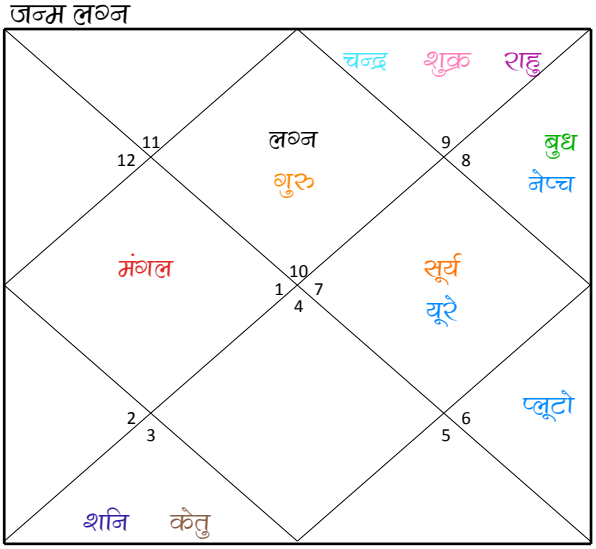

चलित

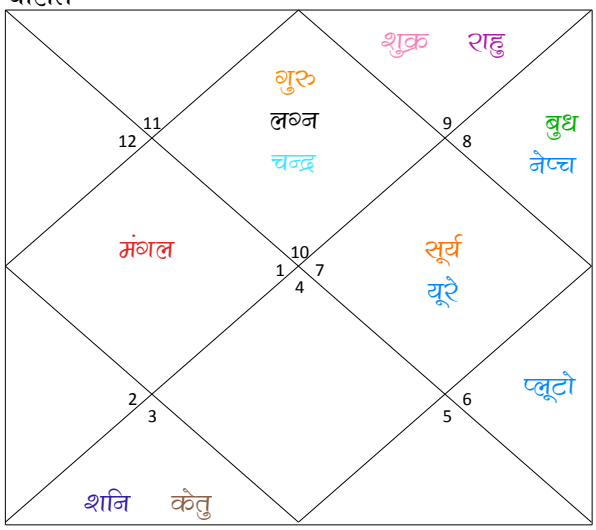

चन्द्र लग्न

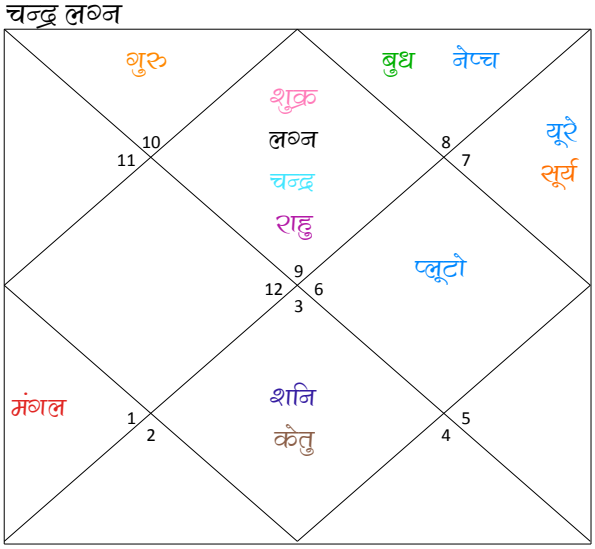

नवमांश

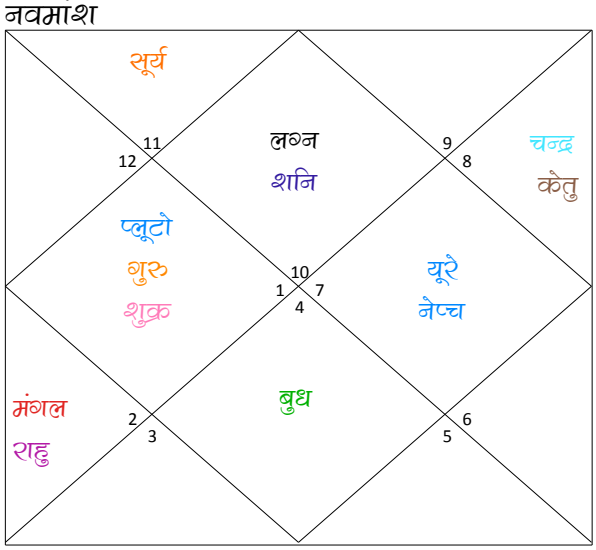

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	कर्क	23°53'54''		चन्द्र	अश्लेषा	3	बुध	मंगल
सूर्य	तुला	15°11'56''	नीच	शुक्र	स्वाती	3	राहु	केतु
चन्द्र	कर्क	29°46'57''	स्वग्रही	चन्द्र	अश्लेषा	4	बुध	शनि
मंगल	मकर	27°30'37''	उच्च	शनि	धनिष्ठा	2	मंगल	गुरु
बुध	वृश्चिक	07°51'01''	सम	मंगल	अनुराधा	2	शनि	केतु
गुरु	वृश्चिक	04°25'16''	मित्र	मंगल	अनुराधा	1	शनि	शनि
शुक्र-व-अ	तुला	05°20'33''	अस्त मु.त्रि.	शुक्र	चित्रा	4	मंगल	सूर्य
शनि	धनु	10°53'14''	सम	गुरु	मूल	4	केतु	शनि
राहु-व	कर्क	06°30'09''	शत्रु	चन्द्र	पुष्य	1	शनि	बुध
केतु-व	मकर	06°30'09''	शत्रु	शनि	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	बुध

वर्ष लग्न

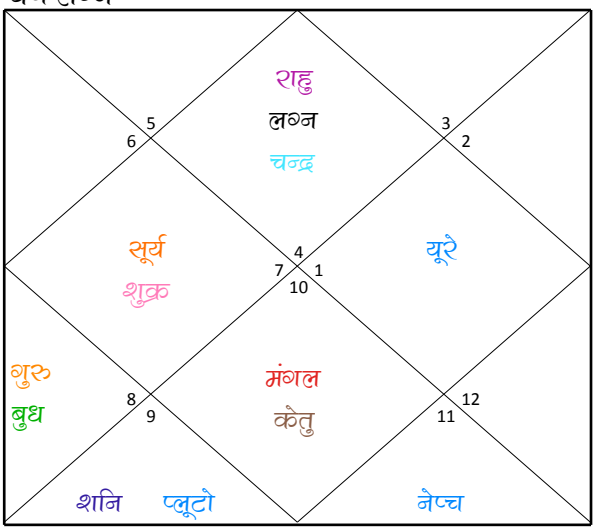

चलित

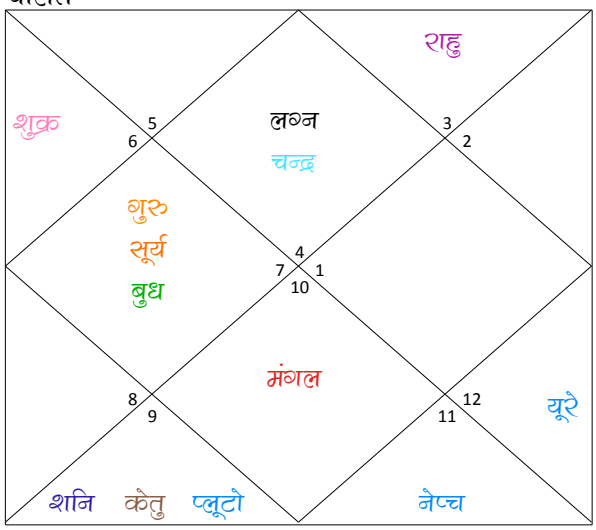

चन्द्र लग्न

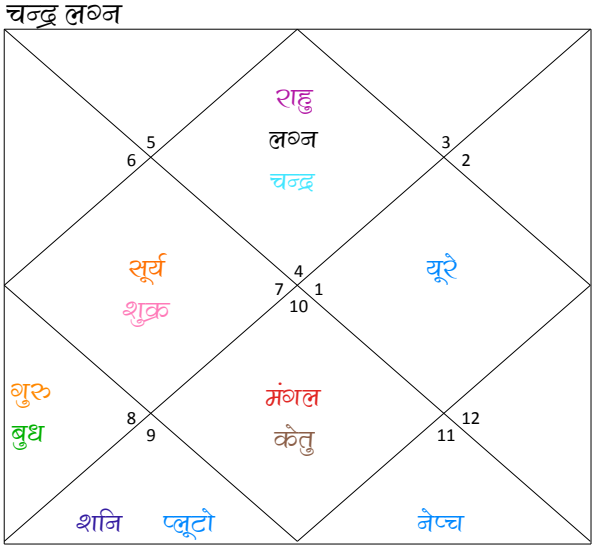

नवमांश

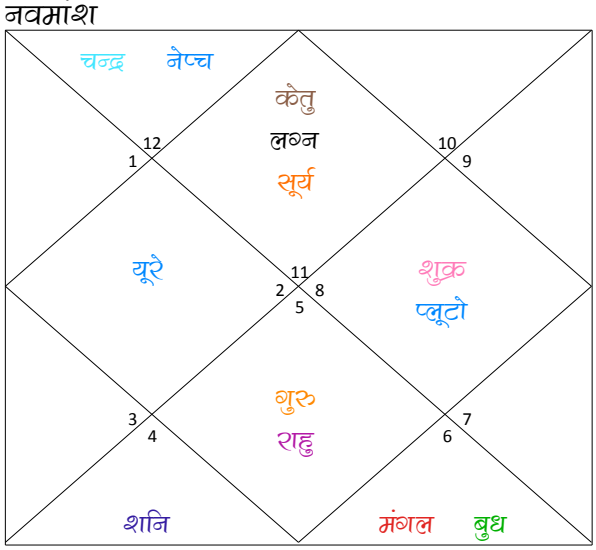

हर्ष बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	5	5	0	0	5	0
तृतीय बल	5	5	0	0	5	0	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	15	5	5	5	10	5

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह बल	07.50	30.00	15.00	22.50	22.50	30.00	15.00
उच्च बल	00.58	10.36	19.95	14.13	06.73	00.93	14.35
हद्या बल	07.50	07.50	15.00	07.50	11.25	11.25	07.50
द्रेष्काण बल	07.50	10.00	02.50	07.50	07.50	02.50	05.00
नवांश बल	03.75	03.75	03.75	05.00	02.50	01.25	02.50
कुल	06.71	15.40	14.05	14.16	12.62	11.48	11.09

पंचाधिकारी

स्वामित्व	ग्रह	बलाबल
मुन्थेश	शुक्र	11.48
जन्म लग्नेश	शनि	11.09
वर्ष लग्नेश	चन्द्र	15.40
त्रिराशिपति	मंगल	14.05
दिनरात्रिपति	चन्द्र	15.40

वर्षेश व मुन्था

वर्षेश	:	चन्द्र
मुन्था-राशि	:	तुला
मुन्था-भाव	:	4
मुन्थेश	:	शुक्र
मुन्थेश- भाव	:	4

वर्षफल वर्ष 2018-2019

सहम	राशि	अंश	सहम स्वामी
पुण्य	वृश्चिक	09:18:53	मंगल
गुरू	वृष	08:28:55	शुक्र
प्रसूति	सिंह	27:19:39	सूर्य
यश	सिंह	28:47:31	सूर्य
मित्र	मेष	06:10:31	मंगल
माहात्म्य	वृश्चिक	12:05:38	मंगल
आशा	वृष	18:21:13	शुक्र
पिता	वृष	28:12:36	शुक्र
माता	तुला	29:27:30	शुक्र
जीवित	मिथुन	17:25:56	बुध
कर्म	वृष	04:14:18	शुक्र
कलि	वृश्चिक	16:59:15	मंगल
शास्त्र	धनु	14:18:59	गुरु
बंधक	धनु	01:57:58	गुरु
जाडय	कन्या	21:13:38	बुध
शत्रु	मिथुन	07:16:31	बुध
बंधन	कन्या	25:28:15	बुध
समर्थता	मकर	26:10:14	शनि
कामदेव	कर्क	23:53:54	चन्द्र
गौरव	कर्क	24:53:20	चन्द्र
कार्यसिद्धि	कुम्भ	16:26:50	शनि
अश्व	वृष	00:37:37	शुक्र
भ्राता	मिथुन	17:25:56	बुध
पुत्र	वृश्चिक	28:32:13	मंगल
रोग	कर्क	18:00:51	चन्द्र
बन्धु	धनु	01:57:58	गुरु
मृत्यु	कर्क	05:25:31	चन्द्र
अर्थ	मिथुन	03:01:12	बुध
परस्त्री	कर्क	14:02:31	चन्द्र
वणिक	मेष	15:49:50	मंगल
विवाह	वृष	18:21:13	शुक्र
संताप	मिथुन	05:25:31	बुध
श्रद्धा	मेष	01:43:50	मंगल
प्रीति	कुम्भ	23:03:56	शनि
व्यापार	वृश्चिक	13:33:30	मंगल
कन्या	तुला	29:27:30	शुक्र
परदेश	मकर	14:13:12	शनि
अपमृत्यु	कन्या	20:42:31	बुध
लाभ	मेष	03:26:32	मंगल
जलपथ	वृष	27:15:07	शुक्र

त्रिपताकि चक

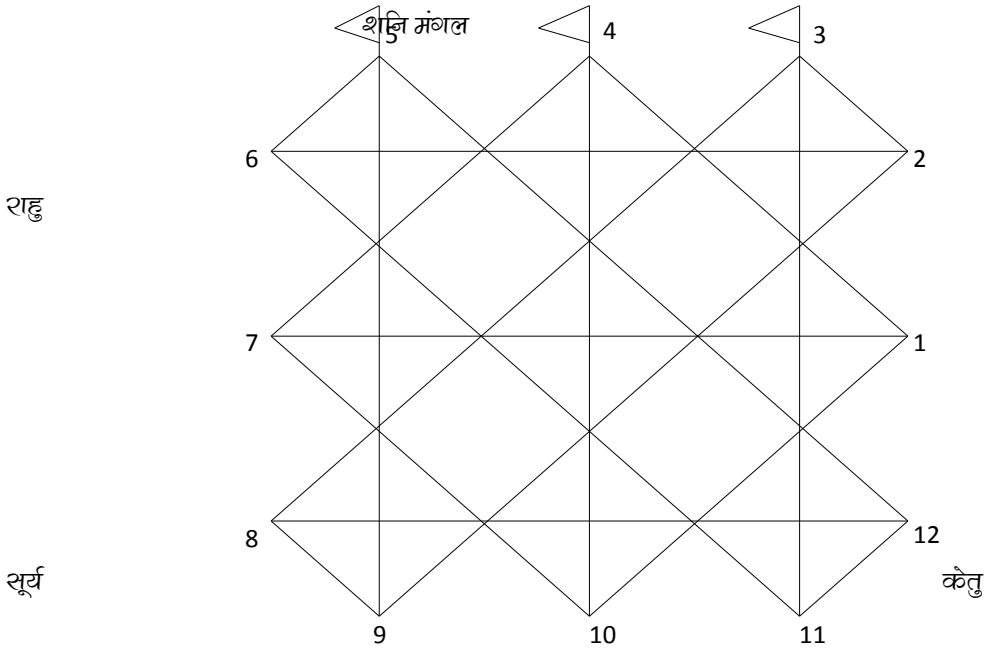

त्रिपताकि चक्र में वेध

लग्न	मंगल शुक्र शनि	बुध	सूर्य चन्द्र
सूर्य	चन्द्र बुध केतु	गुरु	राहु केतु
चन्द्र	सूर्य बुध	शुक्र	मंगल शनि
मंगल	शुक्र शनि	शनि	मंगल शुक्र

विभिन्न ग्रहो द्वारा चन्द्र वेध का फल

सूर्य :

चन्द्र : धन के अपव्यय से कष्ट, बुखार, मन मे अस्थिरता, चिंता से परेशानी, रक्त सम्बन्धी रोग और असफलता प्राप्त होती हैं।

मंगल : चित्त में बैचैनी, शत्रु भय, व्याकुलता, मन उदास, रक्त विकार, चोट-चपेट और झगडे होते रहते हैं।

बुध : व्यापार में वृद्धि, भाईयों से वाद-विवाद, कुटुम्ब में कलह, शत्रु से भय या हानि के बावजूद धन प्राप्ति हाती है।

गुरु : अकस्मात धन लाभ, तीर्थ यात्रा, विवाद में विजय, शुभ कार्य में धन का खर्च और मांगलिक कार्य होते हैं।

शुक्र : वासना बढ़ना, शत्रु पर विजय, आमदनी में वृद्धि, विद्या प्राप्ति, जल से अरिष्ट और परीक्षा में सफलता हासिल होती हैं।

शनि : वायु विकार आदि से रोग, मानहानी, नीच लोगों का संग, अपनों से विश्वासघात और धन हानि हाती हैं।

राहु : असफलता, कठनाईयाँ, अनेक रोग एवं शरीर-पीडा, कीर्ति-क्षय, बुरे विचार और कष्ट प्राप्त होते हैं।

अस्वस्थता, उदासी, दुःख एवं चिन्ता, उदर व्याधि, मलिन चित्त और अपयश हासिल होता हैं।

वर्ष लग्न में आपका मुन्था भाव नम्बर 4 में है।
यह समय अच्छा नहीं है। स्वास्थ्य के लिहाज से पहले चार महीने अच्छे नहीं है और फूड-पाइजिनिंग होने की भी सम्भावना रहेगी। अभिभावकों के लिए यह बुरा समय है। मित्रों और रिश्तेदारों से बहुत गलतफहमियाँ होगी। आप मानसिक रूप से परेशान और दुखी रहेंगी।

02/11/2018-01/01/2019 में आप शुक्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शुक्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 4 में है।

यह समय बड़े आराम से कटेगा। प्रतिष्ठा पद वृद्धि होगी और आमदनी भी बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। नफे का सौदा होगा। परिवार में एक प्रकार का सम्मेलन होगा जिसमें सब लोग इकट्ठे होंगे। यात्राओं से भी अच्छे समाचार मिलेंगे। विरोधी नुकसान नहीं पहुँचा पाएंगे। परिवार में सदस्यों की संख्या में बढ़ोत्तरी की सम्भावना है। प्रयत्नों में सफलता मिलेगी। आपके मातहत आपको पूरा सहयोग देंगे। हर लिहाज से यह समय अच्छा है।

01/01/2019-20/01/2019 में आप सूर्य वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
सूर्य वर्ष लग्न में भाव नम्बर 4 में है।

इस अवधि में आपको मेहनत करनी पड़ेगी जो आप कर नहीं पाएंगी। लगातार किया गया कड़ा परिश्रम थका भी शीघ्र देगा और कार्य-क्षमता भी कम हो जाएगी। बुरे कार्यों में प्रवृत्त रहने की आपकी चेष्टा रहेगी। उल्टी-सीधी हरकतों से भी आप सम्बन्ध रहेंगे। माँ बाप का बुरा स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा। कार या कोई वाहन बहुत तेजी से न चलाएं।

20/01/2019-19/02/2019 में आप चन्द्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
चन्द्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 1 में है।

इस अवधि में भी मिले जुले फल मिलेंगे। कई अच्छे अवसर मिलेंगे पर आप उनका पूरा उपयोग नहीं कर पाएंगी। स्वास्थ्य के कारण परेशान रहेंगी। मित्र, परिवार और सहयोगियों के साथ बर्ताव में सतर्क रहे। यात्राएँ सफलदायक नहीं होंगी इसलिए उनसे बचें। माँ-बाप का रुग्ण स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा।

19/02/2019-12/03/2019 में आप मंगल वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।

मंगल वर्ष लग्न में भाव नम्बर 7 में है।

नित्य चर्चा में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। शत्रु छवि बिगाड़ने का प्रयत्न करेंगे। सहयोगियों तथा भागीदारों से विवाद होने की सम्भावना है। पारिवारिक जीवन भी सुखद नहीं रहेगा। अपनी तन्दरुस्ती का ख्याल रखें। यात्राओं से निराशा मिलेगी। पति के स्वास्थ्य के कारण चिन्तित रहेंगी। इस दौरान आपका जीवन समस्याओं एवं परेशानियों से आक्रांत रहेगा।

12/03/2019-06/05/2019 में आप राहु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
राहु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 1 में है।

उल्टी सीधी तरह से काम करने की आपकी प्रवृत्ति होगी। किसी भ्रम में न रहे। इस अवधि में आपको डर सताता रहेगा। आपके अपने लोग बार बार आपको धोखा देंगे। जल्दबाजी या हड़भड़ी से कोई फायदा नहीं होगा। पुरुष वर्ग से आपके सम्बन्ध अच्छे नहीं रहेंगे। शीघ्र पैसा बनाने के तरीकों पर अच्छी तरह सोच विचार कर अमल करें। तथ्यजीवी रहे स्मृतिजीवी नहीं। किसी गुप्त रोग के कारण आप परेशान रह सकती हैं।

06/05/2019-24/06/2019 में आप गुरु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
गुरु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 5 में है।

इस अवधि में आपका अपने प्रति विश्वास आपको लगातार विजय दिलाएगा। आप महती सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी। घर परिवार में शुभ कृत्य का आयोजन होगा। प्रणय व प्रेम सम्बन्धों के लिए भी यह अच्छा समय है। अपनी बुद्धिमत्ता के और पैनी अन्तरदृष्टि के कारण आप सही क्षण पर सही निर्णय लें। व्यापार / व्यवसाय में लाभ प्राप्त कर सकेंगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। धार्मिक क्रिया-कलापों से सम्बन्ध रहने की सम्भावना है। मित्र व हितैषी पूरा सहयोग देंगे।

24/06/2019-21/08/2019 में आप शनि वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शनि वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है।

आप अपने कार्य-क्षेत्र में बहुत अच्छा काम करेंगी। नौकरी या व्यवसाय की परिस्थितियों में काफी सुधार आएगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से आपके सम्पर्क बढ़ेंगे। रोज-मर्रा के जीवन में आप अत्यधिक स्फूर्तिवान

महसूस करेंगी। विरोधियों की आपके सामने पड़ने की हिम्मत ही नहीं पड़ेगी। आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छा समय सिद्ध होगा। छोटी यात्राएँ उपयोगी रहेंगी। परिवार का माहौल पूर्ण संतोषप्रद रहेगा। इस अवधि के मध्य में छोटी मोटी बीमारी होने की सम्भावना है जिस पर आपको थोड़ा बहुत ध्यान रखने की आवश्यकता है।

21/08/2019-11/10/2019 में आप बुध वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
बुध वर्ष लग्न में भाव नम्बर 5 में है।

इस अवधि में अपनी पैनी विवेक बुद्धि और सही अंदाज लगाने की क्षमता के कारण आप प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगी। आपकी कल्पना अत्यधिक सक्रिय रहेगी। नए उद्यमों में निश्चित सफलता प्राप्त करेंगी। यह समय प्रणय और रोमांस के लिए भी अच्छा है। आपके सृजन बोध की सराहना की जाएगी। पारिवारिक सुख बढ़ा-चढ़ा रहेगा। मित्र और शुभ चिन्तक पूरा सहारा देंगे। इस अवधि के दौरान आप महत्वपूर्ण व्यक्तियों के सम्पर्क में आएँगी। एक यादगार यात्रा होने की भी सम्भावना है।

11/10/2019-02/11/2019 में आप केतु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
केतु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 7 में है।

इस अवधि के दौरान आपको मिले जुले फल मिलेंगे। अचानक भाग्य चमकेगा। आपका सामाजिक क्षेत्र विकसित होगा। प्रणय और प्रेम के लिए यह समय अच्छा नहीं है। प्रेमी से झगड़े और विवाद होने की पूरी सम्भावना है। खर्च भी अचानक बढ़ जाएगा। भ्रमण से कोई विशेष लाभ नहीं होने वाला। जोखिम भरे कामों में फंसने की सम्भावना है। शायद जोखिम उठाने के लिए यह उपयुक्त समय नहीं है। छोटी-मोटी बीमारियाँ भी लगी रह सकती हैं।

नाम	Aishwarya Rai	दादा का नाम	
लिंग	स्त्री	पिता का नाम	
जन्म तिथि	01/11/1973	माता का नाम	
दिन वार	गुरुवार	जाति	
जन्म समय	12:00:00 घन्टे	गोत्र	
(समय घटी में)	13:57:53 घटी		
जन्म स्थान	MANGALORE		
अक्षांश	012.54 उत्तर	विक्रमी संवत्	2030
रेखांश	074.48 पूर्व	शक संवत्	1895
समयक्षेत्र	.05.30 घन्टे	मास	कार्तिक
समय संशोधन	00.00 घन्टे	पक्ष	शुक्ल
स्थानीय समय	11:29:12 घन्टे	चन्द्र तिथि	6
स्थानीय तिथि	01/11/1973	सूर्योदय कालीन तिथि	6
सूर्योदय	6: 24: 50 घन्टे	तिथि समाप्ति काल	20:17:48
सूर्यास्त	18: 4: 53 घन्टे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	पूर्वाषाढा
दिनमान	11: 40: 3 घन्टे	नक्षत्र समाप्ति काल	18:30:56
विषुव काल	14: 10: 49 घन्टे	सूर्योदय कालीन योग	धृति
भयात	51:39:37 घटी	योग समाप्ति काल	27:0:0
भभोग	67:53:27 घटी	सूर्योदय कालीन करण	कौलव
ऋतु	शरद	करण समाप्ति काल	6:57:11

मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	--	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
चन्द्र	मित्र	--	सम	मित्र	सम	सम	सम	सम	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	--	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	सम	--	सम	मित्र	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	--	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	--	मित्र	शत्रु	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	--	मित्र	सम
राहु	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	--	मित्र
केतु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	मित्र	--

ग्रह फल / राशि फल

ग्रह	वर्णन	ग्रह फल / राशि फल
सूर्य	धन का मालिक मगर वहमी	..
चन्द्र	तुफान से बस्तियाँ उजाड़ने वाला दरिया	..
मंगल	जलती आग	राशि
बुध	धनी जन्म से	..
गुरु	फकीरी पूर्ण	..
शुक्र	भव सागर से पार करने वाली गाय	..
शनि	लेख की स्याही एक गुणा मंदा	राशि
राहु	शेख चिल्ली	ग्रह
केतु	दो रंगी दुनिया	ग्रह

चन्द्र लग्न

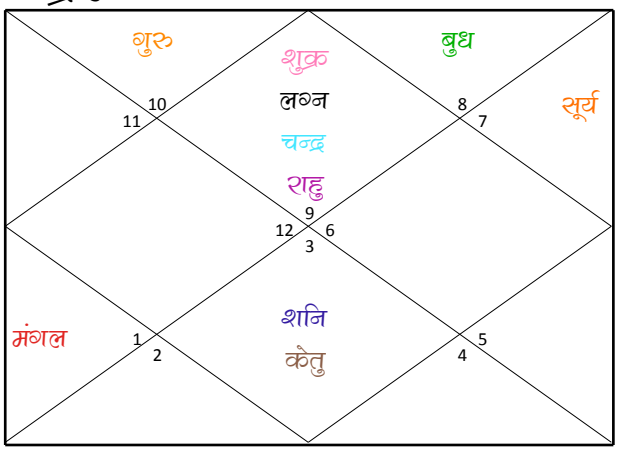

चन्द्र लग्न लाल किताब

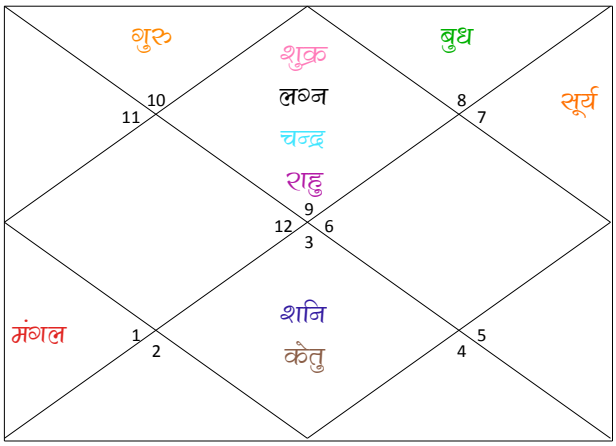

शनि 6 वर्ष	
मंगल	01/11/1973 - 01/11/1975
गुरु	01/11/1975 - 01/11/1977
शुक्र	01/11/1977 - 01/11/1979

राहु 6 वर्ष	
केतु	01/11/1979 - 01/11/1981
बुध	01/11/1981 - 01/11/1983
मंगल	01/11/1983 - 01/11/1985

केतु 3 वर्ष	
शुक्र	01/11/1985 - 01/11/1986
मंगल	01/11/1986 - 01/11/1987
बुध	01/11/1987 - 01/11/1988

गुरु 6 वर्ष	
बुध	01/11/1988 - 01/11/1990
सूर्य	01/11/1990 - 01/11/1992
शनि	01/11/1992 - 01/11/1994

सूर्य 2 वर्ष	
शनि	01/11/1994 - 01/07/1995
राहु	01/07/1995 - 01/03/1996
केतु	01/03/1996 - 01/11/1996

चन्द्र 1 वर्ष	
सूर्य	01/11/1996 - 01/03/1997
शनि	01/03/1997 - 01/07/1997
राहु	01/07/1997 - 01/11/1997

शुक्र 3 वर्ष	
केतु	01/11/1997 - 01/11/1998
चन्द्र	01/11/1998 - 01/11/1999
गुरु	01/11/1999 - 01/11/2000

मंगल 6 वर्ष	
केतु	01/11/2000 - 01/11/2002
शुक्र	01/11/2002 - 01/11/2004
चन्द्र	01/11/2004 - 01/11/2006

बुध 2 वर्ष	
राहु	01/11/2006 - 01/07/2007
केतु	01/07/2007 - 01/03/2008
सूर्य	01/03/2008 - 01/11/2008

शनि 6 वर्ष	
मंगल	01/11/2008 - 01/11/2010
गुरु	01/11/2010 - 01/11/2012
शुक्र	01/11/2012 - 01/11/2014

राहु 6 वर्ष	
केतु	01/11/2014 - 01/11/2016
बुध	01/11/2016 - 01/11/2018
मंगल	01/11/2018 - 01/11/2020

केतु 3 वर्ष	
शुक्र	01/11/2020 - 01/11/2021
मंगल	01/11/2021 - 01/11/2022
बुध	01/11/2022 - 01/11/2023

गुरु 6 वर्ष	
बुध	01/11/2023 - 01/11/2025
सूर्य	01/11/2025 - 01/11/2027
शनि	01/11/2027 - 01/11/2029

सूर्य 2 वर्ष	
शनि	01/11/2029 - 01/07/2030
राहु	01/07/2030 - 01/03/2031
केतु	01/03/2031 - 01/11/2031

चन्द्र 1 वर्ष	
सूर्य	01/11/2031 - 01/03/2032
शनि	01/03/2032 - 01/07/2032
राहु	01/07/2032 - 01/11/2032

शुक्र 3 वर्ष	
केतु	01/11/2032 - 01/11/2033
चन्द्र	01/11/2033 - 01/11/2034
गुरु	01/11/2034 - 01/11/2035

मंगल 6 वर्ष	
केतु	01/11/2035 - 01/11/2037
शुक्र	01/11/2037 - 01/11/2039
चन्द्र	01/11/2039 - 01/11/2041

बुध 2 वर्ष	
राहु	01/11/2041 - 01/07/2042
केतु	01/07/2042 - 01/03/2043
सूर्य	01/03/2043 - 01/11/2043

शनि 6 वर्ष	
मंगल	01/11/2043 - 01/11/2045
गुरु	01/11/2045 - 01/11/2047
शुक्र	01/11/2047 - 01/11/2049

राहु 6 वर्ष	
केतु	01/11/2049 - 01/11/2051
बुध	01/11/2051 - 01/11/2053
मंगल	01/11/2053 - 01/11/2055

केतु 3 वर्ष	
शुक्र	01/11/2055 - 01/11/2056
मंगल	01/11/2056 - 01/11/2057
बुध	01/11/2057 - 01/11/2058

गुरु 6 वर्ष	
बुध	01/11/2058 - 01/11/2060
सूर्य	01/11/2060 - 01/11/2062
शनि	01/11/2062 - 01/11/2064

सूर्य 2 वर्ष	
शनि	01/11/2064 - 01/07/2065
राहु	01/07/2065 - 01/03/2066
केतु	01/03/2066 - 01/11/2066

चन्द्र 1 वर्ष	
सूर्य	01/11/2066 - 01/03/2067
शनि	01/03/2067 - 01/07/2067
राहु	01/07/2067 - 01/11/2067

शुक्र 3 वर्ष	
केतु	01/11/2067 - 01/11/2068
चन्द्र	01/11/2068 - 01/11/2069
गुरु	01/11/2069 - 01/11/2070

मंगल 6 वर्ष	
केतु	01/11/2070 - 01/11/2072
शुक्र	01/11/2072 - 01/11/2074
चन्द्र	01/11/2074 - 01/11/2076

बुध 2 वर्ष	
राहु	01/11/2076 - 01/07/2077
केतु	01/07/2077 - 01/03/2078
सूर्य	01/03/2078 - 01/11/2078

शनि 6 वर्ष	
मंगल	01/11/2078 - 01/11/2080
गुरु	01/11/2080 - 01/11/2082
शुक्र	01/11/2082 - 01/11/2084

राहु 6 वर्ष	
केतु	01/11/2084 - 01/11/2086
बुध	01/11/2086 - 01/11/2088
मंगल	01/11/2088 - 01/11/2090

केतु 3 वर्ष	
शुक्र	01/11/2090 - 01/11/2091
मंगल	01/11/2091 - 01/11/2092
बुध	01/11/2092 - 01/11/2093

गुरु 6 वर्ष	
बुध	01/11/2093 - 01/11/2095
सूर्य	01/11/2095 - 01/11/2097
शनि	01/11/2097 - 01/11/2099

सूर्य 2 वर्ष	
शनि	01/11/2099 - 01/07/2100
राहु	01/07/2100 - 01/03/2101
केतु	01/03/2101 - 01/11/2101

चन्द्र 1 वर्ष	
सूर्य	01/11/2101 - 01/03/2102
शनि	01/03/2102 - 01/07/2102
राहु	01/07/2102 - 01/11/2102

शुक्र 3 वर्ष	
केतु	01/11/2102 - 01/11/2103
चन्द्र	01/11/2103 - 01/11/2104
गुरु	01/11/2104 - 01/11/2105

मंगल 6 वर्ष	
केतु	01/11/2105 - 01/11/2107
शुक्र	01/11/2107 - 01/11/2109
चन्द्र	01/11/2109 - 01/11/2111

बुध 2 वर्ष	
राहु	01/11/2111 - 01/07/2112
केतु	01/07/2112 - 01/03/2113
सूर्य	01/03/2113 - 01/11/2113

धर्मी टेवा

लाल किताब में कुछ कुन्डली धर्मी टेवा से प्रभावित होती है। लाल किताब के अनुसार राहु, केतु एवं शनि अशुभ ग्रह माने जाते है। मंगल का प्रभाव यदि अशुभ हो तो यह ग्रह भी अशुभ माना जाता है। धर्मी टेवा में अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है।
यदि टेवा में बृहस्पति, शनि के साथ किसी भी घर में स्थित हो या फिर शनि 11वें घर में हो, तो वह धर्मी टेवा कहलाता है। यदि बृहस्पति के साथ शनि हो तो वह कई कष्टों का निवारक होता है एवं जीवन को नियंत्रित कर देता है। खास तौर पर 6ठे, 9वें, 11वें या फिर 12वें घरों में बृहस्पति-शनि का सेंयोग बहुत फलदायक होता है। यदि किसी टेवा में राहु या केतु में से कोई ग्रह 4थे घर में स्थित हो तो भी वह धर्मी टेवा कहलाता है। टेवा में चंद्र का सेंयोग राहु या फिर केतु के साथ किसी भी घर में हाने पर भी वह धर्मी टेवा हो जाता है।
धर्मी टेवा वाले जातक को परेशानियों के समय ईश्वर की सहायता एवं कृपा प्राप्त हाती है। शनि जो कि भाग्य एवं मुश्किलों का कारक होता है, बृहस्पति के सेंयोग से जातक के जीवन में शुभ फल प्रदान करता है। वैसे ही राहु अथवा केतु जो कि अशुभ ग्रह माने जाते है, यदि 4थे घर में स्थित हो या फिर चंद्र के साथ किसी भी घर में हो, तो वह जातक को कोई हानि नहीं पहुंचाते। धर्मी टेवा में अशुभ ग्रहों कि अशुभता तथा सारी समस्याओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष
आपकी पत्री में धर्मी टेवा हैं।

रतांध ग्रह / अर्द्ध-अंधे ग्रह

लाल किताब के अनुसार कुछ कुन्डली में ग्रहों की स्तिथी अनुकूल होने पर भी वह शुभ फल प्रदान नहीं करते। इस प्रकार का टेवा व्यावसायिक जीवन, मन की शांति एवं ग्रहस्थ जीवन के लिए अशुभ सिद्ध होते है। इस प्रकार के टेवे (रतांध ग्रह) उस इन्सान कि तरह होते है जो दिन में देख सकते है परंतु रात्रि में अंधे हो जाते हैं।
यदि टेवा में 4थे घर में सूर्य और 7वें घर में शनि स्थित हो तो वह अर्द्ध-अंधा टेवा कहलाता है। एसी स्थिती में शनि अपनी दसवीं पूर्ण दृष्टि से सूर्य को प्रभावित करता है। शनि की दृष्टि सूर्य पर पड़ने से सूर्य के शुभता, अशुभता में बदल जाती है क्यों कि शनि, 7वें घर में होने से बहुत शक्तिशाली हो जाता है। शनि कि

स्थिती से नवम, प्रथम तथा चतुर्थ भाव (जो कि भाग्य, स्वास्थ्य तथा सुख के स्थान है) भी प्रभावित होते हैं और उनके शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाते है।
अतः एसी स्थिती में सूर्य के उपायों कि कोई मान्यता नहीं है। शनि के अशुभ फलों को नष्ट करने के लिए, जातक को मात्र शनि के उपायों का ही पालन करना चाहिए।

निष्कर्ष
आपकी पत्री में रतांध ग्रह / अर्द्ध-अंधे ग्रह से प्रभावित नहीं हैं।

अंधा ग्रह

कुन्डली में दशम भाव का बहुत महत्व होता है क्यों कि यह भाव कर्म से सम्बन्धित होता है। शारीरिक तौर पर यह भाव हड्डीयाँ, पीठ तथा घुटनो के जोड़ से सम्बन्धित है। इस भाव से ओहदा, कीर्ति, उद्योग, व्यापार, बड़ी पदवी की प्राप्ति, अधिकार, नौकरी, राज्य, सत्ता, ऐश्वर्य-भोग एवं प्रतिष्ठा का विचार किया जाता है। इस से सम्बन्धित रोग एंव विकार चर्म रोग तथा घुटनो का दर्द है। यदि टेवा में, 10वें घर में कोई भी ग्रह न हो अर्थात खाली हो या फिर 10वें घर में शत्रु ग्रह स्थित हो तो वह अंधा टेवा कहलाता है।
उदाहरण के तौर पर चंद्र-केतु, शनि-सूर्य, सूर्य-राहु आदि शत्रु ग्रह हैं। इस तरह के ग्रह 10वें भाव में होने से, अपना प्रभाव दूसरे ग्रहों कि शुभता पर डालते है और वह अशुभ फल में परिणत हो जाते हैं।

निष्कर्ष
आपकी पत्री में अंधा ग्रह से प्रभावित नहीं हैं।

नाबालिग ग्रहों से प्रभावित हैं।

लाल किताब के अनुसार चंद कुन्डली कुछ हालतो में बारह साल की उम्र तक नाबालिक टेवे होते है। इस तरह कि कुन्डली वाले जातक की किस्मत 12 साल तक शक्की होती है। एसे बालक के जीवन पर 12 साल तक, कुन्डली का नहीं बलकि उसके पिछले जन्म के भाग्य के असर का प्रभाव रहता है। इस तरह कि कुन्डली के ग्रहों का प्रभाव उस नाबालिक के समान होता है, जो अपने परिवार के बड़ों पर निर्भर हैं और अपने बल पर ज्यादा कुछ हासिल नहीं कर सकता। वैसे ही नाबालिग टेवा में ग्रहों की स्तिथी अनुकूल होने

पर भी वह अपना पूर्ण शुभ फल प्रदान नहीं कर पाते।
यदि टेवा में प्रथम, चतुर्थ, सप्तम और दशम भाव (केंद्र स्थान) में कोई भी ग्रह न हो अर्थात खाली हो अथवा उनमें सिर्फ पापी ग्रह (शनि, राहु या केतु) हो, या फिर इनमें से किसी स्थानो में अकेला बुध स्थित हो, तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा कहलाता है। लाल किताब के अनुसार, नाबालिक टेवा वाले जातक के जीवन पर हरेक ग्रह का प्रभाव, प्रत्येक वर्ष, 12 साल की आयु तक निम्नलिखित अनुसार पड़ता है।
जातक को अपने जीवन पर इन ग्रहों से पड़ने वाले अशुभ फलों को शुभ फल में परिणत करने के लिए प्रत्येक वर्ष, उन ग्रहों का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष
आपकी पत्री में नाबालिग ग्रहों से प्रभावित नहीं हैं।

जातक की आयु	प्रभाव डालने वाला घर
1	सांतवें घर के ग्रह
2	चौथे घर के ग्रह
3	नौवें घर के ग्रह
4	दसवें घर के ग्रह
5	ग्यारहवें घर के ग्रह
6	तीसरे घर के ग्रह
7	दूसरे घर के ग्रह
8	पांचवें घर के ग्रह
9	छठे घर के ग्रह
10	बारहवें घर के ग्रह
11	पहले घर के ग्रह
12	आठवें घर के ग्रह

कुन्डली में कुछ ग्रहों की स्तिथी अनुकूल न होने के कारण जातक अपने जीवन में कई प्रकार से ऋणी हो जाता है। इस स्तिथी में जातक के विकास पर भी असर होता है क्यों कि उन दुषित ग्रहों के प्रभाव से शुभ ग्रह भी अपना अनुकूल फल देना बंद कर देते है। इसलिए इस तरह कि कुन्डली वाले जातको को चाहिए कि वह इन ऋण भार से अपने आप को मुक्त करें ताकि ग्रहों के शुभ फल पा सके एवं अपना शेष जीवन सुख पूर्वक व्यतीत कर सके। नीचे ऋणो के कई प्रकार एवं उनके लक्षण दिए गए हैं जिससे जातक के जीवन पर असर पड़ सकता है। साथ में एसी स्थिती के हाने पर उनके उपाय भी दिए गए हैं।

पितृ ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में शुक्र, बुध या फिर राहु, इनमें से कोई भी ग्रह दूसरे, पांचवे, नौंवे या बारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

पाप का कारणः- घर के पास बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना या फिर खानदान के कुल पुरोहित को बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना।

उपाय

1. कुल खानदान के हरेक सदस्य जहाँ तक खून का सम्बंध है (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन-बेटी, बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर का हिस्सा लेकर के उसी दिन मंदिर में दान कर देना।
2. पीपल के पेड़ पर 43 दिन लगातार जल चडाए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में पितृ ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

स्वदोष ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में शुक्र, शनि, राहु या फिर केतु पांचवे खाने में स्थित हो तो जातक पर स्वदोष ऋण होता है।

पाप का कारणः- कुल के पुराने रस्मों-रिवाजों का पालन न करना या नास्तिक होना।

उपाय

1. कुल खानदान के हरेक सदस्य जहाँ तक खून का प्रभाव हो सबका बराबर का हिस्सा लेकर के सूर्य या विश्नू यज्ञ करना या हवन करना।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में स्वदोष ऋण का दोष नहीं हैं।

मातृ ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में केतु चौथे खाने में स्थित हो तो जातक पर मातृ ऋण होता है।

पाप का कारणः- अपनी संतान पैदा होने के बाद माता को दरबदर जुदा करना, दुर्व्यवहार करना या दुःखी करना या उनका खुद ही दुःखी हो जाने पर लापरवाही करना, उनके सुख-दुःख का ख्याल नही खरना।

उपाय

1. चाँदी का सिक्का लेकर उसे दरिया या बहते पानी में बहाया जाए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में मातृ ऋण का दोष नहीं हैं।

भ्रातृ/पारिवारिक ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में बुध अथवा शुक्र प्रथम अथवा अष्टम खाने में स्थित हो तो जातक पर भ्रातृ/पारिवारिक ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी के पके हुए खेत को आग लगा देना या किसी का मकान बनने पर आग लगा देना। भाईयों या रिश्तेदारों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन एवं पारिवारिक त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

उपाय

1. किसी खैराती संस्था को दवाईयाँ दान करें।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में भ्रातृ/पारिवारिक ऋण का दोष नहीं हैं।

स्त्री ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, चंद्र या फिर राहु इनमें से कोई भी ग्रह दूसरे अथवा सातवें खाने में स्थित हो तो जातक पर स्त्री ऋण होता है।

पाप का कारणः- अपनी पत्नी या कुल की किसी स्त्री का किसी लालच या सम्बंध के कारण मार देना या किसी स्त्री को बच्चे जनने की हालत में किसी लालच के कारण जान से मार देना।

उपाय

1. 100 गायों को एक ही दिन में चारा खिलाएँ।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में स्त्री ऋण का दोष नहीं हैं।

कन्या/बहन ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में चंद्र तीसरे अथवा छठे खाने में स्थित हो तो जातक पर कन्या/बहन का ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी की लड़की या बहन की हत्या करना या हद से ज्यादा जुल्म करना। बहन का ख्याल न रखना या किसी लड़की को धोखा देना।

उपाय

1. पीले रंग की कौड़ियां खरीद कर एक जगह इकट्ठी करके जलाकर राख कर उसी दिन दरिया या बहते पानी में बहा दे।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में कन्या/बहन ऋण का दोष नहीं हैं।

क्रूर/जालिमाना ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, चंद्र या फिर मंगल, इनमें से कोई भी ग्रह दशम अथवा ग्यारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर क्रूर/जालिमाना ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी का मकान अथवा जमीन धोखेसे ले लेना, उसकी कीमत किसी तरह भी अदा न करना।

उपाय

1. 100 मजदूरों को अथवा अलग-अलग जगह की 100 मछलियों को एक ही दिन में खाना खिलाएँ।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में क्रूर/जालिमाना ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

अजन्म/पैदा न हुए का ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, शुक्र अथवा मंगल, इनमें से कोई भी ग्रह बारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर आजन्मकृत ऋण होता है।

पाप का कारणः- ससुराल से धोखा या आपसी रिश्तेदारी में धोखा फरेब की घटनाएँ, ऐसे ढंग से कि दूसरों का कुल ही तबाह हो गया हो।

उपाय

1. एक नारियल लेकर उसी दिन दरिया या बहते पानी में बहा दे।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में अजन्म/पैदा न हुए का ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

प्रकृती ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में चंद्र या फिर मंगल छठे खाने में स्थित हो तो जातक पर प्रकृती/कुदरती ऋण होता है।

पाप का कारणः- कुत्तों को मारना या मरवाना, बदचलनी या अपने भतीजे से धोखा करना, ऐसे ढंग से कि हद से अधिक तबाही हो जाए।

उपाय

1. 100 कुत्तों को एक ही दिन में खाना खिलाएँ।
2. किसी विदवाह की सेवा करके उसका आशीर्वाद प्राप्त करें।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में प्रकृती ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

सूर्य ग्रह का प्रभाव

इस घर में अकेला बैठा सूर्य विरासत, पिता का सुख, आँखों की रोशनी तथा लोहे की चीजों पर बुरा असर दिया करता है । बिजली से सम्बन्धित कार्य करना आपके लिए अनुचित है। क्योंकि यह शनि का घर है इसलिए नीले और काले कपड़े शरीर पर धारण करना मंदा असर देगा। यथा सम्भव भूरी भैंस को चारा इत्यादि खिलाकर सेवा करें, ।

उपाय

1. सिर पर हमेशा सफेद टोपी पहनें।
2. अपनी परेशानियों को दूसरों को न बताएं।
3. बहते हुए पानी में ताँबे का पैसा बहाएं।

चन्द्र ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली में चंद्रमा बारहवें घर में स्थित होने से आपकी अधिक मनोकामनाएँ पूर्ण नहीं होने की सम्भावनाएँ हो सकती हैं । मानसिक उलझनो की वजह से आपको अच्छी नींद नहीं आ सकती है। साधारण रूप से शिक्षित होने पर भी आप समझदार होंगी। आप धनैश्वर्य से कम समृद्ध रहेंगी। जल तथा स्त्रियों से जीवन में भय रहेगा अतः सावधानी बर्तें। आप अधिक खर्च करेंगी एवं बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी तथा लोगों से अधिक वार्तालाप करने में रुचि लेंगी । आप संघर्षमय जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा जीवन-साथी की आँखों में परेशानी हो सकती है।

उपाय

1. प्रत्येक कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व थोड़ा जल अवश्य पीएं।
2. घर की छत्त के नीचे हैण्डपम्प लगवाएं।
3. चार चांदी के चौकोने टुकड़े वर्षा के पानी में डालकर घर में रखें।

मंगल ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म पत्रिका के चौथे घर में मंगल की स्थिति यह दर्शाती है कि आप मांगलिक हैं। आप प्रायः शांत स्वभाव की महिला हैं । लेकिन क्रोध आने पर कभी उग्र भी हो जाती हैं जिससे आप बड़े से बड़ा खतरा मोल ले सकती हैं । अपने कुटुम्बियों एवं सगे - सम्बन्धियों के साथ मेल जोल रखें एवं क्रोध पर संयम रखें। संतति होने में विलम्ब हो सकता है। दुर्घटनाओं के प्रति सचेत रहे। आप अपने सुख में कमी का अनुभव कर सकती हैं । आपके पास मकान, वाहन होने की सम्भावना रहेगी। माता का स्नेह मिलता रहेगा। अपने घर से बाहर रहने पर उन्नति होगी।

उपाय

1. चन्द्रमा का उपाय करते रहें।
2. शत्रुता से परहेज करें।
3. मधु, चीनी, शक्कर का व्यवसाय न करें।
4. बरगद की जड़ पर कच्चा दूध डालने से आपके मन को शान्ति मिलेगी।

बुध ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के ग्यारहवें भाव में बुध होने से पैरों तथा कान के रोगों से पीड़ित हो सकती हैं। आप अपनी बुद्धि का प्रयोग करके लाभ प्राप्त करेंगी । आपको व्यवसाय से लाभ होगा। आपकी संतानों का विवाह अच्छे घर में होगा । 34 वर्ष की आयु तक आपको कष्ट रहेंगे उसके बाद आपका भाग्योदय होगा। आपकी आयु के ग्यारह, तेईस, छत्तीस, अड़तालीस, तथा छप्पन साल स्मरणीय होंगे।

उपाय

1. गले में तांबे का पैसा धारण करना धन हानि से बचाव करेगा।
2. 34 वर्ष की आयु के बाद हीरा धारण करने से आसातीत लाभ होगा।
3. किसी साधु एवं फकीर से यंत्र, ताबीज न लें।

गुरु ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली में बृहस्पति प्रथम भाव में होने से आप समाज में मान-सम्मान पाएँगी। धार्मिक

विचारों के होने से आप खूब तरक्की करेंगी। आयु का हर आठवाँ साल यादगार रहेगा। राहु की स्थिति खराब होने पर पैरों में कष्ट हो सकता है तथा पिता को भी कष्ट हो सकता है। विवाह के बाद आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होती चली जाएगी।

उपाय

1. गाय को चारा खिलाते रहें।
2. नाक हमेशा खुश्क रखें।
3. पती का उचित मान-सम्मान करें।
4. माथे पर हमेशा हल्दी का तिलक लगाएँ।

शुक्र ग्रह का प्रभाव

शुक्र बारहवें घर में होने से आप अपने परिवार का पालन पोषण अच्छी तरह से करेंगी। पुरुष पक्ष से आपको धन, यश, सुख लाभ रहेगा । अपने पति के माध्यम से आप खूब उन्नति करेंगी। परोपकार के कार्यों में दान देने में आपकी रुचि रहेगी तथा अधिकतया अच्छे कार्यों में ही आप अपने धन का व्यय करेंगी। विवाह के पश्चात् आपकी आमदनी में वृद्धि होगी। आप रसिक मिजाज की महिला होंगी तथा गायन आदि में आपकी रुचि रहेगी । खेती-बाड़ी के कार्यों से आपको लाभ मिलेगा तथा दीर्घायु एवं धार्मिक जीवन का यापन करेंगी।

उपाय

1. पति से परोपकारी कार्य करवाएं।
2. दूसरों के वस्त्र न पहनें।
3. गाय दान करें एवं नित्यप्रति घर में घी का दीपक प्रज्वलित करती रहें।

शनि ग्रह का प्रभाव

शनि ग्रह छठे भाव में होने से 28 वर्ष की उम्र तक आपके पति एवं संतान के लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा इसके पश्चात् ही आपको दामपत्य सुख का उत्तम लाभ रहेगा। आप 36 से 42 वर्ष के भीतर मकान बनवा

सकती हैं । आपको भाईयों की ओर से सामान्य सहयोग रहेगा। आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा परंतु मुकदमा आदि सरकारी परेशानियाँ हो सकती हैं अतः सावधानी बर्तें।

उपाय

1. मांस, शराब, अण्डे का व्यवसाय न करें।
2. पुरुषों के चक्कर में न पड़े एवं शराब न पीएं।
3. अपनी महत्वपूर्ण योजनाएं रात्रि में बनाएं तथा कृष्ण पक्ष के समय दिन में भी बना सकती हैं।

राहु ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म पत्रिका के बारहवें भाव में राहु होने से आपका जीवन अधिक परिवर्तनशील रहेगा। एक स्थान पर आपको चैन नहीं मिलेगा। आप जीवन में अपने बलबूते पर उन्नति करेंगी। आप घर गृहस्थी की चिंताएँ कम रखेंगी । लड़की के जन्म होने के पश्चात् आपके धन-वैभव में वृद्धि होगी। रात्रि के समय आपकी निद्रा भंग होने की आशंकाएं रहेंगी जिससे शयन सुख में कमी रहेगी। आप बड़े व्यर्थ के ख्वाब देखेंगी। अधिक बोलने में अपना समय गँवाएंगी एवं मानसिक तनाव से पीड़ित रहेंगी।

उपाय

1. व्यर्थ की बातें तथा व्यर्थ की चिन्ता न करें।
2. मांगलिक वस्तुओं का दान करें।
3. माता सरस्वती देवी की अर्चना करती रहें।
4. चांदी के हाथी की प्रतिमा घर में रखें।
5. मानसिक शान्ति के लिये धर्म-कर्म एवं संत्संग करें।

केतु ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के छठे घर में केतु स्थित होने से आप शत्रुहंता होंगी। मातृ कष्ट होने की सामान्य सम्भावना रहेगी । दूसरों की मदद करने में आप आगे आएँगी। अनावश्यक व्यय भी कर सकती हैं। आप लंबी यात्राएँ करेंगी एवं उनसे लाभ भी प्राप्त करेंगी। आप लंबी आयु तक जीएंगी एवं जीवन के अंतिम समय

आपको में कष्ट हो सकता है।

उपाय

1. कुत्ता पालें तथा बृहस्पति का उपाय करें।
2. धर्मस्थल में केले दान करती रहें।
3. केतु ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान करें।

वर्ष 2018 - 2019 लाल किताब वर्ष कुण्डली

जन्म लग्न

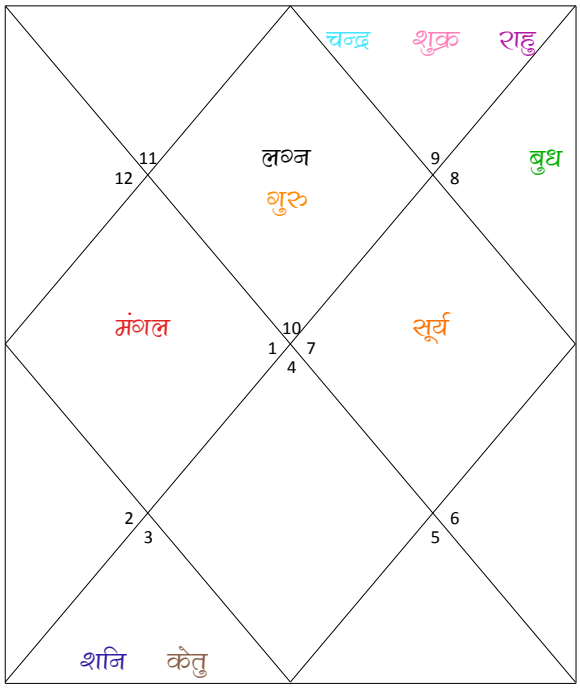

लाल किताब कुण्डली

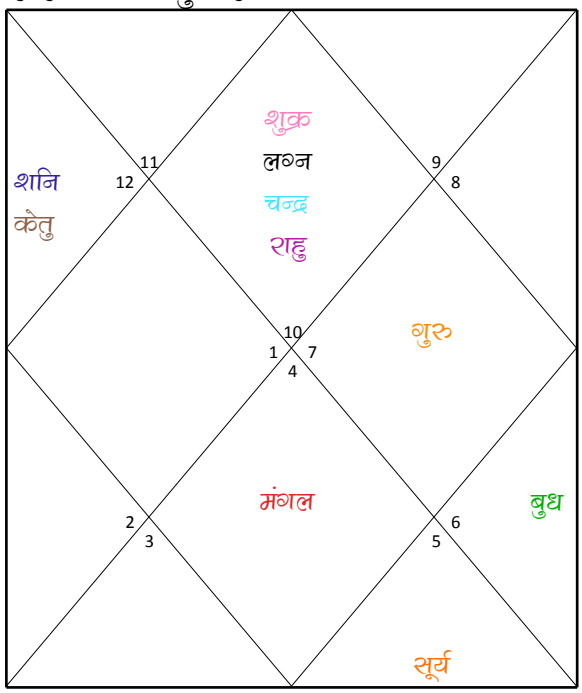

लाल किताब उपाय

ग्रह	उपाय
सूर्य	दक्षिण मुखी इमारतें आपके लिए भाग्यकारी नहीं हैं। यदि आप पुरुष हैं तो ससुराल में न रहें।
चन्द्र	बच्चों के साथ नदी पार करते समय कुछ सिक्के नदी में गिरा दें। चाँदी के गिलास में पानी पीने से धन, परिवार वृद्धि होगी।
मंगल	बहन, बेटी और साली को कभी -कभी मिठाई दें।
बुध	आर्थिक समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए रात को मुट्ठी भर हरी मूंग की साबुत दाल भिगोकर सुबह कबूतरों को।
गुरु	ज्यादा दान-पुण्य, भलाई, परोपकार के काम न करें। जरूरत से ज्यादा पूजा अर्चना भी आपके लिए उचित नहीं है छेद वाला तांबे का पैसा प्रतिदिन चलते पानी में 43 दिन लगातार गिराने से शुभ फल आएँगे।
शुक्र	सेहत, धन व खुशियाँ प्राप्त करने के लिए कौए, कुत्ते और गाय को अपने भोजन का कुछ हिस्सा अवश्य दें। प्रभु पूर्ण विश्वास रखें।
शनि	धन सम्पदा के लिए तीन कुत्तों को प्रतिदिन भोजन दें।
राहु	गले में चाँदी की चेन में चाँदी का चौकोर टुकड़ा पहनें। नीले व काले कपड़े न पहनें।
केतु	गले में सोने की चेन पहनें।

नाम	Aishwarya Rai	अक्षांश	012.54.N	नक्षत्र	पूर्वाषाढा-4
जन्म तिथि	01/11/1973 गुरुवार	रेखांश	074.48.E	योग	धृति
जन्म समय	12:00:00	विषुव काल	14: 10: 49	चन्द्र तिथि	6
जन्म स्थान	MANGALORE	सूर्योदय	6: 24: 50	अयनांश	23:29:29
भोग्य दशा	शुक्र 4व 9मा 14दि	सूर्यास्त	18: 4: 53	नामाक्षर	ढ

जन्म लग्न

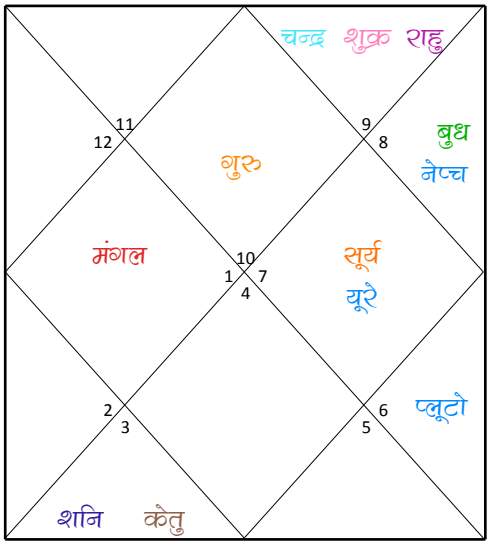

चलित

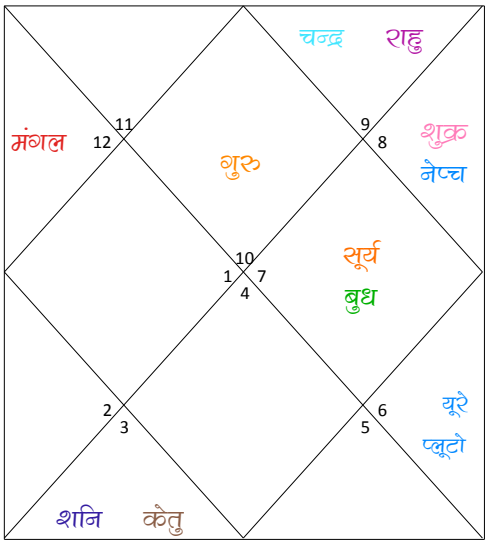

Nadi Co_Ordinates

ग्रह	केतु	1,2,5,6,7,9,10,11,12	चन्द्र	7,12	गुरु	1,3,12
नक्षत्र स्वामी	मंगल	3,4,11	शुक्र	5,10,11	चन्द्र	7,12
उपस्वामी	चन्द्र	7,12	शनि	1,2,6	चन्द्र	7,12
ग्रह	शुक्र	5,10,11	मंगल	3,4,11	शनि	1,2,6
नक्षत्र स्वामी	केतु	1,2,5,6,7,9,10,11,12	केतु	1,2,5,6,7,9,10,11,12	राहु	1,2,3,5,6,7,10,11,12
उपस्वामी	शुक्र	5,10,11	राहु	1,2,3,5,6,7,10,11,12	शनि	1,2,6
ग्रह	सूर्य	8,10	राहु	1,2,3,5,6,7,10,11,12	बुध	6,9,10
नक्षत्र स्वामी	राहु	1,2,3,5,6,7,10,11,12	केतु	1,2,5,6,7,9,10,11,12	गुरु	1,3,12
उपस्वामी	केतु	1,2,5,6,7,9,10,11,12	राहु	1,2,3,5,6,7,10,11,12	राहु	1,2,3,5,6,7,10,11,12
ग्रह	यूरे	1,9	नेप्च	3,11	प्लूटो	9,11
नक्षत्र स्वामी	मंगल	3,4,11	शनि	1,2,6	चन्द्र	7,12
उपस्वामी	बुध	6,9,10	मंगल	3,4,11	राहु	1,2,3,5,6,7,10,11,12

विंशोत्तरी दशा

शुक्र	15/08/58 - 15/08/78
सूर्य	15/08/78 - 15/08/84
चन्द्र	15/08/84 - 15/08/94
मंगल	15/08/94 - 15/08/01
राहु	15/08/01 - 15/08/19
गुरु	15/08/19 - 15/08/35
शनि	15/08/35 - 15/08/54
बुध	15/08/54 - 15/08/71
केतु	15/08/71 - 15/08/78

अन्तरदशा

राहु मंगल	28/07/18-15/08/19
गुरु गुरु	15/08/19-02/10/21
गुरु शनि	02/10/21-15/04/24
गुरु बुध	15/04/24-21/07/26
गुरु केतु	21/07/26-27/06/27
गुरु शुक्र	27/06/27-25/02/30
गुरु सूर्य	25/02/30-15/12/30
गुरु चन्द्र	15/12/30-15/04/32
गुरु मंगल	15/04/32-21/03/33

(प्रत्यंतर)

रा मं शु	22/04/19-25/06/19
रा मं सू	25/06/19-14/07/19
रा मं च	14/07/19-15/08/19
गु गु गु	15/08/19-27/11/19
गु गु श	27/11/19-29/03/20
गु गु बु	29/03/20-18/07/20
गु गु के	18/07/20-01/09/20
गु गु शु	01/09/20-09/01/21
गु गु सू	09/01/21-17/02/21
गु गु च	17/02/21-23/04/21
गु गु मं	23/04/21-07/06/21
गु गु रा	07/06/21-02/10/21
गु श श	02/10/21-26/02/22
गु श बु	26/02/22-07/07/22
गु श के	07/07/22-30/08/22
गु श शु	30/08/22-31/01/23
गु श सू	31/01/23-18/03/23
गु श च	18/03/23-03/06/23
गु श मं	03/06/23-27/07/23
गु श रा	27/07/23-13/12/23
गु श गु	13/12/23-15/04/24
गु बु बु	15/04/24-10/08/24
गु बु के	10/08/24-27/09/24
गु बु शु	27/09/24-12/02/25

Pla	Sgn	Deg	Lrd	N.L.	S.L.	SSL
सूर्य	तुला	15:12'01''	शुक्र	राहु	केतु	बुध
चन्द्र	धनु	23:28'34''	गुरु	शुक्र	शनि	राहु
मंगल-व	मेष	05:47'24''	मंगल	केतु	राहु	राहु
बुध-व	वृश्चिक	02:51'50''	मंगल	गुरु	राहु	शुक्र
गुरु	मकर	10:36'15''	शनि	चन्द्र	चन्द्र	शनि
शुक्र	धनु	01:51'37''	गुरु	केतु	शुक्र	राहु
शनि-व	मिथुन	11:02'48''	बुध	राहु	शनि	बुध
राहु-व	धनु	06:16'21''	गुरु	केतु	राहु	शनि
केतु-व	मिथुन	06:16'21''	बुध	मंगल	चन्द्र	बुध
यूरे	तुला	00:53'45''	शुक्र	मंगल	बुध	चन्द्र
नेप्च	वृश्चिक	12:38'00''	मंगल	शनि	मंगल	केतु
प्लूटो	कन्या	12:03'45''	बुध	चन्द्र	राहु	राहु

HNo	Sgn	Deg	Lrd	N.L.	S.L.	SSL
1	मकर	2:11'7''	शनि	सूर्य	गुरु	शुक्र
2	कुम्भ	5:13'2''	शनि	मंगल	सूर्य	शनि
3	मीन	9:33'17''	गुरु	शनि	शुक्र	शनि
4	मेष	11:29'36''	मंगल	केतु	बुध	बुध
5	वृष	9:35'28''	शुक्र	सूर्य	शुक्र	बुध
6	मिथुन	5:30'7''	बुध	मंगल	सूर्य	शुक्र
7	कर्क	2:11'7''	चन्द्र	गुरु	राहु	शनि
8	सिंह	5:13'2''	सूर्य	केतु	मंगल	बुध
9	कन्या	9:33'17''	बुध	सूर्य	शुक्र	शनि
10	तुला	11:29'36''	शुक्र	राहु	शनि	शुक्र
11	वृश्चिक	9:35'28''	मंगल	शनि	शुक्र	शनि
12	धनु	5:30'7''	गुरु	केतु	मंगल	चन्द्र

ॐ श्री गणेशाय नमः

नाम	Aishwarya Rai
लिंग	स्त्री
जन्म तिथि	01/11/1973
दिन वार	गुरुवार
जन्म समय	12:00:00
विषुव काल	14: 10: 49
भोग्य दशा	शुक्र 4व 9मा 14दि
लग्न	मकर
राशि	धनु
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा

जन्म स्थान	MANGALORE
अक्षांश	012.54.m
रेखांश	074.48.i
स्थानीय समय	11:29:12
स्थानीय तिथि	01/11/1973
चन्द्र तिथि	6
चित्रपक्षीय अयनांश	23:29:29
लग्नेश	शनि
राशीश	गुरु
नक्षत्र स्वामी	शुक्र

भाव	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
1	मकर	2:11'7''	सूर्य	गुरु	शुक्र
2	कुम्भ	5:13'2''	मंगल	सूर्य	शनि
3	मीन	9:33'17''	शनि	शुक्र	शनि
4	मेष	11:29'36''	केतु	बुध	बुध
5	वृष	9:35'28''	सूर्य	शुक्र	बुध
6	मिथुन	5:30'7''	मंगल	सूर्य	शुक्र
7	कर्क	2:11'7''	गुरु	राहु	शनि
8	सिंह	5:13'2''	केतु	मंगल	बुध
9	कन्या	9:33'17''	सूर्य	शुक्र	शनि
10	तुला	11:29'36''	राहु	शनि	शुक्र
11	वृश्चिक	9:35'28''	शनि	शुक्र	शनि
12	धनु	5:30'7''	केतु	मंगल	चन्द्र

ग्रहादि अंश

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
सूर्य	तुला	15:12'01''	राहु	केतु	बुध
चन्द्र	धनु	23:28'34''	शुक्र	शनि	राहु
मंगल-व	मेष	05:47'24''	केतु	राहु	राहु
बुध-व	वृश्चिक	02:51'50''	गुरु	राहु	शुक्र
गुरु	मकर	10:36'15''	चन्द्र	चन्द्र	शनि
शुक्र	धनु	01:51'37''	केतु	शुक्र	राहु
शनि-व	मिथुन	11:02'48''	राहु	शनि	बुध
राहु-व	धनु	06:16'21''	केतु	राहु	शनि
केतु-व	मिथुन	06:16'21''	मंगल	चन्द्र	बुध
यूरे	तुला	00:53'45''	मंगल	बुध	चन्द्र
नेप्च	वृश्चिक	12:38'00''	शनि	मंगल	केतु
प्लूटो	कन्या	12:03'45''	चन्द्र	राहु	राहु
फॉरच्यूना	मीन	10:27'40''	शनि	सूर्य	राहु

जन्म लग्न

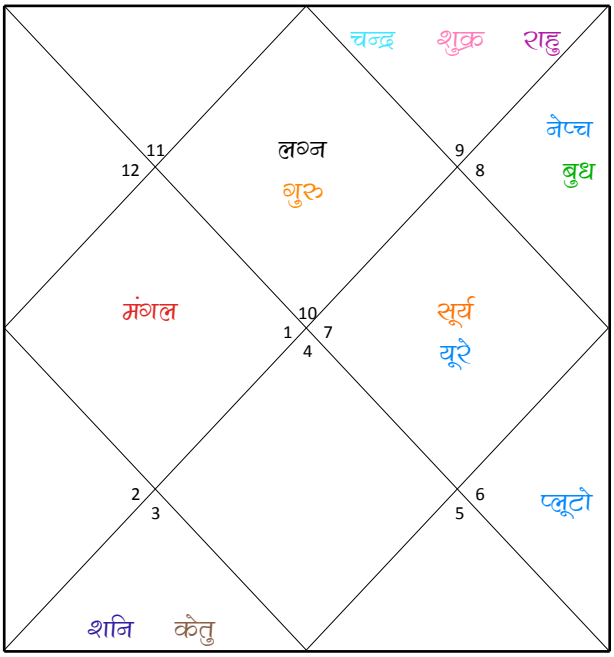

चलित

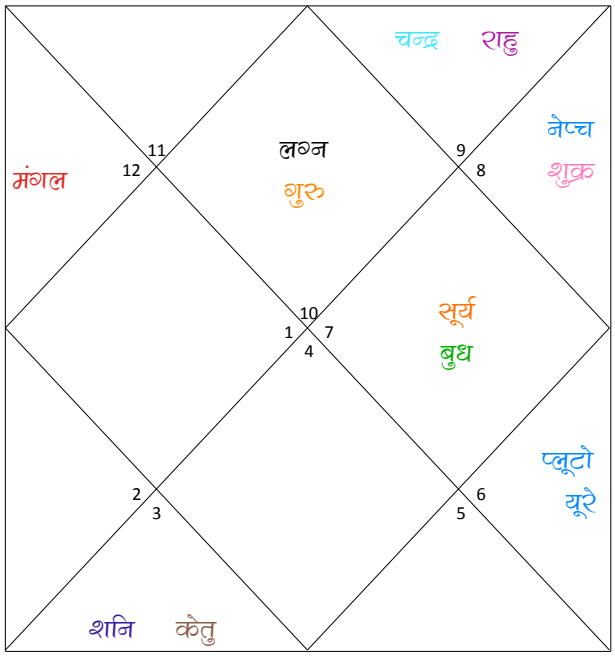

Co_Ordinates Of Planets

ग्रह	केतु 1,2,5,6,7,9,10,11,12	चन्द्र 7,12	गुरु 1,3,12	यूरे 1,9
नक्षत्र स्वामी	मंगल3,4,11	शुक्र 5,10,11	चन्द्र 7,12	मंगल3,4,11
उपस्वामी	चन्द्र 7,12	शनि 1,2,6	चन्द्र 7,12	बुध 6,9,10
ग्रह	शुक्र 5,10,11	मंगल3,4,11	शनि 1,2,6	नेप्च 3,11
नक्षत्र स्वामी	केतु 1,2,5,6,7,9,10,11,12	केतु 1,2,5,6,7,9,10,11,12	राहु 1,2,3,5,6,7,10,11,12	शनि 1,2,6
उपस्वामी	शुक्र 5,10,11	राहु 1,2,3,5,6,7,10,11,12	शनि 1,2,6	मंगल3,4,11
ग्रह	सूर्य 8,10	राहु 1,2,3,5,6,7,10,11,12	बुध 6,9,10	प्लूटो 9,11
नक्षत्र स्वामी	राहु 1,2,3,5,6,7,10,11,12	केतु 1,2,5,6,7,9,10,11,12	गुरु 1,3,12	चन्द्र 7,12
उपस्वामी	केतु 1,2,5,6,7,9,10,11,12	राहु 1,2,3,5,6,7,10,11,12	राहु 1,2,3,5,6,7,10,11,12	राहु 1,2,3,5,6,7,10,11,12

PLANET - SUB LORD OF HOUSE NO. / DASA PERIODS

केतु	15/08/2071-15/08/2078	चन्द्र	15/08/1984-15/08/1994	गुरु	1 15/08/2019-15/08/2035
शुक्र	3,5,9,11 15/08/1958-15/08/1978	मंगल	8,12 15/08/1994-15/08/2001	शनि	10 15/08/2035-15/08/2054
सूर्य	2,6 15/08/1978-15/08/1984	राहु	7 15/08/2001-15/08/2019	बुध	4 15/08/2054-15/08/2071

ॐ श्री गणेशाय नमः

नाम	Aishwarya Rai
लिंग	स्त्री
जन्म तिथि	01/11/1973
दिन वार	गुरुवार
जन्म समय	12:00:00
विषुव काल	14: 10: 49
भोग्य दशा	शुक्र 4व 9मा 14दि
लग्न	मकर
राशि	धनु
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा

जन्म स्थान	MANGALORE
अक्षांश	012.54.m
रेखांश	074.48.i
स्थानीय समय	11:29:12
स्थानीय तिथि	01/11/1973
चन्द्र तिथि	6
चित्रपक्षीय अयनांश	23:29:29
लग्नेश	शनि
राशीश	गुरु
नक्षत्र स्वामी	शुक्र

भाव	राशि	अंश	स्वामी	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
1	मकर	2:11'7''	शनि	सूर्य	गुरु	शुक्र
2	कुम्भ	5:13'2''	शनि	मंगल	सूर्य	शनि
3	मीन	9:33'17''	गुरु	शनि	शुक्र	शनि
4	मेष	11:29'36''	मंगल	केतु	बुध	बुध
5	वृष	9:35'28''	शुक्र	सूर्य	शुक्र	बुध
6	मिथुन	5:30'7''	बुध	मंगल	सूर्य	शुक्र
7	कर्क	2:11'7''	चन्द्र	गुरु	राहु	शनि
8	सिंह	5:13'2''	सूर्य	केतु	मंगल	बुध
9	कन्या	9:33'17''	बुध	सूर्य	शुक्र	शनि
10	तुला	11:29'36''	शुक्र	राहु	शनि	शुक्र
11	वृश्चिक	9:35'28''	मंगल	शनि	शुक्र	शनि
12	धनु	5:30'7''	गुरु	केतु	मंगल	चन्द्र

ग्रहादि अंश

ग्रह	राशि	अंश	स्वामी	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
सूर्य	तुला	15:12'01''	शुक्र	राहु	केतु	बुध
चन्द्र	धनु	23:28'34''	गुरु	शुक्र	शनि	राहु
मंगल-व	मेष	05:47'24''	मंगल	केतु	राहु	राहु
बुध-व	वृश्चिक	02:51'50''	मंगल	गुरु	राहु	शुक्र
गुरु	मकर	10:36'15''	शनि	चन्द्र	चन्द्र	शनि
शुक्र	धनु	01:51'37''	गुरु	केतु	शुक्र	राहु
शनि-व	मिथुन	11:02'48''	बुध	राहु	शनि	बुध
राहु-व	धनु	06:16'21''	गुरु	केतु	राहु	शनि
केतु-व	मिथुन	06:16'21''	बुध	मंगल	चन्द्र	बुध
यूरे	तुला	00:53'45''	शुक्र	मंगल	बुध	चन्द्र
नेप्च	वृश्चिक	12:38'00''	मंगल	शनि	मंगल	केतु
प्लूटो	कन्या	12:03'45''	बुध	चन्द्र	राहु	राहु
फॉरच्यूना	मीन	10:27'40''	गुरु	शनि	सूर्य	राहु

भाव सूचक

भाव	निवासी के नक्षत्र में स्थित ग्रह	निवासी ग्रह	अधिपति के नक्षत्र में ग्रह	
1	बुध	गुरु		शनि
2				शनि
3	केतु	मंगल	बुध	गुरु
4			केतु	मंगल
5			चन्द्र	शुक्र
6	मंगल शुक्र राहु	शनि केतु		बुध
7			गुरु	चन्द्र
8				सूर्य
9				बुध
10		सूर्य बुध	चन्द्र	शुक्र
11	चन्द्र	शुक्र	केतु	मंगल
12	गुरु सूर्य शनि	चन्द्र राहु	बुध	गुरु

ग्रह	भावो के सूचक
सूर्य	8,10,12
चन्द्र	5,7,10,11,12
मंगल	3,4,6,11
बुध	1,3,6,9,10,12
गुरु	1,3,7,12,12
शुक्र	5,6,10,11
शनि	1,2,6,12
राहु	6,12
केतु	3,4,6,11

च्संदमज ोचमबज वद च्संदमज

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	फॉरच्यूना
सूर्य										
चन्द्र	68									
मंगल				152	85	123		119		
बुध							141		146	
गुरु	85			67						
शुक्र	46			28						
शनि					150					90
राहु									180	
केतु			60		145			180		85
फॉरच्यूना	145	76			59			94		

च्संदमज ोचमबज वद ब्नेच

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
सूर्य	76		144									
चन्द्र			76		136							
मंगल						59	86	119	153			
बुध	59	92										32
गुरु			58	90	118	144						
शुक्र	30	63										
शनि									88	120	148	
राहु		58	93		153	179						359
केतु						359		58	93		153	179
फॉरच्यूना			359	31	59	85		144	179			

Conj.	Conjunction	+- 3	Degree	Trine	Trine [120]	+- 4	Degree
S.Sex	Semi Sextile [30]	+- 3	Degree	Sqin.	Sesquinquadrate [135]	+- 4	Degree
S.Sqr	Semi Square [45]	+- 3	Degree	Bqin.	Biquintile [145]	+- 3	Degree
Sextile	Sextile [60]	+- 5	Degree	Qinc.	Quincunx [150]	+- 4	Degree
Quintile	Quintile [72]	+- 5	Degree	Opp.	Opposition [180]	+- 3	Degree
Square	Square [90]	+- 5	Degree				

मुख्य सूचक ग्रह

जन्म लग्न

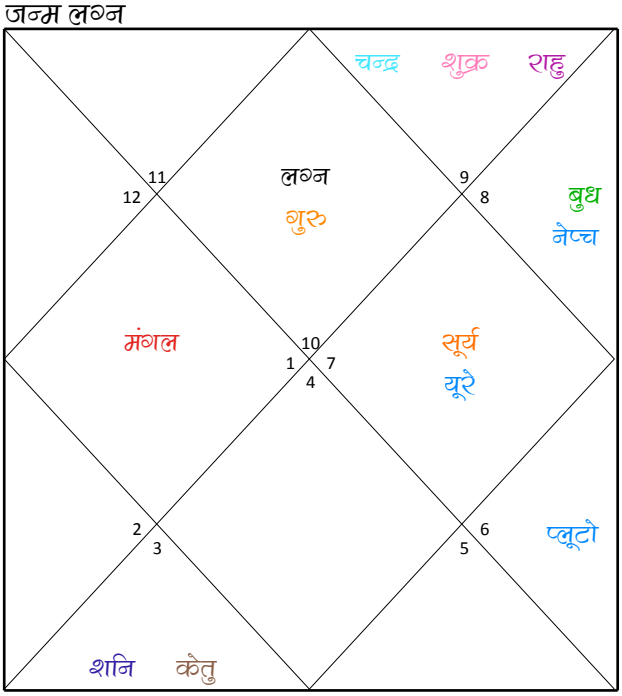

चलित

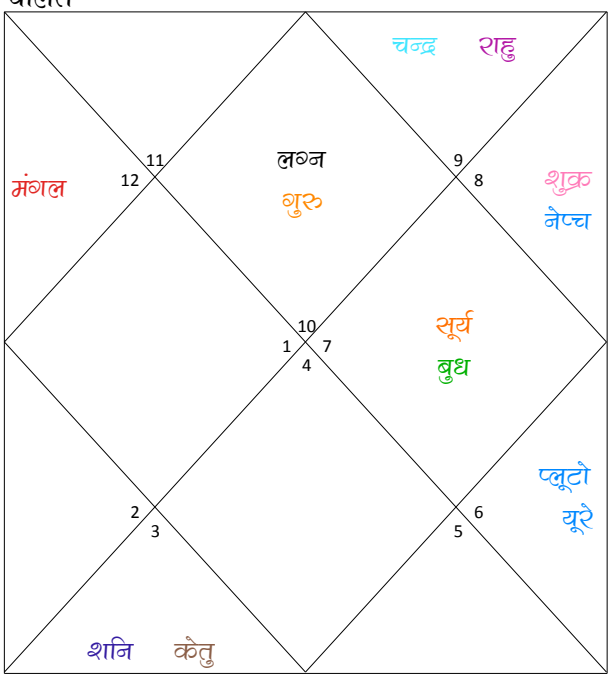

मुख्य सूचक ग्रह

	भावो के सूचक		भावो के सूचक
सूर्य	8]10]12	केतु	3]4]6]11
चन्द्र	5]7]10]11]12	शनि	1]2]6]12
मंगल	3]4]6]11	राहु	6]12
बुध	1]3]6]9]10]12	राहु	6]12
गुरु	1]3]7]12	चन्द्र	5]7]10]11]12
शुक्र	5]6]10]11	शुक्र	5]6]10]11
शनि	1]2]6]12	शनि	1]2]6]12
राहु	6]12	राहु	6]12
केतु	3]4]6]11	चन्द्र	5]7]10]11]12

अधिपतिग्रह

लग्न-उपाधिपति	गुरु
लग्न-नक्षत्राधिपति	सूर्य
लग्नाधिपति	शनि
चंद्र-उपाधिपति	शनि
चंद्र-नक्षत्राधिपति	शुक्र
चंद्राधिपति	गुरु
दिन का स्वामी	गुरु